THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 134 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण पूर्णिमा 2080 मंगलवार, 1 अगस्त 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विश्व हिंदू परिषद की ब्रजमंडल यात्रा पर पथराव

होमगार्ड की मौत, थाने में आगजनी, इंटरनेट बंद
2 हजार लोग फंसे, नूंह-गुरुग्राम में धारा 144

गुरुग्राम, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में सोमवार को हिंदू संगठनों द्वारा निकाली जा रही ब्रजमंडल यात्रा के दौरान बवाल हो गया। दो गुटों में हुए टकराव के बाद तीन दर्जन से ज्यादा गाड़ियों को आग लगा दी गई। पुलिस पर भी पथराव किया गया। भीड़ की तरफ से चली गोली में होमगार्ड के एक जवान की मौत हो गई है।

हिंसा में कई लोग और पुलिसवाले घायल हो गए। मेवात के डीएसपी सज्जन सिंह के सिर में गंभीर चोट लगी है। गुरुग्राम क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अनिल के पेट में गोली लगी है। उपद्रवियों ने नूंह के साइबर थाना पर भी हमला कर दिया। उपद्रवियों ने पथराव किया और बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हंगामे को देख पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। मेवात के कस्बे नगीना और फिरोजपुर-झिरका में भी कई जगह आगजनी की गई।

इससे पहले उपद्रवियों ने स्कूल बस में भी तोड़फोड़ की थी। बस में बच्चे थे या नहीं, ये अभी साफ नहीं हुआ है। बस को उपद्रवी लूट ले गए और थाने को तोड़ने के लिए उसकी दीवार में टक्कर मार दी। नूंह जिला प्रशासन ने हालात से निपटने के लिए दूसरे जिलों से पुलिस फोर्स बुलाई है, साथ ही पूरे जिले में धारा 144 लगाते हुए दो अगस्त यानी 2 दिन के लिए इंटरनेट भी बंद कर दिया गया। जिले की सीमाएं सील कर दी गई हैं। >14

ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा : योगी

> *पूछा-त्रिशूल मस्जिद के अंदर क्या कर रहा?*

> *मुस्लिम समाज आगे आए और कहे-ये ऐतिहासिक गलती*

लखनऊ/वाराणसी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सोमवार (31 जुलाई) को कहा, अगर ज्ञानवापी को हम मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। भगवान ने जिसको दृष्टि दी है, वो देखे न। त्रिशूल मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है? हमने तो नहीं रखे हैं न। ज्योर्तिलिंग हैं... देव प्रतिमाएं हैं। पूरी दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं। ये बात योगी ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को ऐतिहासिक गलती दुरूस्त करनी चाहिए। मुझे लगता है कि ये प्रस्ताव मुस्लिम समाज की तरफ से आना चाहिए कि साहब...ऐतिहासिक गलती हुई है। उस गलती के लिए हम चाहते हैं कि समाधान हो।ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे पर रोक लगा रखी है। अब इस मामले में कोर्ट 3 अगस्त को फैसला सुनाएगा।

देश संविधान से चलेगा, मत और मजहब से नहीं :

देखिए मैं ईश्वर का भक्त हूं, लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता। आपका मत, आपका मजहब, अपने तरीके से होगा, अपने घर में होगा। अपनी मस्जिद, अपने इबादतगाह तक होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप जो हैं किसी भी अन्य तरीके से दूसरे पर थोप नहीं सकते। नेशन फर्स्ट (देश पहले है)। अगर देश में किसी को रहना है तो राष्ट्र को सर्वोपरि मानना है, अपने मत और मजहब को नहीं।

इंडिया गठबंधन को इसे इंडिया नहीं बोलना चाहिए। यह तो डॉट कॉम ग्रुप है। चोला बदलने से उनके पिछले कर्मों से मुक्ति नहीं मिल जाएगी। मैं पिछले सवा 6 वर्ष से मुख्यमंत्री हूं। 2017 से उत्तर प्रदेश में कोई दंगा तो नहीं हुआ। बड़ी-बड़ी बातें करने वाले लोग देखे कि कैसे चुनाव होने हैं। पंचायत चुनाव, नगर निकाय चुनाव, विधानसभा चुनाव हुए, वेस्ट बंगाल में भी चुनाव हुए। वहां क्या हाल हुए। देखा तो है ही न। क्या वेस्ट बंगाल बनाना चाहते हैं देश को।

विपक्ष बंगाल पर कुछ नहीं बोलता :

कुछ लोग सत्ता में आकर जबरन पूरी व्यवस्था को कैद कर देना चाहते हैं। जो हमें वेस्ट बंगाल में देखने को मिला। कैसे वहां विरोधी दलों के लोगों को मारा गया। ये चीजें आंखों को खोलने वाली हैं। उस पर कोई बोलता नहीं। 1990 में जो कुछ कश्मीर में हुआ, उस पर सब मौन हैं। आखिर ये दोहरा दृष्टिकोण क्यों?

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, ज्ञानवापी का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। मैं मस्जिद में मंदिर खोजने वालों को सावधान कर रहा हूं। सविधान भी यही कहता है की सभी धर्म, जाति, संप्रदाय के लोगों का मिल-जुलकर रहना चाहिए। धर्म के ठेकेदारों ने दलित, पिछड़ों को समय-समय पर अपमानित किया है। लगता है हिन्दू धर्म एक जाति विशेष के लिए बना है। ये दलित, पिछड़ों के लिए बना ही नहीं है। रालोद के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा, जब चुनाव आते हैं तो बीजेपी इसी तरह की बात करने लगती है। चुनाव में जो वादे किए थे उन्हें तो पूरा नहीं कर पा रही है। इस तरह के बयान का कोई मतलब नहीं है। यह उनका चुनावी हथकंडा है। >14

मणिपुर पर सिर्फ घड़ियाली आंसू बहा रहा विपक्ष

> *निर्मला सीतारमण का बड़ा हमला*

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर चर्चा में हिस्सा नहीं लेना चाहता। आज जब यह मुद्दा संसद में उठाया गया तो विपक्ष चर्चा से भागता नजर आया। विपक्ष के व्यवहार से दुखी हूं। उन्होंने कहा कि मणिपुर जैसे संवेदनशील मसला विपक्ष के लिए सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा है। आज यह साबित हो गया कि वे मणिपुर मुद्दे पर सिर्फ मगरमच्छ के आंसू बहा रहे थे। अगर उन्हें वास्तव में परवाह होती, तो वे इस पर चर्चा करते। उन्होंने कहा कि आज आपने राज्यसभा में देखा कि आज सुबह सूची में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा होनी तय थी। जब चर्चा शुरू होने का समय आया, तो विपक्ष ने इससे किनारा कर लिया। यह तो पहले से तय था। सदन के नेता इसके लिए तैयार थे। विपक्षी नेता भी इसके लिए तैयार थे, लेकिन जब समय आया तो सभी ने बाहर जाना जरूरी समझा।

चर्चा के लिए सदन को चलने देने की अपील की

वित्त मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि आइए चर्चा करिए। सरकार तैयार है। आपके नेता तो मणिपुर जाकर आएं हैं। वहां के लोगों से चर्चा कर के आए हैं। लोगों का दर्द साझा किया है। तो आइए चर्चा सदन में भी चर्चा करिए। सरकार इसके लिए पहले दिन से तैयार है। कोई भी रुकावट नहीं आएगी।

लालू परिवार की 6 करोड़ की संपत्ति अटैच

ईडी ने बिहार और गाजियाबाद में आईआरसीटीसी घोटाले में कार्रवाई की

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और उनके परिवार की 6 करोड़ 2 लाख की संपत्ति अटैच की है। इसमें गाजियाबाद और बिहार की सभी संपत्ति शामिल है। ईडी ने आईआरसीटीसी घोटाले में ये कार्रवाई की है। इस मामले में लालू यादव उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी और बेटियां मीसा, हेमा से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। आईआरसीटीसी (भारतीय रेल पर्यटन एवं खानपान निगम) टेंडर घोटाले में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव फंसे हुए हैं।

लालू पर आरोप है कि उन्होंने साल 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए एक निजी कंपनी को अवैध तरीके से भुवनेश्वर और रांची में दो होटलों को चलाने का ठेका दे दिया। इसके बदले में उन्हें पटना के सगुना मोड़ के एरिया में इस कंपनी ने 3 एकड़ जमीन दी थी। जमीन राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की मालिकाना वाली लारा प्रोजेक्ट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को बेच दी गई। आरोप यह भी कि रेलवे के होटलों को लीज पर देने के बदले में डिलाइट कंपनी को जमीन दी गई। बाद में उस कंपनी से लारा कंपनी ने कम कीमत में जमीन खरीदी। पूरे मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी यादव सहित प्रेम गुप्ता, सरला गुप्ता सहित रेलवे के अफसर केके गायल और राकेश सक्सेना को आरोपी बनाया गया था। इन सभी को दो साल पहले जमानत मिली थी। आईआरसीटीसी टेंडर घोटाला मामले में तेजस्वी समेत अन्य आरोपियों पर आईपीसी की धारा 420, 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल है।

महिलाओं से दरिंदगी मामले में सुनवाई

केंद्र ने कहा-सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच से आपत्ति नहीं

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी से देश को शर्मसार करने वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। बता दें, शीर्ष अदालत दो महिलाओं पर भीड़ द्वारा किए गए हमले से संबंधित मामले की सुनवाई को स्थानांतरित करने के केंद्र सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि महिलाएं मामले की सीबीआई जांच और मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं। सिब्बल ने आगे कहा कि पीड़ित महिलाओं में से एक के पिता और भाई की हत्या कर दी गई थी। उनके अभी तक शव नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि 18 मई को जीरो एफआईआर दर्ज की गई। जब कोर्ट ने संज्ञान लिया, तब कुछ हुआ। तो फिर हम क्या भरोसा रखें? उन्होंने कहा कि ऐसी कई घटनाएं होंगी। इसलिए हम एक ऐसी एजेंसी चाहते हैं जो मामले की जांच करने के लिए स्वतंत्र हो।

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का हमने कभी अनुरोध नहीं किया। हमारी मांग यह है कि इस मामले को मणिपुर से बाहर स्थानांतरित किया जाए। महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस घटना का तो वीडियो सामने आया है, लेकिन यह एकमात्र घटना नहीं है जहां महिलाओं के साथ मारपीट या उत्पीड़न हुई है, अन्य महिलाएं भी हैं।

उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा के व्यापक मुद्दे को देखने के लिए एक तंत्र भी बनाना होगा। इस तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे सभी मामलों का ध्यान रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दोनों पक्षों को संक्षेप में सुनेगा और फिर कार्रवाई के सही तरीके पर फैसला करेगा। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल कोई साक्ष्यात्मक रिकॉर्ड पेश नहीं किए गए हैं। सीजेआई ने कहा कि पहले याचिकाकर्ताओं को सुनते हैं उसके बाद अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को सुना जाएगा। कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह स्पष्ट है कि पुलिस उन लोगों के साथ मिलकर काम कर रही थी, जिन्होंने दोनों महिलाओं के खिलाफ हिंसा की और पुलिस ने इन महिलाओं को भीड़ के पास ले जाकर छोड़ दिया और भीड़ ने वही किया जो उन्होंने किया।

जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में फायरिंग, 4 की मौत

आरपीएफ जवान ने एएसआई को गोली मारी दूसरे डिब्बे में 3 पैसेंजर्स को शूट किया

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस (12956) में सोमवार सुबह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के एक कॉन्स्टेबल ने अपनी ऑटोमैटिक राइफल से साथी असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) को गोली मार दी। इसके बाद वह दूसरे डिब्बे में गया और 3 पैसेंजर्स को भी शूट कर दिया। घटना के वक्त ट्रेन गुजरात से महाराष्ट्र जा रही थी। फायरिंग पालघर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के कोच बी-5 में हुई। जवान को उसकी राइफल के साथ अरेस्ट कर लिया गया है।

आरपीएफ के मुताबिक, घटना सुबह लगभग 5 बजकर 23 मिनट पर हुई। आरोपी कॉन्स्टेबल चेतन कुमार चौधरी और एएसआई टीका राम मीणा एस्कॉर्ट ड्यूटी पर थे। चेतन ने टीका राम पर फायरिंग के बाद 3 और यात्रियों को गोली मारी। इसके बाद वो दहिसर स्टेशन के पास ट्रेन से उतर कर भाग गया था।

बाद में उसे हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए बोरीवली पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पूछताछ के बाद फायरिंग की वजह का पता चलेगा। आरोपी शख्स उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले का रहने वाला है। वहीं, मारे गए एएसआई राजस्थान के सवाई माधोपुर के हैं। वे 6 महीने बाद रिटायर होने वाले थे। उनके परिजन के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की गई है। परिजन को रेलवे सुरक्षा कल्याण निधि से भी 15 लाख रुपये दिए जाएंगे। पश्चिमी रेलवे के प्रवक्ता सुमित ठाकुर ने बताया कि परिजन को डेथ-कम-रिटायरमेंट ग्रैचुइटी और ग्रुप इंश्योरेंस की रकम भी दी जाएगी। इनके अलावा मारे गए 3 अन्य यात्रियों को भी मुआवजा दिया जाएगा।

8वें दिन भी हंगामा, दोनों सदन स्थगित

राज्यसभा में मणिपुर पर अल्पचर्चा को मंजूरी, मंत्रियों और खड़गे से मिले धनखड़

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का सोमवार (31 जुलाई) को 8वां दिन था। दोनों सदनों में मणिपुर मुद्दे पर हंगामा हुआ। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने मुद्दे पर अल्पचर्चा की मंजूरी दे दी, लेकिन सदन में हंगामा जारी रहा। धनखड़ ने अपने ऑफिस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कुछ मंत्रियों से भी बात की, ताकि सदन में गतिरोध दूर किया जा सके।

राज्यसभा में सुबह मणिपुर मुद्दा उठा तो सरकार ने कहा कि हम इस पर आज ही चर्चा को तैयार हैं। दोपहर 2 बजे इस पर चर्चा हो। राज्यसभा सांसद पीयूष गोयल ने कहा, विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, वो सच को सामने नहीं आने दे रहा। विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर अड़ गए। 2 बजे जब सदन शुरू हुआ तो सभापति ने मणिपुर पर अल्पचर्चा को मंजूरी दे दी, लेकिन हंगामा जारी रहा। इसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 2.30 बजे और फिर 3.30 बजे तक स्थगित कर दी गई। 3.30 के बाद जब राज्यसभा शुरू हुई तो भी हंगामा जारी रहा, इसके बाद अगले दिन (1 अगस्त) 11 बजे तक सदन स्थगित हो गया। लोकसभा में भी आज मणिपुर मुद्दे पर हंगामा हुआ। 11 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि मलावी का डेलिगेशन भारत आया है। वे सदन की कार्यवाही देखने आए हुए हैं। हम उनका स्वागत करते हैं। जैसे ही बिड़ला की स्पीच खत्म हुई, विपक्षी सांसदों ने मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सदन में बयान देने की मांग की। विपक्षी सांसदों ने वेल में आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालांकि इन सबके बावजूद प्रश्नकाल जारी रहा। इस दौरान 15 मिनट ही कार्यवाही चली और हंगामे के चलते बिड़ला ने 2 बजे तक सदन स्थगित कर दिया।

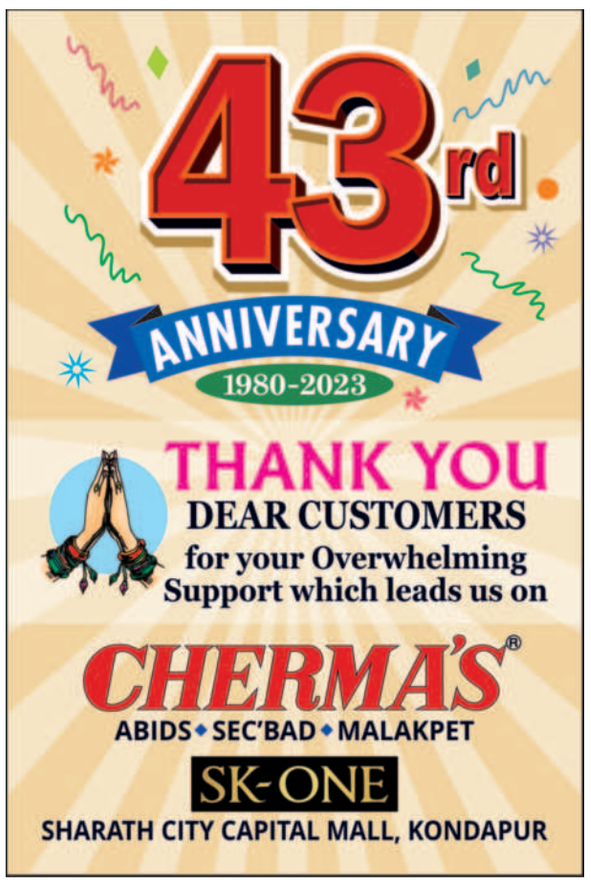

विपक्ष की सोच में है खोट मणिपुर पर चर्चा से डरा हुआ है विपक्ष : गोयल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं राज्य सभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने विपक्ष की सोच में खोट होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आज ही 2 बजे सदन (राज्य सभा) में मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। गोयल ने कहा कि विपक्ष की सोच में खोट है और चर्चा के दौरान अपने काले कारनामे खुल जाने के डर के कारण वे मणिपुर पर चर्चा करने से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष जब चाहे, सरकार चर्चा के लिए तैयार है। सदन का बहुमत सदन चलने के पक्ष में है लेकिन कुछ दल सदन को नहीं चलने दे रहे हैं जो कि निंदनीय है। गोयल ने कहा कि, मणिपुर संवेदनशील विषय है, सरकार पिछले 10 दिन से विपक्ष से चर्चा होने देने का अनुरोध कर रही है लेकिन जिस तरह का व्यवहार विपक्षी दल सदन के अंदर और सदन के बाहर कर रहे हैं, वह चिंताजनक और निन्दाजनक है।

सुप्रीम कोर्ट ने शिवकुमार को दी राहत

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भ्रष्टाचार मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को राहत दी है। दरअसल, उच्चतम न्यायालय ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच पर अंतरिम रोक लगाने के हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मामले में हाईकोर्ट के 10 फरवरी के आदेश के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सीबीआई के पक्ष में आदेश होने के बावजूद जांच पर अंतरिम रोक लगाने की मंजूरी दे दी थी। वहीं, शिवकुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि सीबीआई ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के खिलाफ अपील दाखिल की है, लेकिन हाईकोर्ट की खंडपीठ के बाद में दिए अंतरिम आदेशों को चुनौती देने से इनकार कर दिया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हस्तक्षेप नहीं करेगा और उसने सीबीआई को हाईकोर्ट से मामले को सुलझाने का अनुरोध करने की अनुमति दे दी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने 10 फरवरी को शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने एजेंसी को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत दर्ज मामले में एक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि मामले वर्ष 2020 के हैं। अदालत ने पिछले दो वर्षों में जांच की प्रगति पर सीबीआई से भी जानकारी मांगी थी। अदालत ने एजेंसी से पूछा था कि वह अंतिम रिपोर्ट कब दाखिल करेगी। उच्च न्यायालय ने सुनवाई की अगली तारीख तक कार्यवाही रोक दी थी और मामले को स्थगित कर दिया था।

एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव गुट फिर एक मंच पर आए

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजवाड़े इतिहास संशोधक मंडल (बुक पब्लिशर) ने इतिहास की 6 किताबों का विमोचन किया। इसमें एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) को मिलकर महाराष्ट्र में बदलाव के लिए काम करने होंगे। पवार ये भी बोले कि मौजूदा सरकार में ये काम मुश्किल है, लेकिन फिर भी हमें कोशिश करनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट भी मौजूद थे। एनसीपी से अजित पवार के अलग होने के बाद ये पहली बार था जब महाविकास अघाड़ी दल (एमवीए) की तीनों पार्टियों के नेता एक साथ मंच पर थे। पवार ने बताया उनका यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान, राजवाडे इतिहास संशोधक मंडल को 50 लाख रुपये देगा। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद अब एनसीपी भी दो गुटों में बंट गई है। पहला शरद पवार गुट और दूसरा अजित पवार ग्रुप।

पश्चिम बंगाल : विपक्षी उम्मीदवारों का टीएमसी समर्थकों पर अपहरण का आरोप

सत्ताधारी पार्टी ने किया इनकार

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में जिला पंचायत चुनाव जीतने वाले चार विपक्षी नेताओं ने टीएमसी समर्थकों पर उनका अपहरण करने का आरोप लगाया है। हालांकि टीएमसी ने इन आरोपों से इनकार किया है। पंचायत चुनाव जीतने वाली भाजपा उम्मीदवार पूजा छतुई, कमला मंडल, सुशांत मंडल और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार नारायण हलदर गुरुवार को लापता हो गए थे।

परिजनों ने लगाया था अपहरण का आरोप

परिजनों ने टीएमसी पर नेताओं को अगवा करने का आरोप लगाया। इस बीच पंचायत प्रतिनिधियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें इन पंचायत प्रतिनिधियों ने दावा किया कि वह सुरक्षित हैं और सुंदरबन में एक स्थान पर रह रहे हैं। पंचायत प्रतिनिधियों ने वीडियो में ये भी कहा कि अगस्त के मध्य में पंचायत बोर्ड गठित होने के बाद वह घर लौट आएंगे। हालांकि रविवार को ही ये सभी नेता अपने-अपने घर वापस लौट आए।

टीएमसी समर्थकों ने किया अगवा

वापस आने के बाद इन नेताओं ने मीडिया के सामने आरोप लगाया कि उनका अपहरण किया गया था और उन्हें सुंदरबन के एक मकान में रखा गया था। नारायण हलदर ने बताया कि उनसे एक खाली पन्ने पर हस्ताक्षर कराए गए और पूर्व में जारी किया गया वीडियो शूट कराया। अपहरणकर्ताओं ने सभी को शनिवार रात छोड़ दिया। माकपा नेता कांति गांगुली ने आरोप लगाया कि टीएमसी चुनाव में बहुमत साबित नहीं कर सकी, इसलिए टीएमसी ने पंचायत बोर्ड बनाने के लिए चार नेताओं का अपहरण किया। हालांकि बाद में खुद को घिरता देख टीएमसी ने इन नेताओं को छोड़ दिया।

टीएमसी ने आरोपों से किया इनकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भी टीएमसी को निशाने पर लिया और कहा कि टीएमसी लोकतंत्र में भरोसा नहीं करती। मजूमदार ने कहा कि टीएमसी ने पंचायत बोर्ड पर कब्जे की कोशिश की लेकिन मीडिया में मामला आने के चलते उन्हें विपक्षी नेताओं को छोड़ना पड़ा।

वहीं कैनिंग पुरबा से टीएमसी विधायक शौकत मोल्ला ने दावा किया कि विपक्षी नेता राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों से प्रभावित थे और टीएमसी में शामिल होना चाहते थे लेकिन जब उन्हें ये एहसास हुआ कि उन्हें पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा तो उन्होंने अपने अपहरण की कहानी गढ़ी।

मनप्रीत बादल हैं सबसे बड़े ड्रामेबाज, उन्हें ऑस्कर मिलना चाहिए : मान

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शहीद ऊधम सिंह का 84वां राज्य स्तरीय बलिदान दिवस समारोह सोमवार को महाराजा पैलेस में आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों की सोच को जीवित रखेंगे। देश की राजनीति में अब पंजाबियों का अहम योगदान रहेगा।

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान मुख्यमंत्री के निशाने पर पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल, सुनील जाखड़ समेत केंद्र की भाजपा सरकार रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस सोच को लेकर वे सियासत में आए थे, उस पर आज भी कायम हैं।

मनप्रीत बादल उन्हें ड्रामेबाज बता रहे हैं लेकिन मनप्रीत बादल तो सबसे बड़े ड्रामेबाज हैं। जिसकी सत्ता होती है, उसी पार्टी के हो जाते हैं। पंजाबियों के कभी नहीं हुए। मनप्रीत बादल को तो इसके लिए ऑस्कर अवार्ड मिलना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पंजाब का आर्थिक नुकसान करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ पर तंज कसते हुए कहा कि पंजाब के गवर्नर को मिलने गए जाखड़ की टीम का पता नहीं चल पा रहा था कि कांग्रेसी हैं या भाजपाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजनीति में अब पंजाबियों का अहम योगदान रहने वाला है। इसके लिए बड़े स्तर पर मंथन चल रहा है।

केंद्र को चेतावनी-पंगा लेने वालों को पंजाबी छोड़ते नहीं

केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों से प्यार से बेशक जान ले लो लेकिन पंगा लेने वालों को पंजाबी छोड़ते नहीं। उन्होंने कहा कि जुल्म करने वालों को शूरवीरों ने भगा दिया लेकिन कुछ जुल्मियों के खिलाफ संघर्ष जारी है। शहीद ऊधम सिंह को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि इंसान वर्षों से नहीं ख्यालों से बड़ा होता है। शहीद ऊधम सिंह की शहादत की अनोखी मिसाल शायद ही कहीं हो।

ईडी ने रियल एस्टेट कंपनियों के साथ सुजय भद्र के संबंधों का लगाया पता

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के स्कूल नौकरी मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने आखिरी आरोपपत्र में कोलकाता स्थित कुछ प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनियों के बारे में उल्लेख किया है, जिनके माध्यम से मामले का एक प्रमुख आरोपी सुजय कृष्ण भद्र ने घोटाले की आय को चैनलाइज़ किया था।

सूत्रों ने कहा कि 28 जुलाई को कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत में दायर आरोप पत्र में, ईडी के अधिकारियों ने यह भी बताया है कि भद्र ने इन रियल एस्टेट कंपनियों के साथ अपने नेटवर्क का इस्तेमाल कैसे किया। सूत्रों ने कहा कि पहले दोनों कंपनियां, जहां भद्र प्रमुख शेयरधारक था, इन कंपनियां, जहां भद्र प्रमुख शेयरधारक हैं, मार्च 2020 में शुरू की गई थीं, जब देश में कोविड-19 के मद्देनजर लॉकडाउन लागू था।सूत्रों ने बताया कि 7,600 पन्नों की चार्जशीट में इन सबका जिक्र किया गया है, जबकि मुख्य चार्जशीट 125 पन्नों की है।उसी दस्तावेज़ में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने एक तस्वीर खींचने का प्रयास किया है कि कैसे भद्र ने इस पूरे शो को चलाने के लिए प्रभावशाली लोगों के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल किया।सूत्रों ने बताया कि आरोप पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कैसे भद्र ने शहर के एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद से कृत्रिम रूप से एक विशेष कंपनी के शेयर की कीमत 10 रुपये प्रति शेयर से बढ़ाकर 440 रुपये कर दी थी।

बंगाल स्कूल नौकरी मामला

जवान की तबीयत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से दिल्ली भेजा

मलेरिया से पीड़ित है, हैदराबाद से एयर एंबुलेंस को बुलाया गया

बस्तर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बस्तर में नक्सल मोर्चे पर तैनात जवान की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे एयर एंबुलेंस से दिल्ली भेजा गया है। जवान की हालत को देखते हुए डिमरापाल अस्पताल से जगदलपुर दंतेश्वरी एयरपोर्ट तक 15 किलोमीटर का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

जवान मलेरिया से पीड़ित है। जवान बीजापुर जिले में सीआरपीएफ 153वीं बटालियन में पदस्थ है। उसका नाम अकन राव है। 26 जुलाई को उसकी अचानक तबीयत बिगड़ी थी। उसे तेज बुखार की शिकायत थी।

तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। जिसके बाद 28 जुलाई को उसे जगदलपुर के डिमरापाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उसका उपचार किया गया। मगर यहां भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

हैदराबाद से एयर एंबुलेंस को बुलाया गया

इसके बाद सोमवार को डॉक्टरों ने फैसला किया कि जवान को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली भेजा जाना चाहिए। इसलिए हैदराबाद से एयर एंबुलेंस को बुलाया गया और जवान को करीब 12 बजे दिल्ली के एम्स अस्पताल भेजा गया है। बीमार जवान के साथ कुछ जवान और एक डॉक्टरों की टीम भी रवाना हुई है। जवान को सांस लेने में भी तकलीफ हो रही है। जिसके चलते उसे ऑक्सीजन सपोर्ट में रखकर ले जाया गया है। अस्पताल के डॉक्टर नवीन दुलहानी ने बताया कि जवान के सिर पर मलेरिया चढ़ गया था। कंडीशन क्रिटिकल है। इसलिए बेहतर उपचार के लिए जवान को दिल्ली भेजा गया है। ग्रीन कॉरिडोर एक निश्चित समय के लिए मार्ग को किसी मरीज के लिए खाली कराना या ट्रैफिक कंट्रोल करने को कहते हैं। इसे मेडिकल इमरजेंसी जैसे कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट या मरीज की क्रिटिकल स्थिति को देखते हुए बनाया जाता है।

हरियाणा के गन्ना उत्पादकों की बकाया राशि का ब्याज सहित भुगतान करे सरकार : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा के सवाल पर संसद में भारत सरकार ने माना कि हरियाणा के गन्ना किसानों का पिराई सीजन 2022-23 का 17 जुलाई की स्थिति के अनुसार 266 करोड़ रुपए अभी भी बकाया है। दीपेंद्र हुड्डा ने मांग की कि सरकार हरियाणा के गन्ना उत्पादक किसानों की बकाया राशि का ब्याज सहित तुरंत भुगतान करे। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से भुगतान न मिलने के कारण किसान को अपना परिवार चलाने के लिये कर्ज लेना पड़ रहा है। जबकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान किसानों से गन्ना खरीद के साथ तुरंत भुगतान सुनिश्चित किया जाता था।

उनके सवाल पर केन्द्रीय ग्रामीण विकास तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा संसद में दिए जवाब का हवाला देते हुए उन्होंने प्रदेश सरकार के दावों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहाकि 15 दिन में गन्ने की कीमत का भुगतान करने का दावा करने वाली हरियाणा सरकार बताए कि मिलों के बंद होने के तीन महीने बाद भी किसानों के पैसे का भुगतान क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने गन्ने के रेट में रिकॉर्ड तोड़ 193 रुपए की बढ़ोत्तरी करते हुए उसे 117 से बढ़ाकर 310 रुपए तक पहुंचाया। यानी 9 साल में 165% की बढ़ोत्तरी की गई। जबकि बीजेपी सरकार ने गन्ने का भाव 2014 में 310 से बढ़ाकर 2022-23 में 362 ही किया, यानी 9 साल में मात्र 17% वृद्धि हुई है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि 9 साल में बीजेपी-जेजेपी सरकार ने प्रदेश के किसान को सबसे ज्यादा चोट मारी है। जबकि हुड्डा सरकार ने किसानों से गन्ना खरीद के साथ ही तुरंत भुगतान भी सुनिश्चित कराया। 2014 में सरकार छोड़ते समय गन्ना मिलों पर किसानों का एक पैसा बकाया नहीं था। हरियाणा की बीजेपी-जेजेपी सरकार पूरी तरह किसान विरोधी साबित हो चुकी है। आज प्रदेश का किसान अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी का भाजपा का दावा तो पहले ही फेल हो चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि 2015-16 में गन्ने का रेट 317 रुपए था, जिसका दोगुना 634 रुपए होता है। इस हिसाब से भाजपा सरकार को गन्ना किसान की आमदनी दोगुनी करने के लिए रेट कम से कम 634 रुपए तो करना ही चाहिए। लेकिन मौजूदा सरकार के रहते इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

भारत की संस्कृति पूरे विश्व में लोगों को जीवन जीने की कला सिखाती है : गडकरी

गुरुग्राम, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आज हरियाणा के गुरुग्राम पहुंचे हैं। वे गुरुग्राम के सेक्टर 9ए स्थित सिद्धेश्वर स्कूल में चल रहे 3 दिवसीय भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के अंतिम दिन के कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस कार्यक्रम को उभरते भारत का एक अहम केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति पूरे विश्व में आज लोगों को जीवन जीने की कला सिखाती है। भारतीय संस्कृति ही है, जो एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाती है और एक ऐसी तस्वीर पेश करती है, जिससे युवाओं को आत्म शक्ति और आत्म सम्मान के साथ जीने की कला और आत्मविश्वास देती है। उन्होंने कहा की विश्व पटल पर भारतीय संस्कृति को एक मजबूत और असरदार रूप में देखा गया है और यही कारण है कि दूसरी तरफ आज भारत तेजी से विकास कर रहा है। चारों तरफ सड़कों का जाल पूरे देश को एक माला में पिरोए हुए हैं। मॉडर्न तकनीक से तैयार हो रही सड़कें और विकास की बढ़ती गति आज 9 साल के कार्यों को परिभाषित भी करती है।

अंजू के पाकिस्तान जाने की जांच स्पेशल ब्रांच को : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के एक गांव की रहने वाली अंजू के पाकिस्तान जाने की कहानी चर्चाओं में है। अब तो उसे तरह-तरह के उपहार भी मिल रहे हैं, जिससे उसके किसी साजिश का हिस्सा होने का भी शक होने लगा है। यही कारण है कि राज्य के गृहमंत्री डा नरोत्तम मिश्रा ने अंजू मामले की जांच स्पेशल ब्रांच को करने क निर्देश दिए हैं। राजधानी में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए डा मिश्रा ने कहा कि अंजू की जिस तरह से आवभगत पाकिस्तान में हो रही है उससे कई संदेह अंजू के पाकिस्तान पहुंचने पर पैदा हुए हैं।गृहमंत्री मिश्रा ने आगे कहा, मैंने स्पेशल ब्रांच को जांच के निर्देश दिए हैं। टीम इसकी कड़ियां जोडकर जांच करेगी। कहीं अंजू के पाकिस्तान जाने के पीछे कोई इंटरनेशनल कांस्पीरेसी तो नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अंजू के पाकिस्तान जाने के मामले पर सरकार को इंटरनेशनल कांस्पीरेसी का शक है।

श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर आईईडी बरामद, बम निरोधक दस्ते ने किया निष्क्रिय

श्रीनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के जिला बारामुला के पट्टन इलाके में एक संदिग्ध बैग बरामद हुआ। श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर जांगम फ्लाईओवर पर संदिग्ध बैग मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा के चलते मार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए निलंबित किया गया।

बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। दस्ते ने संदिग्ध बैग की जांच की तो उसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद हुआ, जिसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात को बहाल कर दिया गया है।

17 साल की नाबालिग को गर्भपात की इजाजत देने से कोर्ट का इनकार

कहा-आपसी सहमति से बने संबंध

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने अपने एक फैसले में 17 साल की नाबालिग लड़की को गर्भपात की इजाजत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि दोनों के बीच आपसी सहमति से संबंध बने और लड़की को इसके बारे में पूरी जानकारी थी।

लड़की की गर्भावस्था को 24 हफ्ते का समय बीत चुका है। डिविजन बेंच के जस्टिस रविंद्र घुगे और जस्टिस वाईजी खोबरागडे ने 26 जुलाई को दिए अपने आदेश में ये बात कही।

कोर्ट ने कहा-पीड़िता को गर्भावस्था की पूरी जानकारी

कोर्ट ने कहा कि लड़की इस महीने ही 18 साल की हो जाएगी और वह लड़के के साथ दिसंबर 2022 से ही रिश्ते में थी। पीठ ने कहा कि पीड़ित लड़की और आरोपी लड़के ने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लड़की खुद प्रेग्नेंसी किट खरीदकर लाई और फरवरी में ही उसे गर्भधारण होने का पता चल गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता व्यस्क है और उसे पूरी जानकारी है। अगर याचिकाकर्ता को बच्चे को जन्म नहीं देना था तो वह पहले भी गर्भपात की इजाजत मांग सकती थी।

20 हफ्ते के बाद गर्भपात के लिए कोर्ट की मंजूरी जरूरी

नाबालिग लड़की ने अपनी मां के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में पोक्सो कानून के तहत गर्भपात कराने की मांग की गई है क्योंकि लड़की खुद नाबालिग है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी कानून के तहत अगर गर्भावस्था को 20 हफ्ते से ज्यादा का समय बीत गया है तो गर्भपात के लिए कोर्ट की मंजूरी जरूरी होती है। बच्चे और मां की जान के खतरे को देखते हुए कोर्ट मंजूरी देते हैं। इस याचिका में कहा गया है कि बच्चे को जन्म देने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ेगा।

जन्म के बाद बच्चा गोद दे सकती है पीड़िता

कोर्ट ने कहा कि बच्चे की डिलीवरी में अब सिर्फ 15 हफ्ते का समय बाकी है। ऐसे में लड़की स्वस्थ बच्चे को जन्म देगी। बच्चे के जन्म के बाद वह उसे किसी को गोद देने के लिए स्वतंत्र है। कोर्ट ने ये भी कहा कि नाबालिग को कुछ सामाजिक संगठनों के साथ भी रखा जा सकता है, जहां डिलीवरी तक उसकी बेहतर देखभाल हो सकेगी।

रोचक खबरें

13 लाख खर्च कर इंसान से बना कुत्ता, दोस्त के साथ गया वॉक पर

दूसरे कुत्तों ने कर दिया अटैक

दुनिया में कई लोगों के कई तरह के शौक होते हैं. कुछ के शौक तो इतने अजीबोगरीब होते हैं कि यकीन करना मुश्किल होता है. कई लड़कों को लकड़ियों की तरह गेट अप करना पसंद होता है. कुछ लोग कुछ और शौक रखते हैं. आज हम आपको एक ऐसे शख्स की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसे कुत्ता बनने का शौक है. जी हां, इंसान की योनि में जन्म लेने के बाद उसे कुत्ता बनने का शौक चढ़ा. इसके लिए उसने तेरह लाख रुपए भी खर्च कर दिए.

हम बात कर रहे हैं जापान के रहने वाले एक शख्स की. इस शख्स का नाम टाको है. उसे कुत्ता बनने का शौक था. इसके लिए उसने लाखों रुपए खर्च कर दिए. अब वो पहली बार वॉक पर गया, जहां उसने कुछ नए दोस्त बनाए. हालांकि, पहली बार टाको को देखने के बाद कुछ कुत्तों ने उसपर अटैक भी किया. इस शख्स ने अपने डॉग के अवतार के लिए करीब तेरह लाख रुपए खर्च किये हैं. उसका बचपन से जानवर खासकर कुत्ता बनने का सपना अब जाकर सच हुआ है.

लोगों के साथ शेयर की जर्नी

टाको ने अपना यूट्यूब पेज बना रखा है. इसपर उसके करीब तीस हजार फॉलोवर्स हैं. उसने अपने फॉलोवर्स को ही बताया था कि वो जानवर बनना चाहता है. अपने ज्यादातर वीडियोज में टाको चार पैरों पर चलता नजर आता है. साथ ही वो जानवरों की तरह की हरकतें भी करता है. अपने पेज पर टाको ने कुछ ऐसे वीडियो भी डाले हैं जिसमें वो जानवरों की तरह की बॉल पकड़ते और सामान लाते नजर आया. अपने यूट्यूब चैनल में लोगों का चार पैर पर मनोरंजन करने के बाद अब पहली बार टाको ने पब्लिक में वॉक की. उसका वॉक देखने के बाद लोग भी हैरान रह गए. उसके वॉक की स्टाइल देखकर कुत्ते भी उसे रियल डॉग समझने लगे. उसके इस पब्लिक वॉक का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसे देखने के बाद कोई कह नहीं सकता कि ये रियल डॉग नहीं है.

ये है दुनिया की सबसे बदनसीब मां, 11 में से ग्यारह बच्चे निकले अंधे, एक को भी कुछ नहीं आता नजर

एक महिला के लिए उसके बच्चे बुढ़ापे का सहारा होते हैं. मां बड़ी उम्मीदों से बच्चे का पालन पोषण करती है. इस उम्मीद से कि जब उसका शरीर उसका साथ नहीं देगा, तब ये बच्चे उसका सहारा बनेंगे. केन्या की रहने वाली अग्नेस नेस्योन्डी ने भी कुछ ऐसा ही सोचा था. जब वो पहली बार मां बनी, तो उसका दिल बैठ गया. बच्चे के जन्म के बाद पता चला कि वो अंधा है. इसके बाद दूसरी बार मां बनी. इस बार भी उसने अंधे बच्चे को जन्म दिया. एक के बाद एक अग्नेस ने ग्यारह अंधे बच्चों को जन्म दे डाला.

केन्या के किसुमु गांव की रहने वाली अग्नेस के बारे में कहा जाता है कि वो श्रापित है. उसकी कोख से सिर्फ अंधे बच्चे ही पैदा होते हैं. उसने ग्यारह बच्चों को जन्म दिया और सभी अंधे हैं. उसके पति की मौत करीब 21 साल पहले हो गई थी. तब से वो ही इन सारे बच्चों का ध्यान रख रही है. अब तो उसके सामने खाने-पीने के लाले पड़ गए हैं. अकेले ग्यारह बच्चों की देखभाल करना, जो देख नहीं सकते, अग्नेस के लिए काफी मुश्किल होता जा रहा है. अपनी लाइफ के बारे में अग्नेस ने काफी कुछ शेयर किया. उसने बताया कि शादी के बाद उसकी लाइफ काफी अच्छी थी. जब वो पहली बार प्रेग्नेंट हुई, तो ख़ुशी से झूम उठी थी. उसका पहला लड़का हुआ. शुरुआत में डॉक्टर्स पकड़ नहीं पाए कि बच्चा देख नहीं सकता. लेकिन कुछ समय बाद जब अग्नेस और उसके पति को शक हुआ, तो वो बच्चे को अस्पताल ले गए. वहां कंफर्म हुआ कि बच्चा देख नहीं सकता.

कॉफी की दुकान के नीचे से मिला रहस्यमई जीव

5 सौ पैरों के साथ रेंगता दिखा, साइंटिस्ट भी रह गए हैरान

धरती पर कई तरह के जीव रहते हैं. वैज्ञानिक इन जीवों की प्रजातियों और उनकी खासियतों पर नजर रखते हैं. लेकिन इसके साथ ही दुनियाभर के जीव वैज्ञानिक नए प्रजाति के जीवों की खोज में भी लगे रहते हैं. कई बार उनके हाथ गहरे समुद्र या घने जंगलों में जीवों की नई प्रजाति हाथ लग जाती है. लेकिन बीते दिनों एक बेहद बिजी इलाके में साइंटिस्ट्स के हाथ कनखजूरे की एक नयी प्रजाति लगी. इसका नाम भी उस जगह के आधार पर ही रख दिया गया.

लॉस एंजिलिस में एक कॉफ़ी शॉप के नीचे से एक्सपर्ट्स को ये नयी स्पीसीज मिली. इसका नाम लॉस एंजिलिस थ्रेड मिलीपैड है. साउथ कैलिफोर्निया को एक्स्प्लोर कर रहे परायवरणविद को स्टारबक्स के नीचे से ये जीव मिला. टीम ने इसका डीएनए सीक्वेंसिंग किया, जिसमें ये कंफर्म हो गया कि ये एक नई प्रजाति है. सबसे हैरानी तो साइंटिस्ट्स को इसके पैर देखकर हुआ. Fox31 की खबर के मुताबिक़, इस कनखजूरे की लंबाई एक पेपरक्लिप जितनी है. लेकिन ये पेन्सिल की नोक जितनी पतली है. इसका लुक ट्रांसपेरेंट है साथ ही टेक्सचर जेली फिश जैसा है. जो जीव साइंटिस्ट्स के हाथ लगा, उसकी लंबाई चार इंच है. ये जमीन के नीकजए से मिला. एक्सपर्ट्स ने पाया कि ये जीव पूरी तरह से अंधा भी है. सबसे हैरानी इसके पैरों को देखकर हुई. जीव के एक दो नहीं, पूरे पांच सौ पैर हैं. जब इस कनखजूरे को माइक्रोस्कोप के नीचे डाला गया, तो इसके पैर हॉलीवुड फिल्मों के मॉन्स्टर जैसे नजर आए. इस जीव की खोज कई दिनों से की जा रही थी. इस डिस्कवरी में कई यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स जुटे हुए थे.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 1 अगस्त, 2023 3

सुविचार

गुस्से में कभी गलत मत बोलो, मूड तो ठीक हो ही जाता है, पर बोली हुई बातें वापस नहीं आती!

नगर में फिर बारिश का कहर, तूफान के साथ हुई वर्षा

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को शहर में दिन के दौरान धूप और बादलों का मिश्रित मौसम रहा, लेकिन शाम होते-होते तेज हवाओं और तूफान के साथ बारिश हुई। जैसे ही शाम के 5 बजे, पूर्वी आनंदबाग क्षेत्र में 24.3 मिमी के साथ सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, इसके बाद लालापेट में 21.5 मिमी और त्रिमुलगिरी में 20.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बंजाराहिल्स, सरूरनगर, सैदाबाद, उप्पल, मल्काजगिरी, नामपल्ली और गाचीबोवली सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी अच्छी मात्रा में वर्षा हुई।

हैदराबाद में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि शहर में अगले दो दिनों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होगी। अधिकतम तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जिससे गर्म मौसम से कुछ राहत मिलेगी। वहीं, न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

सीसीएमबी ने 'वन वीक, वन लैब' पहल के लिए अपने दरवाजे जनता के लिए खोले

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश के प्रमुख आनुवंशिक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के पोर्टल "एक सप्ताह, एक लैब" के एक भाग के रूप में, आम जनता के लिए एक सप्ताह के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की पहल मंगलवार, 1 अगस्त से खुले रहेंगे। महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर, डॉ. एन कलाईसेल्वी मंगलवार को सीसीएमबी परिसर में 'वन वीक, वन लैब' का उद्घाटन करने वाले हैं। 'वन वीक, वन लैब' पहल के दौरान, सीसीएमबी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास के अपने विभिन्न पहलुओं का प्रदर्शन करेगा। इस नई पहल का उद्देश्य तैनाती और व्यावसायीकरण के लिए उद्योग के साथ सहयोग विकसित करना, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी और उत्पादों के सह-विकास के लिए संभावित उद्योग की पहचान करना और युवाओं और उभरते उद्यमियों को स्टार्टअप बनाने के लिए प्रेरित करना है। कुछ कार्यक्रमों में सीसीएमबी द्वारा विकसित शैक्षिक किटों को लोकप्रिय बनाने के लिए हाई स्कूल के शिक्षकों के साथ कार्यशाला, आनुवंशिक अनुसंधान सुविधा द्वारा किसानों को उन्नत चावल की किस्मों का वितरण, सीसीएमबी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और कॉलेज के छात्रों के बीच एक विशेष बातचीत सत्र और आक्रामक पर एक परामर्शी बैठक शामिल है। आमंत्रित वन एवं सरकारी अधिकारियों के बीच प्रजातियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

एक स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करें विभिन्न राजनीतिक दल : हरीश

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन के सम्मेलन कक्ष में जिला कलेक्टर डॉ. एस. हरीश ने जिला अपर समाहर्ता प्रतिमा सिंह, भूपाल रेड्डी, डीआरओ आदि के साथ मतदाता सूची की तैयारी को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा बिना गलती के एक स्पष्ट मतदाता सूची बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधियों को अधिकारियों का सहयोग करना चाहिए। फ़ील्ड में फॉर्म 6, मतदाता पंजीकरण, विलोपन और सुधार 7 और 8 प्रत्येक के माध्यम से किया जा सकता है। बूथ स्तर के अधिकारी मतदान केंद्र पर उपलब्ध रहेंगे और संशोधन के तहत ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन 21 अगस्त को किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 4 अक्टूबर को जारी की जाएगी उन्होंने कहा, अगर घर में 6 से ज्यादा वोट हैं तो सर्वे कराया जाता है। जन जागरूकता पैदा करने में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को भाग लेने को कहा गया। जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में मोबाइल वाहनों के माध्यम से ईवीएम मशीनों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। राजनीतिक दलों की ओर से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि शामिल हों इसके लिए नेताओं को सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में चुनाव अधिकारी, ईआरओ, एईआरओ, बीआरएस, भाजपा, बीएसपी, सीपीआई, एमआईएम राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी अन्य लोगों ने भाग लिया।

सरकार ने सौंपी गई 30,000 एकड़ जमीन छीन ली : आरएस प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बसपा के राज्य समन्वयक आरएस प्रवीण कुमार ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने गरीबों के कब्जे से 30,000 एकड़ जमीन छीनने के बाद एक रियल एस्टेट फर्म की भूमिका निभाई है। उन्होंने राज्य पार्टी कार्यालय में एचएमडीए सीमा से अतिक्रमित आवंटित भूमि पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देते हुए ये टिप्पणी की।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर पिछले दस वर्षों से राज्य के दलितों को धोखा दे रहे हैं और कहा कि वह राज्य की निर्धारित भूमि पर श्मशान और पल्ले प्रकृति वनम का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि बसपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार सत्ता में आने के बाद न केवल गरीब लोगों को पट्टे देगी बल्कि राज्य सरकार द्वारा हड़पी गई जमीनों को भी वापस देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवंटित जमीनें छीनने पर वे राज्य के उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने राज्य सरकार से गरीब लोगों को आवंटित सभी जमीनों को नियमित करने की मांग की. प्रवीण कुमार ने राज्य सरकार से विशेष सुरक्षा बल के सिपाहियों के साथ अन्याय करने वाले जीओ नंबर 46 को रद्द करने की मांग की।

विधानसभा चुनाव कराने के लिए तैयार रहना चाहिए : स्टीफन रवींद्र

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में भारत के चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार पुलिस और नागरिक प्रशासन द्वारा आयोजित की जाने वाली एक प्रक्रिया है। इस संबंध में आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में पुलिस और राजस्व कर्मियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा बैठक में साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र राचकोंडा सीपी डीएस चौहान, राचकोंडा संयुक्त सीपी सत्यनारायण, मेडचल जिला कलेक्टर डी. अमोय कुमार, रंगारेड्डी जिला कलेक्टर डॉ. एस. हरीश, रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर- I, एस.तिरुपति राव, रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर-(स्थानीय निकाय) प्रतीक जैन, मेडचल जिला अतिरिक्त कलेक्टर और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डी.विजयेंद्र रेड्डी, मेडचल जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) अभिषेक अगस्त्य, साइबराबाद अपराध डीसीपी सिंघेनवार कलमेश्वर, साइबराबाद के डीसीपी, राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, रिटर्निंग अधिकारी, चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), नगरपालिका विभाग, तहसीलदार, पुलिस, राजस्व कर्मियों व अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर, साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने कहा कि सभी विभागों को समस्या क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और मिलकर काम करना चाहिए ताकि लोग चुनाव के दौरान किसी भी कठिनाइयों का सामना किए बिना स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर सकें। समस्याग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से चुनाव कराने के लिए योजना बनाई जाए। चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर गलत प्रचार कर चुनाव प्रणाली के प्रति संदेह पैदा करने वालों के खिलाफ सोशल मीडिया टीमें समय से नियुक्त की जाएं। रचाकोंडा सीपी डीएस चौहान ने कहा कि अधिकारियों को चुनाव के आचरण और कर्तव्यों के नियमों की पूरी समझ होनी चाहिए। वहीं, पुलिस व राजस्व कर्मियों ने विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के बारे में विस्तार से बताया। बाद में, साइबराबाद अपराध के डीसीपी सिंघेनवार कलमेश्वर ने एक प्रस्तुति के माध्यम से चुनाव के संचालन में भेद्यता मानचित्रण अभ्यास के बारे में बताया। मेडचल जिला कलेक्टर डी आईएएस अमोय कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन करना चाहिए। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर डॉ. एस. हरीश, आईएएस, ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराने में सहयोग करना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव कर्तव्यों के पालन में लापरवाही बरती गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

युवा किसान आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि युवा व जागरूक किसान तेलंगाना का भविष्य हैं। पपीता आदि की फलों की खेती करने वाले अदीप अहमद रंगारेड्डी जिले के कंदुकुरु मंडल के सभी युवा किसानों के लिए एक आदर्श है। एम.टेक की पढ़ाई करने वाले अदीप सस्ती कीमत पर बेहतर उत्पाद लोगों तक पहुंचा रहे हैं। युवा किसानों से मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि किसान जयपाल नायक कलवाकुर्ती के कृषि पॉलिटेक्निक के छात्र शिवकुमार यूट्यूब के माध्यम से कृषि उपलब्धियों को दुनिया के साथ साझा करते हुए लाखों ग्राहकों के साथ किसानों की उपलब्धियों को सफलतापूर्वक प्रचारित कर रहे हैं। आप जैसे युवा कल की पीढ़ी के लिए आदर्श कृषक हैं। जो युवा खेती से दूर हो रहे हैं उन्हें ऐसा करना चाहिए आप जैसे लोगों को देखें और कृषि से फिर से प्यार करें।

हमें मिट्टी की खुशबू का आनंद लेना चाहिए, खेती पर ध्यान देना चाहिए और फसलों के उत्पादन में चमत्कार करना चाहिए। हमें समाज के सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदलना चाहिए। बैठक में नागरकुर्नूल जिला जेडपी अध्यक्ष बालाजी सिंह, रंगारेड्डी जिला बागवानी अधिकारी सुनंदा और अन्य उपस्थित थे।

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की विशेष मुख्य सचिव (श्रम, रोजगार प्रशिक्षण और फैक्ट्री विभाग) रानी कुमुदिनी, (सेवानिवृत्त) ने आज नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन, हैदराबाद में जर्मनी में दीर्घकालिक नौकरी के अवसरों के लिए तेलंगाना से चुने गए उम्मीदवारों के पहले बैच के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आई. शांतिश्री, निदेशक, एनएसी, डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी, आईएफएस, विशेष सचिव (उद्योग विभाग) और सीईओ, टॉमकॉम नागभारती, महाप्रबंधक, टॉमकॉम, सौरव पांडे, प्रबंधक, मेसर्स टीजीएम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और अन्य टॉमकॉम अधिकारी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जापान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे विकसित देशों में तेलंगाना राज्य के कुशल और अर्ध कुशल कार्यबल के लिए विदेशी रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और सुविधाजनक बनाने के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान का हिस्सा है। इसका आयोजन तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकक्रम) द्वारा मेसर्स टीजीएम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (मैजिक बिलियन) और नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन (एनएसी) के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। टॉमकॉम तेलंगाना सरकार की एक पंजीकृत भर्ती एजेंसी है, जिसे तेलंगाना के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने और नौकरी प्लेसमेंट की देखरेख करने का अधिकार है। मेसर्स टीजीएम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एक मान्यता प्राप्त प्रेषण संगठन है जो भारत से अर्ध-कुशल और कुशल पेशेवरों की भर्ती के लिए भारत सरकार और जर्मनी सरकार दोनों के साथ सूचीबद्ध है। टॉमकॉम ने जर्मनी में ऑस्बिल्डुंग कार्यक्रमों के लिए योग्य उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए मई और जून 2023 के महीनों में जगितियाल, निज़ामाबाद, करीमनगर, खम्मम, वारंगल, कोठागुडेम, जयशंकर भूपालपल्ली, पेद्दापल्ली और हैदराबाद जिलों में नामांकन अभियान आयोजित किया था। 21 उम्मीदवारों का पहला बैच, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपना साक्षात्कार पूरा किया और 2 से 3 साल के प्रशिक्षुता कार्यक्रम के लिए जर्मन ग्राहक से प्रस्ताव पत्र प्राप्त किया, ने विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है। पाठ्यक्रम की शुरूआत करते हुए विशेष मुख्य सचिव श्रीमती. रानी कुमुदिनी ने कहा, जर्मनी जैसे कई विकसित देशों में कुशल जनशक्ति की बड़ी मांग है। राज्य सरकार तेलंगाना को सभी क्षेत्रों में भारत की कौशल राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए कई प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहल कर रही है। राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए, डॉ. विष्णु वर्धन रेड्डी, आईएफएस, विशेष। उद्योग सचिव और टॉमकॉम के सीईओ ने छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने, अपने कौशल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत करने और अंतरराष्ट्रीय करियर अपनाने की इच्छा रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सांसद पार्थसारथी रेड्डी ने मुनेरु बाढ़ राहत के लिए 1 करोड़ रुपये का दान दिया

खम्मम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वीपी गौतम ने कहा कि राज्यसभा सदस्य डॉ. बंदी पार्थसारथी रेड्डी ने खम्मम शहर और उसके आसपास मुनेरु बाढ़ प्रभावित लोगों की राहत के लिए 1 करोड़ रुपये का दान दिया है। गौतम ने कहा कि राशि कलेक्टर के आधिकारिक खाते में स्थानांतरित कर दी गई है और वित्तीय सहायता के लिए बाढ़ प्रभावित लोगों की ओर से सांसद को धन्यवाद दिया। सांसद ने पिछले साल कोठागुडेम जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले मुन्नरु बाढ़ में मारे गए पेंड्रा के सतीश के परिवार को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी। गौतम ने पलायर विधायक के उपेंदर रेड्डी के साथ मिलकर सतीश की पत्नी कुडेली श्रुति को चेक सौंपा। इस बीच, वद्दीराजू सेवा समिति और जिला चावल मिलर्स एसोसिएशन ने खम्मम में मुन्नरु बाढ़ प्रभावित परिवारों को अच्छी गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध कराया है, सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा गया।

हैदराबाद के आखिरी निजाम के पोते शहामत जाह सुपुर्द-ए-खाक

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद राज्य के आखिरी निजाम मीर उस्मान अली खान के पोते प्रिंस शहामत जाह का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। रविवार शाम को उन्होंने हैदराबाद के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उन्हें सोमवार तड़के मस्जिद-ए-जूदी, किंग कोठी से सटे कब्रिस्तान में दफनाया गया, जहां उनके दादा को दफनाया गया था। शहामत जाह का जन्म मीर शुजात अली खान मोअज्जम जाह बहादुर और अनवरी बेगम से हुआ था। अपने पिता की तरह, जो उर्दू में कविता लिखते थे और अपने उपनाम शाजी से जाने जाते थे, शहमत जाह भी एक उर्दू कवि थे और उन्होंने कुछ संग्रह प्रकाशित किए। वह 'मुशायरों' की मेजबानी करके उर्दू शायरी को बढ़ावा देने में सक्रिय थे। शहामत जाह की दो शादियां असफल रहीं और वह निःसंतान थे। वह रेड हिल्स स्थित अपने घर में अकेले रह रहे थे और हाल ही में संपत्ति बेचने के बाद वह बंजारा हिल्स में अपनी बहन के घर चले गए थे। शहामत जाह के पिता मोअज्जम जाह हैदराबाद राज्य के अंतिम शासक मीर उस्मान अली खान के दूसरे बेटे थे। शहर के एक प्रमुख स्थल मोअज्जम जाही मार्केट का नाम उनके नाम पर रखा गया है। मोअज्जम जाह की पहली पत्नी राजकुमारी निलोफर थीं, जो अंतिम तुर्की सुल्तान और खलीफा प्रिंस अब्दुल मजीद की भतीजी थीं। दम्पति की कोई संतान नहीं थी। निलोफर अपने पति को छोड़कर फ्रांस में बस गईं। मोअज्जम जाह ने बाद में रजिया बेगम से शादी कर ली थी। शाहमत जाह उनका इकलौता बेटा था, जो तीसरी पत्नी अनवरी बेगम से पैदा हुआ था। इस साल निजाम के परिवार में यह दूसरी मौत है। हैदराबाद के आठवें निजाम मीर बरकत अली खान मुकर्रम जाह बहादुर का 14 जनवरी को तुर्की में निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को हैदराबाद लाया गया और ऐतिहासिक मक्का मस्जिद के लॉन में दफनाया गया। शाहमत जाह मुकर्रम जाह और मीर करामत अली खान मुफ्फखम जाह बहादुर के पहले चचेरे भाई थे। मुकर्रम जाह और मुफ्फखम जाह उस्मान अली खान के पहले बेटे मीर हिमायत अली खान आजम जाह बहादुर के बेटे हैं। मुफ्फखम जाह, निजाम परिवार के प्रमुख मुखिया अजमेत जाह और उनकी मां राजकुमारी एसरा ने शहामत जाह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

डकैती के एक मामले का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम पुलिस ने डकैती एक मामले को दो आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार लोगों में नेलापुडी सुरेश कुमार उर्फ सूरी निवासीनेलामूर (वी) पेनुमन्त्र (एम), पश्चिम गोदावरी, ए.पी और परमजीत सिंह निवासी नवी मुंबई, महाराष्ट्र शामिल है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जब वनस्थलीपुरम पुलिस इजापुर एक्स रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी, तो उन्होंने होंडा एक्टिवा पर जा रहे लोगों को रोका और दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की, तो वे दिखाने में असफल रहे। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि एक्टिवा चोरी की है। बीते 26 जुलाई को सचिवालयनगर, वनस्थलीपुरम में घर में अकेली मौजूद महिला को धमकाकर दस तोला सोने के गहने लूट लिए।

करंट की चपेट में आने से तीन वर्षीय बालक की मौत

महबुबाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बय्याराम मंडल के चेरुवुमुंदु कोठागुडेम गांव में एक तीन वर्षीय लड़के की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। पीड़ित उसी गांव के धरावथ भास्कर और कल्याणी का बेटा अर्जुन था। अर्जुन रविवार को अपनी नानी के घर पर खेल रहा था, जब वह कथित तौर पर एयर कूलर के क्षतिग्रस्त तार के संपर्क में आ गया, जिसके बाद उसे घातक बिजली का झटका लगा।

उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रति राज्य सरकार उदासीन : एनवीएसएस

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल में पूर्व विधायक और राज्य भाजपा उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने विरोध रैली का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रति राज्य सरकार के उदासीन, पक्षपातपूर्ण, पक्षपाती और सौतेले रवैये पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सड़क बिछाने के लिए मरम्मत कार्यों के लिए केंद्र सरकार ने 1,69,17000 रुपये की मंजूरी दी और जारी किया। इसका भी उपयोग नहीं किया गया और मरम्मत नहीं की गई। प्रभाकर ने यह भी कहा कि अगर सड़क की मरम्मत युद्ध स्तर पर नहीं की गई तो भाजपा उप्पल बंद का आह्वान करेगी। रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

शौर्य

माता : स्वाति दौलागर
पिता : सुनील दौलागर

बीजेपी के लिए फायदेमंद कौन? आरएलडी या बसपा

जयंत चौधरी के साथ बीजेपी की बात नहीं बनने की बड़ी वजह क्या है?

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सियासी समीकरण साध चुकी बीजेपी अब जाटलैंड यानी पश्चिम पर नजर गड़ाए है। ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान को लाकर उसने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी कमजोर कड़ियों को मजबूत करने की कोशिश की है। इसकी अगली कड़ी में किसान आंदोलन का गढ़ बने पश्चिमी में सहयोगी की तलाश राष्ट्रीय लोकदल पर जाकर टिकती दिखती है।

जयंत चौधरी को इंडिया से एनडीए के पाले में लाने की कवायद भी चल रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही कि रालोद सुप्रीमो किस कीमत पर आएं या लाए जाएं? दरअसल, बीजेपी की राज्य इकाई का मानना है कि जयंत अगर गठबंधन सहयोगी के तौर पर आते हैं तो उन्हें फिलहाल जीती हुई लोकसभा सीटें बीजेपी को अपने खाते से देना समझदारी नहीं होगी।

वहीं, अगर जयंत बीजेपी में अपनी पार्टी का विलय कर लें तो उनको मनचाही सीटें कमल निशान पर देने में कोई दिक्कत नहीं। बीजेपी के शीर्ष सूत्र कहते हैं कि "हम अगर कम सीटें लड़ेंगे तो जीतेंगे भी कम। साथ ही अपनी जीती सीटें सहयोगियों के लिए छोड़कर अपने पैरों में कुल्हाड़ी क्यों मारें..? मतलब साफ है अगर 2024 में सीटों में कोई कमी पड़ती है तो सहयोगी दूसरे पाले

में जाने से शायद ही गुरेज करें। वैसे भी अगर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो पश्चिम में बीजेपी के लिए रालोद से ज्यादा बीएसपी फायदेमंद होगी। बीएसपी के साथ आने से वह हारी हुई सीटों पर भी जीत हासिल कर सकती है।

क्या जयंत वाकई बीजेपी के लिए फायदेमंद हैं। क्या आरएलडी से ज्यादा मुफीद बसपा है। चलिए, जानते हैं कि जयंत को लेकर आखिर कहां पेंच फंस रहा है।

उत्तर प्रदेश में 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी जोर-शोर से जुटी हुई थी। खास तौर से पूर्वांचल में कुर्मी वोट बैंक को साधने के लिए बीजेपी ने अपना दल के साथ गठबंधन कर लिया था। लेकिन उसकी परेशानी पश्चिम में जाट वोट बैंक की थी।

चर्चा हुई रालोद को गठबंधन में साथ रखा जाए। बातचीत भी हुई, लेकिन आखिर में उस वक्त यूपी प्रभारी अमित शाह ने बिना रालोद के चुनाव लड़ने का फैसला लिया। परिणाम क्या हुआ यह तो जगजाहिर है। उस चुनाव में 6 बार बागपत की सीट से सांसद रहे स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह अपनी सीट नहीं बचा पाए थे। यही नहीं, उनके बेटे जयंत चौधरी को भी मथुरा में पहली बार चुनाव लड़ रहीं बीजेपी उम्मीदवार हेमा मालिनी ने मात दी। यानी बीजेपी की जाट वोट बैंक को लेकर जो टेंशन थी। वह चुनाव परिणाम आने के बाद दूर हो गई। लोकसभा चुनाव 2019 के लिए उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा ने गठबंधन कर लिया। रालोद भी उनके साथ थी। चर्चा यही थी कि ये गठबंधन बीजेपी के लिए काफी नुकसानदायक साबित होगा। लेकिन जब परिणाम आए तो सारे कयास धरे के धरे रह गए। आरएलडी को इस गठबंधन में कुल 3 सीटें मिली थी। उसे तीनों सीटों पर मात मिली। दिवंगत अजीत सिंह को मुजफ्फरनगर सीट पर संजीव बालियान ने पराजित किया। तो वहीं बागपत सीट पर जो रालोद की गढ़ मानी जाती है, वहां जयंत को बीजेपी के सत्यपाल सिंह ने मात दी। मथुरा की लोकसभा सीट पर रालोद के कुंवर नरेंद्र सिंह को हेमा मालिनी ने हराया। मार्जिन भी लगभग 3 लाख के आसपास था।

अब 2022 के विधानसभा चुनाव की बात करते हैं। जहां सपा के गठबंधन में रालोद ने पश्चिम में कई सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। पश्चिम में तकरीबन 136 सीटें आती हैं। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि किसान आंदोलन के बाद खासतौर से पश्चिमी में जाट वोट बैंक को लेकर बीजेपी के भीतर चिंता थी। लेकिन जब चुनाव परिणाम आए, तो जीत बीजेपी के खाते में ही गई। जबकि सपा के साथ गठबंधन के बावजूद भी रालोद को 8 सीटों पर जीत मिली। उनके गठबंधन को कुल 43 सीटों पर जीत हासिल होता है। जबकि बीजेपी ने वहां 93 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा सूत्रों की माने तो जयंत चौधरी फिलहाल बीजेपी के साथ जाने से परहेज कर रहे हैं। हालांकि, इसके पीछे तो चर्चा यह भी है कि जयंत लोकसभा की 5 सीटें बीजेपी से मांग रहे हैं।

नवनीत सहगल प्रशासनिक पद से रिटायर

पॉवर कॉरिडोर में 'लंबे नारायण' कहे गए 'जनसेवक' बने रहेंगे,नए रोल में 'तेवर और फ्लेवर' बढ़ेगा

लखनऊ,31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के चर्चित और विवादित आईएएस अफसर नवनीत सहगल आज प्रशासनिक पद से तो रिटायर हो रहे हैं। मगर उनकी क्षमताओं को देखते हुए मौजूदा सत्ताधारी निजाम उन्हें यूं ही खाली बैठने तो नहीं देगा। यूपी में 35 साल की लंबी प्रशासनिक सेवा का फायदा सियासी दल जरूर उठाना चाहेंगे।

सियासी गलियारों में ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि क्राइसेज मैनेजमेंट में माहिर इस अफसर के कंधों पर 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी देखने को मिल सकती है। उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में हर सरकार में चर्चित रहे 1988 बैच के आईएएस नवनीत सहगल पावर कॉरिडोर में 'लंबे नारायण' या 'लंबू' के नाम से मशहूर रहे। नवनीत पंजाब में लुधियाना के रहने वाले हैं। आईएएस बनने से पहले वो चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर बनने के बाद बैंलसशीट की तरह जिस तरह उन्होंने उत्तर प्रदेश को समझा और काम करके दिखाया ये अपने आप में एक उपलब्धि है।

क्राइसेस मैनेजमेंट में माहिर होने की वजह से अलग-अलग विचारधाराओं वाली सरकारों में नवनीत सहगल ने हमेशा सत्ता के साथ कदमताल किया। उनको सौंपे गए हर कार्य को किसी भी कीमत पर कर के दिखाया। मायावती, अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ की सरकार के नवरत्नों की सभा में उनका विशेष स्थान रहा। इन्होंने हमेशा राजा की खुशी के लिए सत्ता का दोहन और प्रदोहन किया। अपने मालिकों(मुख्यमंत्री) का हित साधने के लिए वो हर काम किए जिसे ना करने की एक प्रशासनिक अधिकारी शपथ लेता है।

कुर्सी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते उनको सोशल मीडिया पर लोग ₹कटप्पा₹ भी कहने लगे थे। जो माहिष्मति के सिंहासन का वफादार था। वरिष्ठ पद पर होने के बाद भी पब्लिक सर्वेंट के रूप में नवनीत ने एक अलग पहचान बनाई। जनता उनसे मिलने दूर-दूर से आती थी। आगरा एक्सप्रेस-वे पर भीषण दुर्घटना के बाद अस्पताल में उनको देखने आने वालों का तांता लगा रहता था। जो किसी भी नौकरशाह के कामकाज की शैली को दर्शाने के लिए काफी था।

सूचना विभाग के प्रमुख सचिव रहने के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के भी चहेते रहे, कस्बाई रिपोर्टर से लेकर अखबार और चैनल मालिकों तक से मधुर संबंध बना कर चलने वाले अफसरों में शुमार होते हैं नवनीत सहगल। नेताओं में भी ख़ास लोकप्रियता रही, सही मायने में प्रशासनिक निष्ठुरता के साथ ब्राडिंग और डिलीवरी का सटीक मिश्रण नवनीत सहगल रहे हैं। लखनऊ में कलेक्टर रहने के दौरान 6 दशक पुराने शिया सुन्नी विवाद को इतिहास के पन्नों में सीमित कर दिया इस अफसर ने, वरना यहां शिया सुन्नी दंगे होना आम बात थी। नवनीत सहगल की न्यायपालिका के साथ कभी भी किसी टकराव की स्थिति नहीं बनी। मायावती की सरकार के दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान दुर्घटना हुई थी, जिसमें कई लोग मर गए थे।

गोरखपुर में दिव्यांग को जिंदा जलाकर मार डाला

दरवाजे पर सो रहा था, आधी रात दबंगों ने लगा दी आग; एक हफ्ते पहले प्रधान से हुआ था विवाद

गोरखपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक दिव्यांग को जिंदा जलाकर मार दिया गया। वह अपने घर के बाहर सो रहा था। आधी रात पड़ोसियों ने आग की लपट उठते देख परिवार को जानकारी दी। जब तक परिवार के लोग पहुंचे, तब तक दरवाजे पर सो रहे दिव्यांग सुरेंद्र यादव (25) की जलकर मौत हो चुकी थी। इस घटना से पूरा इलाका दहल गया है।

हिरासत में लिए गए 6 लोग

ये घटना चौरी चौरा के देवीपुर गांव में रविवार की देर रात हुई। दिव्यांग की बहन रीता ने आरोप लगाया कि गांव के प्रधान पति लालबचन से 7 दिन पहले सरकारी जमीन पर पानी की टंकी बनवाने को लेकर विवाद हुआ था।

एडीजी जोन अखिल कुमार, डीएम कृष्णा करुणेश और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने महिला प्रधान के पति समेत 6 लोगों को हिरासत लिया है।

सुरेंद्र के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उसके घर के पास स्थित सरकारी जमीन पर ग्राम प्रधान के पति लालबचन पानी की टंकी बनवाना चाह रहा था। एक हफ्ते पहले पैमाइश के दौरान सुरेंद्र और लालबचन के बीच कहासुनी भी हुई थी। गांव के लोगों ने बीच बचाव कराया। इसके बाद मामला शांत हुआ।

रविवार की रात में खाना खाने के बाद सुरेंद्र घर के बाहर चारपाई पर सोया था। रात 1:30 बजे पड़ोसी ने आग की लपट उठता देख शोर मचाया तो परिवार के लोग कमरे से बाहर निकले। उन्होंने देखा कि चारपाई पूरी तरीके से जल चुकी है, सुरेंद्र नीचे मृत पड़ा है। पानी डालकर किसी तरह से आग बुझाई गई, लेकिन सुरेंद्र को बचाया नहीं जा सका।

सीमा-सचिन को नौकरी करने की इजाजत

लेकिन काम नहीं मिल रहा, सुर्खियों से तंगहाली में परिवार घर के बाहर लिखा- प्लीज रिस्पेक्ट माय प्राईवेसी

गाजियाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।सीमा-सचिन और उनके पिता को नौकरी करने की इजाजत मिल गई। वह बाहर जाकर काम कर सकते हैं। लेकिन जिले से बाहर जाने पर पाबंदी रहेगी। उनके मूवमेंट पर पुलिस की नजर रहेगी। हालांकि उनके पीछे मीडिया का ऐसा जमावड़ा लगा है कि उन्हें कोई काम नहीं दे रहा। सीमा और सचिन ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रह रहे हैं।

सुर्खियों में रहने के कारण सचिन और पिता नेत्रपाल की नौकरी छूट गई है। परिवार इस कदर आर्थिक बदहाली से गुजर रहा कि उनके पास अब राशन तक नहीं बचा। इसी कारण सचिन के पिता ने काम पर जाने की इजाजत मांगी थी। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें इजाजत दे दी है।

जब सचिन की फैमिली को काम पर जाने की इजाजत मिली तो रविवार शाम को सचिन व उसके पिता काम मांगने के लिए बाहर निकले। इसके बाद दोनों के पीछे मीडियाकर्मी लग गए। जिसके चलते दोनों को कहीं काम नहीं मिला। इसलिए सचिन और सीमा ने अपने घर के बाहर नोटिस लगाकर मीडिया से दूरी बनाई है। जिस पर लिखा है- मीडिया प्लीज रिस्पेक्ट माय माय प्राईवेसी। नीचे लिखा है- मीणा फैमिली।

किसान नेता को बताई थी परेशानी

दरअसल, दो दिन पहले सचिन और सीमा से मिलने उनके घर पहुंचे किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने उनसे समस्या के बारे में बातचीत की थी। उन्हें सचिन के पिता नेत्रपाल ने बताया था कि सचिन और मैं रोज कमाने-खाने वाले आदमी हैं। मेहनत-मजदूरी कर जो कमाते थे, उसके सहारे खाने-पीने का इंतजाम होता था। अब परिवार में 8 लोग हैं। घर के बाहर पुलिस का पहरा है। हम लोगों को घर से बाहर आने-जाने की इजाजत नहीं है। इससे परिवार के आगे रोजी-रोजी का संकट आ गया है।किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह को परेशानी बताते सचिन के पिता नेत्रपाल। ये तस्वीर शनिवार की है। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह को परेशानी बताते सचिन के पिता नेत्रपाल। ये तस्वीर शनिवार की है। मास्टर श्योराज सिंह ने बताया कि मैं आज जिले के बड़े अधिकारियों को इस संबंध में ज्ञापन दूंगा। जिसमें सचिन के परिवार को सरकारी राशन दिलवाने की मांग की जाएगी। परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। खाने पीने की भी समस्या उनके सामने आ रही है। इसके लिए उन्हें काम भी दिलवाने की मांग करूंगा।नौकरी पर जाने को लेकर सचिन के पिता नेत्रपाल ने रबूपुरा एसएचओ को पत्र भी लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा, हम लोगों को घर में कैद करके रखा गया है। बाहर जाने की इजाजत नहीं है। जिस कारण घर में खाने-पीने का सामान खत्म हो गया है। आपसे अनुरोध है कि हम लोगों को बाहर जाकर मजदूरी करने की परमिशन दी जाए। लेटर मिलने के बाद कोतवाल ने सचिन की फैमिली को काम पर जाने की परमिशन दे दी है।

कानपुर मेयर ने ताला तोड़कर मकान पर कब्जा दिलाया

बुजुर्ग बोली- मुस्लिम युवक ने किया था कब्जा 50 मिनट में 3 घटनाएं, जिनसे हुआ बवाल

कानपुर,31 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर मेयर ने रविवार को एक मकान का ताला तोड़कर बुजुर्ग महिला को कब्जा दिलाया। इसके बाद 50 मिनट के अंदर 100 मीटर के दायरे में ऐसी 2 और छोटी-छोटी घटनाएं हुईं। जिससे बजरिया इलाके का माहौल बिगड़ गया। एक समुदाय के सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए और हंगामा व नारेबाजी करने लगे। तनाव बढ़ता देख पुलिस कमिश्नर ने इलाके में आरएएफ, पीएसी और पुलिस बल तैनात कर दिया। तब जाकर हालात नियंत्रित हुए। यहां 24 घंटे बाद भी तनाव है। सोमवार को पुलिस-प्रशासन के अफसर मकान पर दावा करने वाली बुजुर्ग और दूसरे पक्ष के दस्तावेज देखकर फैसला करेगी कि आखिर मकान किसका है। बजरिया इलाके के लुधौरा में रहने वाली राजपति (75) के पति राधे का काफी समय पहले निधन हो चुका है। उनका एक बेटा धर्मेन्द्र है। राजपति का आरोप है कि उनके मकान पर जावेद नाम के युवक ने अवैध तरह से कब्जा कर लिया। उसने कोर्ट में राजपति की जगह एक अन्य महिला को उसकी आइडेंटिटी में खड़ा कर दिया उससे रजिस्ट्री करा ली ।

रविवार दोपहर डेढ़ बजे महापौर प्रमिला पांडेय को इसकी जानकारी मिली। उन्हें बताया गया कि एक बुजुर्ग महिला के घर पर मुस्लिम पक्ष का कब्जा है। इस मकान में मंदिर है और एक पीपल का पेड़ भी है। इसके बाद मेयर, भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष (उत्तर) सुनील बजाज के साथ बजरिया पहुंचीं। ताला तोड़कर राजपति को घर पर कब्जा दिलाया। मामले की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी।

सनी लियोन के शो के नाम 9 करोड़ ठगे

फर्जी होर्डिंग्स लगाई, बुक माई शो पर टिकट बेचे; एसटीएफ ने 3 को पकड़ा

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोन, नोरा फतेही, एक्टर टाइगर श्राफ, सिंगर गुरु रंधावा जैसे फिल्मी सितारों से लाइव कंसर्ट कराने के नाम पर 9 करोड़ की ठगी हुई। फाइनेंसर और ऑनलाइन टिकट बेचकर ठगी करने वाले तीन आयोजक 9 महीने बाद STF की गिरफ्त में आए हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लाइव कंसर्ट का शो कराने का झांसा देकर ये ठगी की गई।

गिरफ्तार आयोजकों ने श्री सुविधा फाउंडेशन द्वारा मई-2022 में शो कराने के नाम पर बुक माई शो पर टिकट तक बेचे। शो के एक-दो दिन पहले ही आयोजक फोन ऑफ करके फरार हो गए। इनके खिलाफ लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाने में 3 मुकदमे दर्ज हुए। लखनऊ में ठगी के इस तरीके को देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। आगे आपको सिलसिलेवार ठगी की पूरी कहानी बताते हैं...

यूपी एसटीएफ ने जयंती डेरा वालिया, विराज त्रिवेदी, समीर शर्मा को अरेस्ट किया है। रविवार को इन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाकर पूछताछ की जा रही है। STF की पूछताछ में मास्टरमाइंड विराज ने बताया कि 12वीं पास करने के बाद उसने कोरियर कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के रूप में 7 साल तक काम किया। 1999 से पुष्पक कोरियर की एजेंसी लेकर अपना खुद का बिजनेस गुजरात में 2014 तक चलाया। इसके बाद कोरियर का ही एक और ऑफिस मलाड मुंबई में खोला। 2020 में लॉकडाउन के बाद सारा काम बंद हो गया। विराज ने एसटीएफ को बताया कि 2021 में समीर शर्मा से मिला। लखनऊ में एक हॉस्पिटल खोलने का प्लान बनाया। यहां अस्पताल खोजने के दौरान इकाना स्टेडियम में एक चैरिटी शो कराने के लिए स्टेडियम के मैनेजर से मुलाकात हुई। स्टेडियम में शो के लिए 1 करोड़ की बुकिंग की।

बुकिंग फाइनल होने के बाद स्टेडियम के मैनेजर गौरव ने ही उसकी और समीर की मुलाकात अमित सिंह से कराई। अमित, चैरिटी शो के लिए स्टार्स की बुकिंग कराते थे। स्टार तय होने के बाद शो की तारीख मई-2022 में रखी गई। साथ ही फाइनेंस के लिए इनवेस्टर्स को एक करोड़ का डेढ़ करोड़ वापस करने का लालच दिया गया। फिर सुविधा फाउंडेशन में करीब 5 करोड़ रुपए इनवेस्ट कराए। STF की पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने फाइनेंसर से करीब पांच करोड़ रुपए इकट्ठा किए।

आनंद मोहन ने सहरसा बंद कराया कहा-ये अगली जीत का जश्न

सहरसा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रिहाई के बाद से पूर्व सांसद आनंद मोहन पूरी तरह से एक्टिव हैं। आज वो सहरसा की सड़क पर हैं, सहरसा बंद बुलाया है। सहरसा में एम्स, एयरपोर्ट, पारवर ग्रिड बनवाने की मांग को लेकर बंद बुलाया गया है।

बड़ी बात ये है कि इस आंदोलन को सभी पार्टियों का साथ मिला है। सड़क पर आनंद मोहन के साथ आरजेडी, जेडीयू, बीजेपी, लेफ्ट पार्टियों के कार्यकर्ता अपनी पार्टी झंडे के साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान आनंद मोहन ने कहा कि ये दलगत राजनीति से ऊपर का आंदोलन है। ये बंद नहीं है, बल्कि अगली जीत का जश्न है। सहरसा बंद को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम प्रशासनिक स्तर पर किए गए हैं। रेलवे ने भी रेल चक्का जाम करने की सुगबुगाहट को देखते हुए अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। यह पहला मौका होगा जब सहरसा की उपेक्षा पर लोग एकजुट होकर बंद में शामिल हो रहे हैं। विकास के नाम पर सहरसा की निरंतर उपेक्षा को लेकर बीते महीने पहली बार एम्स निर्माण संघर्ष समिति की बैठक में पहुंचे पूर्व सांसद आनंद मोहन ने इस सवाल को लेकर 31 जुलाई को सहरसा बंद की घोषणा की थी।

बंद को सफल बनाने के लिए आनंद मोहन ने कई राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं के साथ कई दर्जन बैठकें और जगह-जगह सभाएं की। यह कारवां बढ़ता गया और अब सहरसा में एम्स स्थापना समेत अन्य मुद्दे आम लोगों की जुबां पर आ गए हैं। यही कारण है कि बंद के समर्थन में आगे आए संगठनों ने राजनीतिक बैरियर की परवाह किए बगैर सहरसा के विकास के सवाल पर अपनी एकजुटता का पहली बार परिचय दिया है। शायद ही कोई संगठन होगा जिन्होंने बंद को सफल बनाने के लिए अपना समर्थन नहीं दिया हो। सहरसा में एम्स की स्थापना को लेकर साल 2017 से आंदोलन चल रहा है। सहरसा में दूसरे एम्स निर्माण की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट में लोकहित याचिका भी दायर है। 20 मार्च 2023 को इस मामले में सुनवाई हुई थी। इसमें बताया गया था कि डीएम ने साल 2017 में ही एम्स निर्माण के लिए 217.74 एकड़ जमीन सतरकटैया अंचल के गोबरगढ़ा में उपलब्ध होने की जानकारी राज्य सरकार को दी थी।

समस्तीपुर में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचा

24 घंटे में 7 सेंटीमीटर की वृद्धि, खतरे के निशान से 1.55 मीटर नीचे

समस्तीपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। समस्तीपुर में हो रही रुक-रुक कर बारिश की वजह से पटोरी अनुमंडल क्षेत्र से गुजरने वाली गंगा नदी के जलस्तर खतरे के निशान से काफी करीब पहुंच चुका है। बताया जाता है कि पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 7 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से मात्र 1.55 मीटर नीचे है। जैसे ही गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार करता है, वैसे ही मोहनपुर प्रखंड के 4 गांवों में बाढ़ जैसी समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

खतरे के निशान को पार करने के बाद जाहेंगरा गांव, सरसावा गांव, नौघरिया गांव, हरदासपुर गांव में पानी प्रवेश करने लगेगा। हालांकि, जैसे-जैसे गंगा के जलस्तर में वृद्धि होती है वैसे-वैसे इन इलाकों के लोगों को बाढ़ का डर सताने लगता है।

गुड़गांव से मधुबनी पहुंचा प्रेमी जोड़ा,स्टेशन से बॉयफ्रेंड फरार

मधुबनी,31 जुलाई (एजेंसियां)। गुड़गांव से एक प्रेमी जोड़ा बिहार के मुधुबनी पहुंचा। प्रेमी रेलवे स्टेशन पर बहाना बनाकर फरार हो गया, जबकि प्रेमिका उसका इंतजार करती रह गई। जब युवक नहीं लौटा तो प्रेमिका ने उसकी तलाश शुरू की। उसे ढूंढने के लिए वो काफी भटकी। फिर 13 दिन बाद प्रेमी के आधार कार्ड की मदद से प्रेमिका बेनीपट्टी पहुंची। थाने का चक्कर काटने के बाद वो युवक के गांव पहुंची। जहां से वो किसी तरह से रविवार को प्रेमी के घर तक गई। प्रेमी के घर पर उसने जमकर हंगामा किया। वो लड़के को बुलाने की मांग कर रही थी। उसका कहना है कि

13 दिन बाद ढूंढते हुए पहुंची प्रेमिका, घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा; बोली- तीन साल पहले की शादी

घरवालों ने ही उसे छिपा दिया है। मामला बेनीपट्टी के अरेर थाना भदुली गांव का है। लड़की गुड़गांव की रहने वाली है। उसका दावा है कि भदुली गांव के मदन यादव के छोटे बेटे मनोज यादव से उसने 3 साल पहले शादी की थी। लड़के के परिवार ने लड़की को रखने से इनकार कर दिया। युवती इंसाफ के लिए पुलिस और कोर्ट के चक्कर लगा रही है।

मूल रूप से बंगाल की रहने वाली है प्रेमिका

लड़की मूल रूप से पश्चिम बंगाल के चौबीस परगना जिले के सुंदरवन गांव निवासी अंजूरा खातून है। उसने कहा कि मनोज यादव के साथ 3 सालों से गुड़गांव में रहती थी। दो महीने पहले मनोज उसे गांव में कामकाज की बात कहकर घर आ गया। काफी देर होने के बाद जब वो दिल्ली गया तो उससे वो जिद करने लगी कि अब उसे भी अपने घर भदुली ले जाए। गांव लाने के लिए मनोज राजी हो गया और वो उसके साथ करीब 13 दिन पहले ट्रेन से मधुबनी स्टेशन आई। लड़की अपनी आपबीती बताते हुए लड़के को सामने लाने की जिद करने लगी। लड़के के परिवार वालों ने भी कई दिनों से लड़के से संपर्क नहीं होने की बात बताई। काफी देर तक हुए हंगामा के बाद लड़की पुलिस की मदद से लड़के के घर में घुस गई, लेकिन लड़के के परिवार वालों ने उसे रखने से इनकार कर दिया।

सड़क किनारे पड़ा था ट्रॉली बैग,खोला तो निकली लाश

सीवान,31 जुलाई (एजेंसियां)। सीवान में सड़क किनारे ट्रॉली बैग में बुजुर्ग की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। महाराजगंज थाना क्षेत्र के पोखरा में सड़क किनारे एक ट्रॉली बैग काफी देर से लावारिस पड़ा था। स्थानीय लोगों ने संदिग्ध परिस्थिति में ट्रॉली बैग को पड़ा देखा। फिर काफी समय बीत जाने के बाद भी जब बैग वहां से कोई लेकर नहीं गया तो लोगों ने ट्रॉली को खोलकर देखा। बैग में शव था। शव देखते ही लोगों के होश उड़ गए।

आम चुनाव से पहले 13000 करोड़ के मंदिर कॉरिडोर बनेंगे

201 में से 11 एमपी में, राजस्थान में 3 ; 7 राज्यों में तेजी से हो रहा काम

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। 2024 के आम चुनाव में चर्चित धर्म स्थलों के विकास का मुद्दा अहम होने वाला है। इसी को ध्यान में रखकर राज्य सरकारें मंदिर विकास और धार्मिक कॉरिडोर पर फोकस कर रही हैं। बीते दो-तीन साल में सोमनाथ मंदिर, काशी विश्वनाथ, महाकाल मंदिर कॉरिडोर बन चुके हैं। यूपी में मथुरा-वृंदावन, अयोध्या, असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर काम जारी है।

वहीं एमपी के चित्रकूट में वनवासी रामपथ, ओरछा में रामराजा लोक, दतिया में पीतांबरा पीठ कॉरिडोर, इंदौर में अहिल्या नगरीय लोक, महू का जानापाव, बिहार में उच्चैठ भगवती स्थान से महिषी तारास्थान को जोड़ने का काम शुरू हो चुका है। राजस्थान सरकार भी गोविंददेव मंदिर, तीर्थराज पुष्कर के लिए करोड़ों खर्च रही है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में महालक्ष्मी तो नासिक से त्र्यंबकेश्वर तक कॉरिडोर बन रहा है।

2024 की शुरुआत में अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

देश में अभी करीब 13 हजार करोड़ रु. के 21 मंदिर कॉरिडोर का काम जारी है। सबसे ज्यादा 11 कॉरिडोर मध्यप्रदेश में बन रहे हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़वानी में एक कॉरिडोर बनाने की घोषणा

की है। बड़ी बात ये है कि सभी कॉरिडोर का काम 2024 के आम चुनाव से ठीक पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2024 की शुरुआत में अयोध्या के श्रीराम मंदिर में भगवान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होनी है।

राजस्थान : तीन कॉरिडोर

300 करोड़ रु. में तीन कॉरिडोर बनने हैं। इनमें 100 करोड़ रु. में गोविंद देव मंदिर, 100 करोड़ में तीर्थराज पुष्कर और 100 करोड़ में बेनेश्वरधाम का विकास होगा।

उत्तर-प्रदेश : रामजन्म भूमि कॉरिडोर 1000 हेक्टेयर के मथुरा-वृंदावन कॉरिडोर को अमेरिकी कंपनी 250 करोड़ रु. में बना रही है। यमुना रिवर फ्रंट भी शामिल। कॉरिडोर से गोकुल, नंदगांव, बरसाना जोड़े जा रहे हैं। अयोध्या में 797.69 करोड़ में रामजन्म भूमि कॉरिडोर बन रहा है। दिसंबर तक बन जाएगा। 379 करोड़ जमीन अधिग्रहण पर खर्च होंगे।

मध्य प्रदेश : ओंकारेश्वर में सबसे ज्यादा खर्च

छिंदवाड़ा में 314 करोड़ में हनुमान मंदिर लोक, सलकनपुर में श्रीदेवी महालोक, सागर में रविदास धाम, दतिया में पीतांबरा लोक, ओरछा में 176 करोड़ में रामराजा लोक, चित्रकूट में 100 करोड़ में रामपथ गमन लोक, इंदौर में 25 करोड़ में अहिल्यानगरी लोक, 10 करोड़ में जानापाव लोक, ओंकारेश्वर में 2200 करोड़ में ओंकारेश्वर लोक बन रहा है। ग्वालियर में शनि लोक और बड़वानी में नाग लोक की घोषणा हुई है।

असम : कामाख्या मंदिर

कामाख्या मंदिर विकसित हो रहा। 500 करोड़ रु. में इस मंदिर के मौजूदा परिसर को 3000 वर्गफीट से 10 हजार वर्गफीट करेंगे।

बिहार : एनएच लंबा कर रहे

भारतमाला धार्मिक संपर्क योजना के तहत उच्चैठ भगवती स्थान से महिषी तारास्थान को जोड़ने के लिए सरकार मधुबनी के उमगांव से सहरसा से महिषी तक नेशनल हाईवे को 160 किमी से बढ़ाकर 180 किमी कर रही है। इस पर 7000 करोड़ रु. खर्च होने हैं।

महाराष्ट्र : त्र्यंबकेश्वर कॉरिडोर

कोल्हापुर में 250 करोड़ रु. की लागत में महालक्ष्मी कॉरिडोर बन रहा है। इसी तरह नासिक से त्र्यंबकेश्वर मंदिर तक कॉरिडोर की योजना बन चुकी है।

गुजरात : अद्भुत द्वारका नगरी

इसमें ओखा से बेट द्वारका को जोड़ने वाले 2320 मी. लंबे फोर लेन ब्रिज पर 870 करोड़ खर्च हो रहे हैं। 138 करोड़ में बेट द्वारका आईलैंड में पहले फेज का काम जारी।

शिवसेना विधायक ने प्रियंका चतुर्वेदी पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने बताया 'गद्दार'

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी पर विवादित टिप्पणी की, जिसे लेकर उनकी तीखी आलोचना हो रही है।

बता दें कि प्रियंका चतुर्वेदी शिवसेना (उद्धव) पार्टी से सांसद हैं। संजय शिरसाट की टिप्पणी पर प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पलटवार किया है और संजय शिरसाट को गद्दार बता दिया है। वहीं आदित्य ठाकरे ने भी संजय शिरसाट की टिप्पणी की आलोचना की है।

संजय शिरसाट ने की विवादित टिप्पणी

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक संजय शिरसाट ने दावा किया है कि आदित्य ठाकरे ने प्रियंका चतुर्वेदी को उनकी सुंदरता की वजह से राज्यसभा भेजा है। संजय शिरसाट ने दावा किया है कि यह बात उन्हें पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे ने बताई थी। चंद्रकांत खैरे उद्धव ठाकरे की पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। संजय शिरसाट की टिप्पणी

पर प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'मैं कैसी दिखती हूं और मैं आज जहां हूं, वहां कैसे पहुंची हूं, ये बताने के लिए मुझे किसी गद्दार की जरूरत नहीं है।' चतुर्वेदी ने कहा कि शिरसाट ने अपने बयान से महिलाओं और राजनीति पर अपनी गंदी सोच का प्रदर्शन किया है। शिरसाट ने अपनी आत्मा बेच दी है।'

आदित्य ठाकरे ने भी की आलोचना

आदित्य ठाकरे ने संजय शिरसाट की टिप्पणी पर कहा कि शिरसाट का दिमाग सड़ा हुआ है और उन्हें अपनी कीमत पता चल गई है। मुझे नहीं पता कि ऐसे सड़ी हुई मानसिकता के लोग राजनीति कैसे बचे हुए हैं। बता दें कि प्रियंका चतुर्वेदी साल 2019 में कांग्रेस छोड़ने के बाद शिवसेना में शामिल हुईं थी। शिवसेना ने उन्हें राज्यसभा भेजा।

औरंगाबाद से शिवसेना विधायक संजय शिरसाट भी उन विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बाल ठाकरे की शिवसेना में बगावत की थी। संजय शिरसाट ने आरोप लगाया था कि 'उद्धव ठाकरे विधायकों से नहीं मिलते थे। विधायकों को कई घंटे तक गेट पर इंतजार कराया जाता था।'

शुजालपुर से छह शिकारी गिरफ्तार

30 प्रतिबंधित पक्षियों को मारा, हिरासत में मुस्कराते नजर आए आरोपी

शाजापुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शाजापुर जिले के शुजालपुर से करीब नौ किलोमीटर दूर हिरण संरक्षण क्षेत्र जेठड़ा से छह शिकारियों को वन विभाग के अमले ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी आरोपी कंजर समुदाय के हैं। सभी माधवपुर कंजरडेरा के निवासी बताए जा रहे हैं। शिकार कर प्रतिबंधित पक्षी को मारने के मामले में वन विभाग के अमले ने यह कार्रवाई की है। 30 मृत पक्षी भी मिले हैं। गिरफ्त में आए आरोपी मुस्कराते हुए नजर आये।

दोपहर 2:00 बजे वैकल्पिक पौधारोपण क्षेत्र जेठडा के सेक्टर चार के पास फेंसिंग के अंदर एक व्यक्ति तथा बाहर चार व्यक्ति गुलेल से शिकार करते हुए देख वन विभाग को सूचना मिली। अमले के पहुंचने से पहले ही आरोपियों ने शिकार से प्रतिबंधित पक्षी फाख्ता (होला कबूतर) को निशाना लगाकर मार गिराए।शिकारियों ने कुछ देर में ही 30 पक्षियों को मारकर गिरा दिया। सभी शिकारी शाम को पार्टी करने के लिए इन पक्षियों को मारने पहुंचे थे। वन विभाग के अमले ने कुल छह लोगों को तीन बाइक व एक गुलेल के साथ गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों पर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। शिकारियों के पास से मृत अवस्था में मिले 30 पक्षी भी जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय भेजे गए हैं। पकड़े गए सभी आरोपी कंजर टेरा माधोपुर के निवासी बताए गए। पुलिस इंक्वायरी कर आपराधिक रिकॉर्ड भी तलाश कर रही है।

जिन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें टोनू पिता चरत सिसोदिया (18), पंकज पिता रामबाबू हाड़ा (25), सुनील पिता झंडेल चौहान (23), अरुण पिता पलटन हाड़ा (30), गंगाराम पिता मोहन हाड़ा (55), अजय झंडेल सहित कुल छह आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

अरब सागर में कूदा शख्स, तलाश में जुटीं मुंबई पुलिस-नौसेना

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को मुंबई में एक शख्स के बांद्रा वर्ली सी लिंक से कूदने की खबर है। सूचना के बाद मुंबई पुलिस, नौसेना और तटरक्षक बल शख्स की तलाश में जुटे हैं और सर्च अभियान चला रहे हैं। पुलिस के अनुसार, शख्स ने बांद्रा वर्ली सी लिंक के बीच अपनी कार रोकी और फिर पुल से अरब सागर में छलांग लगा दी। घटना के बाद तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर्स की मदद से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि बांद्रा वर्ली सी लिंक पांच किलोमीटर लंबा पुल है जो कि बांद्रा को वर्ली से जोड़ता है।

रामनवमी झड़प : कलकत्ता हाईकोर्ट ने एनआईए जांच रोकने की ममता सरकार की बेचैनी पर रोष जताया

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की एकल-पीठ ने सोमवार को इस साल रामनवमी जुलूस पर हुई झड़पों के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच को रोकने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के लगातार प्रयासों पर रोष व्यक्त किया।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने 27 अप्रैल को एनआईए जांच का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हालाँकि, इस महीने की शुरुआत में शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को बरकरार रखा और राज्य सरकार को मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया।इसके बाद, राज्य सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक नया आवेदन दायर कर मामले में एनआईए जांच को रद्द करने की मांग की। जैसे ही यह मामला सोमवार को न्यायमूर्ति सेनगुप्ता की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया, उन्होंने एनआईए जांच को रोकने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के लगातार प्रयासों पर नाराजगी व्यक्त की। न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने कहा, "आपने पहले एनआईए जांच पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने में लाखों रुपये खर्च किए हैं। अब जब शीर्ष अदालत का आदेश आपके पक्ष में नहीं गया तो आप नया मामला दायर कर रहे हैं। यह जारी नहीं रह सकता।"उन्होंने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई तभी करेंगे जब राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, यह अस्वीकार्य है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को बायपास कर मामले में मूल आदेश को लागू करने में देरी करे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को होने वाले टीएमसी के 'बीजेपी नेताओं के घरों के घेराव' पर लगाई रोक

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को 5 अगस्त को तृणमूल कांग्रेस के प्रस्तावित कार्यक्रम 'भाजपा नेताओं के घरों के घेराव' पर रोक लगा दी। दरअसल, 21 जुलाई को पार्टी की वार्षिक ₹शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी ने कार्यक्रम की घोषणा की थी। बाद में अपने भाषण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि यह प्रदर्शन बीजेपी नेताओं के आवास से 100 मीटर की दूरी पर किया जाना चाहिए। केंद्र प्रायोजित कई योजनाओं के तहत पश्चिम बंगाल सरकार को बकाया राशि रोकने के फैसले के विरोध में घेराव का आह्वान किया गया था। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। सोमवार को मामले में सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने निर्धारित कार्यक्रम पर रोक लगाते हुए कहा कि ऐसे आंदोलनों से भारी असुविधा हो सकती है। यहां तक कि उन क्षेत्रों में रहने वाले आम लोगों की सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है।

शहीद उधम सिंह जैसे बलिदानियों की वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं : मुख्यमंत्री

कुरुक्षेत्र, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने शहीद उधम सिंह के चरणों में नमन किया। उन्होंने कहाकि उधम सिंह जैसे बलिदानियों की वजह से आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कम्बोज सभा की मांग पर करनाल, कुरुक्षेत्र व शाहबाद में बन रही तीन कम्बोज धर्मशालाओं के लिए 47 लाख 76 हजार 76 रुपए की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सर्वप्रथम शहीद उधम सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रेरणा का विषय है कि आजादी के मतवाले शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि देने हम यहां पहुंचे हैं। आज हम शहीद उधम सिंह के बलिदान को

भुला नहीं सकते। उन जैसे शहीदों की कुर्बानियों की वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हम सभी को मिलकर देश को मजबूत बनाना है। कम्बोज सभा की मांग पर मुख्यमंत्री ने करनाल, कुरुक्षेत्र और शाहबाद में निर्माणाधीन तीन धर्मशालाओं के लिए 47 लाख 76 हजार 76 रुपये की राशि दी। इनमें करनाल की कम्बोज धर्मशाला के लिए 21 लाख रुपए, कुरुक्षेत्र की धर्मशाला के लिए 21 लाख 76 हजार 76 रूपए और शाहबाद की धर्मशाला के लिए 5 लाख रुपए दिए जाएंगे।। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र की धर्मशाला के लिए सांसद नायब सिंह सैनी ने भी 11 लाख रुपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहाकि शहीद उधम सिंह का जन्म पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम में हुआ था। उनके बचपन का नाम शेर सिंह था। जलियांवाला बाग में एकत्रित लोगों पर अंग्रेजी सरकार ने गोलियां चला दी थी। इसमें अनेकों भारतीय मारे गए थे। शहीद उधमसिंह ने इनकी हत्या का बदला लेने की ठानी। इसके लिए वे इंग्लैंड गए। इंग्लैंड जाने के लिए नाम बदलकर शेरसिंह से उधम सिंह रखा। वहां जाकर अंग्रेजी अफसर डायर को सरेआम तीन गोलियां मारी। उन्होंने कहाकि उधम सिंह गोली मारकर भागे नहीं।

संत-महापुरुष सर्व समाज के: कर्णदेव कम्बोज

कार्यक्रम के संयोजक और पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज ने कहाकि संत-महापुरुष एक समाज या व्यक्ति के नहीं बल्कि सर्व समाज के हैं। सर्व समाज को आगे आकर शहीदों के चरणों में नमन करना चाहिए। कुरुक्षेत्र में शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने पर उन्होंने सर्व समाज का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश को आगे बढ़ाने के लिए विशेष योगदान दिया।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद किसी जवान के अपहरण का पहली बार दुस्साहस, बौखलाहट में है पाकिस्तान

जम्मू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सीमापार के इशारे पर एक बार फिर दहशत फैलाने की साजिश रची गई है। इसकी शुरुआत दक्षिण कश्मीर से की गई है। साजिश है कि अनुच्छेद 370 हटने की वर्षगांठ से पहले वर्ष 2018 के हालात पैदा किए जाएं जब खौफ से कई पुलिसकर्मियों ने सरकारी नौकरी छोड़ दी थी।

हालांकि, अनुच्छेद 370 हटने के बाद सुरक्षा बलों की सख्ती का नतीजा है कि आतंकी तथा अलगाववादी समर्थक कोई भी घटना नहीं कर पा रहे थे। पिछले तीन साल से इस प्रकार की कोई घटना नहीं हो पाई थी। वर्ष 2020 से यह पहली घटना है जब किसी सैन्य जवान के अपहरण का दुस्साहस किया गया है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद सुरक्षा बलों की सख्ती की वजह से जवानों के अपहरण व हत्या की घटनाओं पर ब्रेक लग गया था। अंतिम बार मई 2020 में शोपियां से एक पुलिसकर्मी का आतंकियों ने अपहरण किया था, लेकिन बाद में उसे सुरक्षित छोड़ दिया था।

इसी साल अप्रैल में अनंतनाग के अरवानी इलाके में भी अपहरण की एक कोशिश हुई थी लेकिन अपहरण कर ले जा रहे दो आतंकी मुठभेड़ में मार गिराए गए थे। इसके बाद फिर से इस प्रकार की कोशिशें सिरे नहीं चढ़ पाई। पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटने के बाद सुरक्षा बलों की संख्ती से आतंकियों को कोई मौका नहीं मिला। अब सरकार की ओर से आतंकियों के पारिस्थितिकी तंत्र पर हमले के बाद से लगभग आतंकी व अलगाववादी घटनाएं हाशिये पर चली गई हैं। तीन साल बाद दोबारा दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। आतंकियों ने मई 2017 में दक्षिण कश्मीर में लेफ्टिनेंट उमर फैय्याज के अपहरण व हत्या के बाद से इस सिलसिले की शुरुआत की थी। वर्ष 2018 में पुलिसकर्मियों के अपहरण व हत्या की कई घटनाएं भी हुईं। हिजबुल मुजाहिदीन ने पुलिस में तैनात एसपीओ को काम छोड़ने की धमकी भी दी। दहशत पैदा करने के लिए कई एसपीओ के दर्जनभर से अधिक पारिवारिक सदस्यों का अपहरण कर लिया। दहशत में कई एसपीओ ने पूरी घाटी में इस्तीफे दे दिए। अब फिर से ऐसे हालात पैदा करने की साजिश की गई है।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाले को मिली मौत की सजा

पीड़िता के परिजनों ने उतारा मौत के घाट

फूलबनी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति को पीड़िता के घरवालों ने पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि पीड़िता के पिता और चाचा ने कथित तौर पर दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डाला, जिसने बाद में दोनों ने ओडिशा के कंधमाल जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह घटना जिला मुख्यालय फुलबनी से लगभग 75 किलोमीटर दूर रायकिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक गांव में हुई। आरोप है कि कंक्रीट मिश्रण मशीन के एक ऑपरेटर ने शनिवार दोपहर को लड़की के साथ दुष्कर्म किया, लड़की घर के बाहर घूम रही थी। मृतक छत्तीसगढ़ का रहने वाला था जिसे एक ठेकेदार ने किसी काम के लिए नियुक्त किया था।

मदुरै जिले में कार और ट्रक की भीषण टक्कर, हादसे में चार की मौत

मदुरै, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै जिले के थिरुमंगलम में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया है। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। एसपी शिव प्रसाद ने बताया कि घटना देर रात की है। मदुरै जिले के थिरुमंगलम के पास एक कार और कंटेनर ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इसकी वजह से चार लोगों की मौत हो गई।

तमिलनाडु में तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू, एक की मौत

मदुरै, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै में रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रक के ब्रेक फेल होने से बड़ा हादसा हो गया। बेकाबू ट्रक पहले पेड़ से टकराया। फिर टोल प्लाजा तोड़कर आगे निकल गया। इस दौरान टोल पर खड़े एक कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं कार में दो यात्री और एक महिला टोल बूथ कर्मचारी भी घायल हो गए। यह हादसा मदुरै में मस्तानपट्टी टोल प्लाजा पर हुआ। मरने वाले व्यक्ति की पहचान सखीमंगलम के सतीश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, ट्रक आंध्र प्रदेश के काकीनाडा से 30 टन चावल लेकर केरल जा रहा था। ट्रक को गुंटूर के के. बालाकृष्णन (41) चला रहे थे। बांदीकोइल के पास पुल पार करने के तुरंत बाद ब्रेक न लगने के कारण ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। जिसके बाद ट्रक पहले सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराया।

बीजेपी मोदी को कन्याकुमारी या कोयंबटूर से मैदान में उतारने पर कर रही विचार

चेन्नई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा की ग्राउंड रिपोर्ट रामनाथपुरम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम्मीदवारी के पक्ष में नहीं होने के कारण, पार्टी उन्हें कन्याकुमारी या कोयंबटूर से मैदान में उतारने की संभावनाएं तलाश रही है। इन सीटों से क्रमशः बीजेपी नेता पोन राधाकृष्णन और सीपी राधाकृष्णन ने जीत हासिल की थी।

चूंकि कोयंबटूर और कन्याकुमारी जमीनी स्तर पर भाजपा का गढ़ हैं, इसलिए संभावना है कि दोनों सीटों में से किसी एक के लिए मोदी के नाम पर विचार किया जा सकता है। भाजपा के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि भगवा पार्टी प्रधानमंत्री को रामनाथपुरम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने की वकालत कर रही है। 9 जुलाई को हैदराबाद में हुई भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों, संगठन सचिवों और दक्षिण भारत के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में कई नेताओं ने

प्रधानमंत्री मोदी के रामनाथपुरम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का विचार रखा था, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी है।

यह सीट वर्तमान में आईयूएमएल के नवासकानी के पास है। बीजेपी ने इस सीट पर विस्तृत अध्ययन कराया, इसमें पता चला कि पार्टी के पास निर्वाचन क्षेत्र के साथ-साथ बूथ समितियों में भी उचित जमीनी समर्थन नहीं है। पार्टी को अन्नाद्रमुक द्वारा दिए गए समर्थन पर निर्भर रहना होगा, जो वर्तमान में तमिलनाडु में उसकी सहयोगी है। इसने पार्टी को इस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया है कि मोदी को कन्याकुमारी या कोयंबटूर से मैदान में उतारा जाए, क्योंकि उनके पास यहां जमीनी स्तर का मजबूत समर्थन है। भाजपा के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि आरएसएस भी प्रधानमंत्री के दोनों सीटों में से किसी एक से चुनाव लड़ने के विचार को स्वीकार कर रहा है। गौरतलब है कि बीजेपी तमिलनाडु में कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है और पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्य में बड़े पैमाने पर प्रचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी तमिल भाषा, तमिल संस्कृति पर बोल रहे हैं और हाल ही में उन्होंने तमिलनाडु के सेंगोल को नई संसद में स्थापित कराया है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों की राय है कि भाजपा मोदी की लोकप्रियता का इस्तेमाल कर तमिलनाडु में बड़ी बढ़त बनाने की योजना बना रही है। कन्याकुमारी और कोयंबटूर दोनों में पार्टी के पास लगभग 80 प्रतिशत बूथ प्रतिनिधित्व है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने क्रमशः चिकमंगलूर, बेल्लारी और वायनाड निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा था। इसका एक कारण यह भी माना जाता है बीजेपी प्रधानमंत्री मोदी को कन्याकुमारी या कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारने पर विचार कर रही है।

2024 लोकसभा चुनाव

भाजपा की दक्षिण भारत के लिए बड़ी योजनाएं हैं और हाल के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद, भगवा पार्टी तमिलनाडु और तेलंगाना के माध्यम से एक बड़ा लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। पार्टी के विस्तृत अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु और तेलंगाना की तुलना में केरल एक कठिन राज्य है और प्रधान मंत्री मोदी की उम्मीदवारी के साथ, प्रभाव सभी दक्षिण भारतीय राज्यों में पड़ेगा।

चेन्नई स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी एंड डेवलपमेंट स्टडीज के निदेशक सी. राजीव ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री मोदी का कन्याकुमारी या कोयंबटूर से चुनाव लड़ना एक ऐसा निर्णय हो सकता है, जिसके भाजपा के लिए दूरगामी सकारात्मक परिणाम होंगे। संघपरिवार व भाजपा पिछले कुछ वर्षों से तमिलनाडु में सक्रिय है और पार्टी के उम्मीदवारों ने कोयंबटूर और कन्याकुमारी सीटों से जीत हासिल की है। यह योजना भाजपा को अन्य सभी दक्षिण भारतीय राज्यों में पैठ बनाने में मदद करेगी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 1 अगस्त- 2023

माब लिंचिंग के आंकडे तलब

लगभग पांच साल पहले की बात है जब माब लिंचिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट उपचारात्मक उपायों पर अमल करने संबंधी निर्देशों का पालन करने को कहा था। लेकिन देखने में आ रहा है कि कोर्ट के आदेशों और निर्देशों पर अमल न करना सरकारों की जैसे आदत बन गई है। सरकारें अक्सर कोर्ट के निर्देशों से बचने का प्रयास करती है फिर नजरअंदाज करती हैं। माब लिंचिंग के मामले में दिए गए निर्देशों के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अगर सरकारों ने कोर्ट के आदेशों पर गंभीरता से अमल किया होता तो नए सिरे से माब लिंचिंग जैसी जघन्य घटनाएं न हो पातीं। अब तो ऐसी घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी ही देखी जा रही है। इसे लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और महाराष्ट्र, ओड़ीशा, राजस्थान, हरियाणा, बिहार और मध्यप्रदेश की राज्य सरकारों से पांच साल पहले जारी निर्देश के बाद से वर्षवार आंकड़े तलब किए हैं कि भीड़ हिंसा रोकने की दिशा में क्या काम किए गए हैं। बता दें कि लगभग पांच साल पहले तहसीन पूनावाला मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों को कड़ी चेतावनी देते हुए ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कुछ उपचारात्मक उपाय सुझाए थे, उन उपायों पर सभी राज्यों को अमल करना अनिवार्य था। लेकिन हालात यह है कि आए दिन विभिन्न राज्यों से गोमांस तस्करी के शक में या फर्जी खबरों, अफवाहों के प्रभाव में माब लिंचिंग की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कुछ वर्षों में माब लिंचिंग एक दुखदायी अराजक प्रवृत्ति के रूप में उभरी है। ऐसी घटनाएं आमतौर पर गोरक्षा के नाम पर ही होती हैं। समाज में कुछ ऐसे स्वयंभू गोरक्षक दल पनपे हैं, जो गोमांस और गो-तस्करी पर निगरानी रखते हैं। अगर इन्हें किसी भी तरह का शक होता या कहीं से कोई सूचना मिलती है कि गोमांस या गायों की तस्करी की जा रही है, तो वे मामले की बिना जांच-पड़ताल किए हमला कर देते हैं। कुछ मामले तो ऐसे भी सामने आए जिसमें जघन्यतम तरह से क्रूर हत्याएं की गईं। इनमें विशेष रूप से एक ही समुदाय के लोग शिकार बनते हैं। ऐसी घटनाओं के मद्देनजर तहसीन पूनावाला मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति या समूह को इस तरह निगरानी करने, कानून को अपने हाथ में लेने और ऐसे मामलों का फैसला सड़क पर करने का अधिकार नहीं है। जब किसी प्रकार के विचार वाला कोई समूह कानून को अपने हाथों में लेता है तो इससे अराजकता और अव्यवस्था फैलती है और अंततः हिंसक समाज का उदय होता है। यह शासन और संविधान के ऊंचे मूल्यों का भी अपमान है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह की हो रही माब लिंचिंग को रोकने के लिए सरकारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा था कि भीड़ हिंसा वाले क्षेत्रों की पहचान कर राज्य सरकारें प्रत्येक जिले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नामित करें। अपनी शक्ति का प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी का कर्तव्य होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। यहां तक कि पुलिस गैर-जिम्मेदाराना प्रचार करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करेगी। मगर हकीकत सबके सामने है कि अब भी लोगों को भीड़ के रूप में इकट्ठा होकर हिंसा करने के लिए उकसाने के मकसद से फर्जी और भड़काऊ सूचनाएं प्रसारित करने और निगरानी समूह बनाने वाले बाज नहीं आए हैं। बिहार के सारण और महाराष्ट्र के नासिक में गोमांस की तस्करी के शक में हुई माब लिंचिंग हाल के उदाहरण हैं। दोनों राज्यों की सरकारें इस मामले में क्या सफाई पेश करती हैं, वह देखने वाली बात होगी।

अभिन्न अंग बन गया है वर्ल्ड वाइड वेब

योगेश कुमार गोयल

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र WWW (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई? वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी। दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' की शुरूआत 1991 में हुई।

टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं। इस बात से आज हर कोई परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन।

संस्थाओं को बचाना है ? पहले गांधी को बचाइए !

श्रवण गर्ग

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा किनारे स्थित राजघाट परिसर में सर्व सेवा संघ और गांधी अध्ययन संस्थान पर क़ब्ज़े के लिए जब भगवा हुकूमत का पुलिसिया प्रशासन विध्वंस मचा रहा था ,मुझे उस क्षण की पीड़ा को महसूस करने के लिए वहाँ मौजूद रहना चाहिए था। इसलिए नहीं कि मैं उसे रोक सकता था बल्कि इस कारण कि अपने अतीत का स्मरण करते हुए मुझे उस कालिख का साक्षी बनना चाहिए था जो देश-दुनिया में गांधी-विनोबा के लाखों-करोड़ों अनुयाइयों के चेहरों पर सरकारी अतिक्रमणकारियों द्वारा गढ़े गए दस्तावेज़ों की मदद से पोती जा रही थी । वाराणसी के राजघाट परिसर के साथ स्मृतियों का एक लंबा सिलसिला जुड़ा हुआ है। साठ और सत्तर के दशकों में गांधी-विनोबा-कस्तूरबा का काम करने के दौरान कभी इंदौर से तो कभी नई दिल्ली स्थित राजघाट कॉलोनी से ट्रेन से रात-रात भर बैठे-बैठे सफ़र करके वहाँ जाने और समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ है। वहाँ आयोजित होने वाले शिविरों में कई दिनों तक रहने और सर्वोदय दर्शन की राष्ट्रीय विभूतियों का सान्निध्य प्राप्त करने के दुर्लभ क्षण प्राप्त होते थे। बापू के अनन्यतम सहयोगी महादेव भाई देसाई के सुयोग्य पुत्र और गांधी के कथाकार-विचारक नारायण देसाई तब उसी परिसर में परिवार सहित निवास करते थे। उनके साथ बिताये गए समय और की गई रोमांचक गंगा यात्रा के दृश्य आज भी यादों में सुरक्षित हैं। तमाम विरोधों, प्रतिरोधों, लंबे सत्याग्रह और गिरफ़्तारियों के बावजूद वाराणसी के राजघाट परिसर में जो भगवा विध्वंस मचाया गया उसका संताप एक सीमा के बाद नहीं भोगा जा सकता । केवल प्रतीक्षा भर की जा सकती है कि इसी तरह के अतिक्रमण की आँच नई दिल्ली में बापू की समाधि के सामने स्थित राजघाट परिसर और दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान की इमारत तक कब पहुँचती है। बापू चाहे दिनबंधु रहे हों भगवा सत्ता जिन्हें अपना दीनदयाल मानती है उनके साथ एक ही मार्ग पर कब तक क़ायम रह सकेंगे कहा नहीं जा सकता ? (भाजपा का मुख्यालय भी दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर ही स्थित है।) हालाँकि जो ग़ैर-कांग्रेसी एनडीए सरकार इस समय केंद्र में क़ायम है उसकी नींव इसी गांधी शांति प्रतिष्ठान में 1977 में जेपी के नायकत्व में पड़ी थी। दिल्ली की राजघाट कॉलोनी में ही सर्व सेवा संघ के मुखपत्र 'सर्वोदय' साप्ताहिक में काम करते हुए समय बीता है। प्रभाष जोशी तब हमारे संपादक और अनुपम मिश्र सहयोगी हुआ करते थे। वाराणसी में जो कुछ हुआ, सेवाग्राम (वर्धा) और साबरमती (अहमदाबाद) में जो हो रहा है, नई दिल्ली में जितना हो चुका है और जो आगे हो सकता है उस सबके प्रति दो-तीन कारणों से शोक नहीं मनाया जाना चाहिए ! पहला तो यह कि इन संस्थाओं ने अपना काम और जीवन पूरा कर लिया है। नागरिक समाज के बीच इनमें से अधिकांश ने उनके शिल्पकार नायकों के अवसान के साथ ही अपनी उपयोगिता को समाप्त कर लिया था। अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम परिसर को जब उसके रहवासियों से ख़ाली करवाया गया तब न तो वाराणसी जैसा कोई प्रतिरोध हुआ, सत्याग्रह हुआ और गिरफ़्तारियाँ ही दी गईं । अधिकांश रहवासियों ने कथित तौर पर लाखों-करोड़ों के चेक मुआवज़े के रूप में स्वीकार करते हुए फ़ोटो खिंचवाए और गांधी की सत्ता गोडसे-भक्तों के सपनों के हवाले कर दी । इनमें कुछ रहवासी वे भी थे जो सर्वोदय आंदोलनों के नामी-गिरामी पदाधिकारी रहे हैं। साबरमती आश्रम में तो सरकारी अतिक्रमणकारियों के पास वाराणसी जैसा कोई बहाना भी नहीं था कि वहाँ की क़ीमती ज़मीन रेलवे या किसी और के आधिपत्य की थी। साबरमती आश्रम की स्थापना तो सन् 1917 में स्वयं बापू ने की थी। दूसरा प्रमुख कारण यह है कि गांधी संस्थाओं के साथ अब किसी भी प्रकार का नागरिक समर्थन नहीं बचा है। अधिकांश संस्थाओं की साँसें सरकारी अनुदान के भरोसे ही चल रही हैं। गो सेवा के क्षेत्र में लगी सर्वोदय संस्थाओं के काम को भगवा ब्रिगेड ने सांप्रदायिक विभाजन का हथियार बनाने के लिए हथिया लिया है। लाखों कत्तीनों को बेरोज़गार कर खादी आयोग और उसकी संस्थाएँ खादी के नाम पर खुले आम पॉलिएस्टर बेच रहीं हैं। कहीं कोई हिसाब नहीं है कि विनोबा के भूदान आंदोलन में प्राप्त हुई पचास लाख एकड़ ज़मीन का क्या हुआ ? वह कब और किन भूमिहीन ग़रीबों को वितरित की गई ! अपने किसी आलेख में मैंने ज़िक्र किया था कि दिल्ली स्थित 'गांधी स्मृति' स्थल (जहां बापू हत्या हुई थी) और 'गांधी दर्शन' (बापू की समाधि से लगा विशाल प्रदर्शनी स्थल) दोनों की देख-रेख का काम सत्तारूढ़ हुकूमत ने अपने ही एक पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद के हवाले कर रखा है। गांधी का काम अब सावरकर के अनुयायी कर रहे हैं ! गांधी और सावरकर बराबरी के देशभक्त बना दिये गए हैं ! तीसरा कारण यह है कि गांधी और सर्वोदय की संस्थाएँ सत्ता और क्षेत्रीय स्वार्थों के आधार पर काफ़ी पहले से आपस में बंट चुकी हैं और शासकों को इसकी पर्याप्त जानकारी भी है। नर्मदा नदी पर बनने वाले सरदार सरोवर बांध के ख़िलाफ़ जब मध्य प्रदेश के गांधीवादी कार्यकर्ता आंदोलन कर रहे थे ,गुजरात वाले गांधीवादी कार्यकर्ता बांध का समर्थन कर रहे थे। बांध-विरोधी नेत्री मेघा पाटकर के साथ अहमदाबाद की एक बैठक में जब बांध-समर्थकों द्वारा अभद्रता की जा रही थी, गुजरात के कुछ प्रख्यात गांधीवादी मूक दर्शकों की तरह बैठे तमाशा देख रहे थे। वाराणसी में राजघाट परिसर की ज़मीन और संस्था को बचाने के लिए निश्चित ही दस्तावेज़ी प्रमाण भी सौंपे गए हैं कि :' विनोबा भावे ने भूदान यात्रा के दौरान तेरह एकड़ ज़मीन रेलवे से ख़रीद कर साधना केन्द्र बनाया था। उद्देश्य था : राष्ट्र-निर्माण के लिए युवा रचनाकारों को तैयार करना और साहित्य प्रकाशन करना जिससे लोगों के दिल और दिमाग़ बदलें।' सवाल यह है कि इन उद्देश्यों की प्राप्ति में कितनी सफलता प्राप्त हुई ? जिस संस्था और ज़मीन को बचाने के लिए विनोबा का उदाहरण दिया जा रहा है उनका संस्थाओं को लेकर क्या कहना था उस पर कोई गौर नहीं करना चाहता ! विनोबा ने कहा था :' विधानबद्ध संस्थाएँ क्रांति का कार्य नहीं कर सकतीं ! विचार क्रांति मनुष्यों द्वारा होती है । संस्था से सत्ता बन सकती है ,जन समाज में क्रांति नहीं हो सकती ।

संस्थाओं का कार्य समाप्त हो जाने के बाद उनका विसर्जन भी कर देना चाहिए ।' ज्ञातव्य है कि विनोबा जी ने ग्रामदान आंदोलन के बाद गांधी निधि से सहायता लेना बंद कर दिया था और सारी भूदान समितियाँ तोड़ डाली थीं। गांधी और सर्वोदय समाज के अधिकांश सेवक सिर्फ़ संस्थाएँ और उनकी ज़मीनें बचाना चाहते हैं, गांधी को नहीं ? वे संघ और भाजपा की भगवा सत्ता से इसलिए नहीं लड़ पाएँगे कि दोनों ही अपनी पूरी ताक़त के साथ सावरकर-गोडसे को बचा रहे हैं और गांधी-विनोबा-जयप्रकाश को समाप्त कर रहे हैं ! गांधी संस्थाओं को बचाने से पहले गांधी को बचाना पड़ेगा !

http://shravangarg1717.blogspot.com

स्कूलों में स्मार्ट फ़ोन के प्रयोग पर पाबन्दी की पुकार

डॉ सत्यवान सौरभ

इन दिनों कई गतिविधियाँ ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है। इसमें शिक्षा भी शामिल है। इसी कारण से छात्रों के लिए मोबाइल फोन उनकी शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। जो बातें पहले व्यक्तिगत कक्षाओं के दौरान कक्षा में बताई जाती थीं, उन्हें फ़ोन पर पाठ के माध्यम से आसानी से व्यक्त किया जा सकता है। जैसा कि कहा गया है, यह बहस बनी हुई है कि क्या मोबाइल फोन छात्रों के लिए अच्छा है या बुरा, क्योंकि मोबाइल फोन सिर्फ शैक्षिक उद्देश्यों के लिए नहीं है, बल्कि एक मोबाइल फोन एक छात्र के लिए इंटरनेट की विशाल दुनिया की खिड़की है, जो अक्सर उनकी पढ़ाई से छात्र का ध्यान भटका सकता है। यदि आप एक माता-पिता हैं और अपने बच्चे के लिए स्कूल में प्रवेश के बारे में सोच रहे हैं, तो यह आपके ध्यान देने योग्य हो सकता है। हर चीज़ के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। समार्टफोन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए, बच्चों को घर और स्कूल दोनों जगह शिक्षा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जब उनका उपयोग करना ठीक न हो और ऐसा हो तो वयस्कों को आदर्श बनना चाहिए, और उन्हें सुरक्षित, जिम्मेदार और उचित उपयोग के आसपास सीमाओं को लागू करने की आवश्यकता होगी। कोविड-19 महामारी का एक बड़ा साइड इफेक्ट यही रहा है कि उसकी वजह से दुनिया के कई स्कूली बच्चों को स्मार्टफोन का उपयोग करना पड़ा। अब इसकी आदत गंभीर रूप लेने लगी है। इंटरनेट स्पष्ट चीज़ों से भरा पड़ा है, जिसमें आपत्तिजनक से लेकर रक्तरंजित सामग्री तक शामिल है। जबकि कुछ फोन को पैरेंटल लॉक से बाहरी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है, कई फोन में यह सुविधा नहीं होती है, और छात्र आसानी से ऐसी चीजों तक पहुंच सकते हैं। बच्चे जिज्ञासु प्राणी होते हैं, और उनके लिए उन चीज़ों का पीछा करना स्वाभाविक है जो उन्होंने पहले नहीं देखी हैं। ज्यादातर मामलों में, बच्चे उस छोटी सी उम्र में वो चीजें देख लेते हैं जो उन्हें नहीं मिलनी चाहिए। बच्चों के लिए मोबाइल फोन का सबसे आम नुकसान यह है कि उन्हें फोन की लत लग जाती है। हमें यह याद रखना होगा कि स्कूली छात्र आख़िरकार बच्चे ही होते हैं और वे लगभग हमेशा पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं। यही कारण है कि जब उनके हाथ में कोई फोन आता है तो वे उसमें डूब जाते हैं। यह आदत कभी-कभी इतनी खराब हो जाती है कि छात्र जल्द से जल्द अपने फोन पर वापस जाने के लिए पढ़ाई को नजरअंदाज करने लगते हैं। कोविड महामारी के दौरान करोड़ों लोगों में स्मार्टफोन की लत बढ़ी और इसलिए अब इसके नुकसान की चर्चाएं भी खूब हो रही हैं। मोबाइल फोन का ज्यादा उपयोग छात्रों की सीखने नहीं देगा और यह उनकी क्रिएटिविटी को भी एक हद तक मारने का काम करता है। यह शिक्षकों के साथ छात्रों के के मानवीय संपर्क को भी कम कर देता है। जैसे-जैसे शिक्षा तेजी से ऑनलाइन हो रही है, जहां छात्रों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करने के कई फायदे हैं, वहीं इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। छात्र अक्सर उन गतिविधियों के लिए अपने मोबाइल फोन पर निर्भर रहना शुरू कर देते हैं जिन्हें वे स्वयं अच्छी तरह से कर सकते थे। इसमें बुनियादी गणना जैसे सरल कार्य शामिल हैं, क्योंकि वे फ़ोन के कैलकुलेटर ऐप का उपयोग कर सकते हैं। या, कभी-कभी, उन्हें किसी प्रश्नोत्तरी का उत्तर याद नहीं होता है जो उन्हें इसे ऑनलाइन देखने के लिए प्रेरित करता है जिसका अध्ययन किया जाना चाहिए और याद किया जाना चाहिए। प्रभावी शिक्षण के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच सामाजिक संपर्क जरूरी है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इस बात का गंभीरता और सावधानी से अवलोकन करें कि तकनीक का स्कूलों में उपयोग कैसे हो रहा है। स्कूलों में मानव केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत है जहां डिजिटल तकनीक एक उपकरण के तौर पर काम करे ना कि हावी ही हो जाए। अगर हम उस समय को देखें जब मोबाइल फोन अभी भी हमारी रोजमर्रा की जरूरतों से इतनी गहराई से नहीं जुड़े थे, तो हम देखेंगे कि छात्र अपनी पढ़ाई से ब्रेक लेने के लिए कई शारीरिक गतिविधियों का इस्तेमाल करते थे।

हालाँकि, इन दिनों, 8 में से 4 छात्रों के घर के अंदर रहने और समय बर्बाद करने के लिए अपने फोन का उपयोग करने की अधिक संभावना है। मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से पूरी दुनिया को एक हाथ की हथेली में लाता है, और इस प्रकार बच्चे खेल या किसी भी सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के बजाय अपने मोबाइल फोन स्क्रीन से अधिक चिपके रहते हैं। बच्चों को तकनीक के साथ और उसके बिना दोनों तरह से, प्रचुर सूचना में क्यों उपयोगी है और किसे नजरअंदाज करना है, सिखाना होगा। प्रौद्योगिकी कभी भी शिक्षकों का स्थान न ले, बल्कि प्रौद्योगिकी को एक सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए, जो सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साझा उद्देश्य को हासिल करने में मददगार हो।

सीमा और अंजू के प्रेम कहानी में पाक की चाल तो नहीं

आर.के. सिन्हा

पर यहां हम बातें करेंगे उस बड़े सवाल की, जिसकी तरफ ध्यान देने की जरूरत है। पहले बात सीमा की। सीमा बिना किसी पासपोर्ट या वीजा के नेपाल के रास्ते भारत आ गई। एक बार हम यह मान भी लेते हैं कि वह पाकिस्तान की किसी खुफिया एजेंसी से संबंध नहीं भी रखती होगी। पर एक दुश्मन देश की नागरिक का अपने चार छोटे बच्चों के साथ नेपाल से बिना किसी अवरोध या मदद के या गतिरोध ग्रेटर नोएडा तक आसानी से पहुंचना गंभीर सवाल तो खड़े करता ही है। इसी तरह से नेपाल के रास्ते पाकिस्तानी आतंकवादियों को भारत में कत्लेआम मचाने के लिए भी तो भेजा जा सकता है। उसने 2008 में मुंबई में भी तो यही तो किया था। उसके बाद मुंबई हमेशा-हमेशा के लिए बदल गयी। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश किया और अचानक मुम्बई के बाजारों चौराहों पर हमला कर दिया। उस आतंकी हमले में सैकड़ों लोगों की जानें चली गईं और हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति तबाह हो गई। इसके बावजूद पाकिस्तान में उस हमले के मास्टर माइंड खुलेआम घूम रहे हैं। अगर कोई सोच रहा है कि मुंबई हमलों के बाद सब कुछ शांत हो गया था, तो वे फिर पठानकोट और उसके बाद उरी की घटनाओं को भी जरा याद कर लें। कहने का मतलब यह है कि हमें जागना होगा। हमें याद रखना होगा कि पाकिस्तान किसी भी रास्ते से भारत की पीठ पर वार कर सकता है। क्या यह संभव नहीं है कि पाकिस्तान की ही खुफिया एजेंसियों ने ही सीमा को भारत में भेजा हो ताकि टोह ली जा सके कि हमारे निगाहबान कितने सतर्क हैं? अब बात कर लेन अंजू से फातिमा बनी महिला की। यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि उसे मजे-मजे में पाकिस्तान का वीजा कैसा मिल गया। पाकिस्तानी एंबेसी से भारतीय नागरिकों को बहुत कम वीजा ही मिलते हैं। आप कभी पाकिस्तानी एँबेसी के गेट के बाहर जाकर खुद देख लें। उनका वीजा देने वाला गेट नेहरू पार्क की तरफ है। वहां पर बुजुर्ग मुसलमान वीजा के लिए सुबह से शाम तक बैठे होते हैं। वे सरहद के उस पार अपने करीबियों को मिलने जाना चाहते हैं। पर उन्हें पाकिस्तान वीजा देने से इंकार करता रहता है। इसलिए ही ये सवाल पूछने का मन कर रहा है कि पाकिस्तान एंबेसी ने अंजू को अपने दोस्त से मिलने का वीजा कैसे दे दिया? पाकिस्तान में मुहाजिरों के हकों के लिए लड़ने वाली मुताहिदा कौमी मुवमेंट (एमक्यूएम) के नेता अल्ताफ हुसैन 2004 में राजधानी दिल्ली आए थे। वे तब कह रहे थे कि दोनों पड़ोसी मुल्कों के संबंध खराब होने के कारण देश के बंटवारे के समय बंट गए परिवार भी हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूसरे से दूर हो गए। कारण यह है कि अब दोनों देशों का वीजा लेना मुश्किल हो गया है। भारत तो पाकिस्तान के नागरिकों को वीजा देने में इसलिए बहुत एहतियात बरतता है, क्योंकि; वहां से पाकिस्तान भारत में आतंकी तत्वों को भेजता रहा है। हालांकि वहां से हजरत निजामउद्दीन औलिया के उर्स में भाग लेने के लिए इस बार भी बहुत से तीर्थ यात्रियों को भारत ने वीजा दिया था। पर पाकिस्तान तो भारत के लेखकों, पत्रकारों, डाक्टरों को भी वीजा देने से आनाकानी करता है। पर उसने अकेली अंजू को वीजा देने में गजब की जल्दी दिखाई। इसलिए शक तो होता है कि आखिर पाकिस्तान ने किस वजह से उसे फटाफट वीजा दिया। एक दौर में हर साल सैकड़ों निकाह होते थे,जब दूल्हा पाकिस्तानी होता था और दुल्हन हिन्दुस्तानी। इसी तरह से सैकड़ों शादियों में दुल्हन पाकिस्तानी होती थी और दूल्हा हिन्दुस्तानी। सरहद के आरपार निकाह इसलिए बंद हो गए, क्योंकि; पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देता रहा। वीजा और फिर नागरिकता पाने के झंझट से बचने के लिए बहुत सारे लोग सीमा के उस पार अपना जीवन साथी खोजना बंद कर चुके हैं। पाकिस्तान के भारत के खिलाफ छदम युद्ध जारी रखने की नीति के कारण दोनों देशों के नागरिकों को ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मुंबई हमलों से पहले दिल्ली-मुंबई में पाकिस्तान से शायर, लेखक, फिल्मी कलाकार बराबर आते रहते थे। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पाकिस्तान के मशहूर शायर अहमद फराज को लगातार देखा जा सकता था। उनका एक मशहूर शेर है ''रंजिश ही सही, दिल ही दुखाने के लिए आ, आ फिर से मुझे छोड़ के जाने के लिए आ।'खैर, हर हालत में भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों को यह गहराई से जाँच कर पता लगाना चाहिए कि सीमा कैसे भारत आ गई और अंजू भारत से पाकिस्तान कैसे चली गई।

'ब' से बाबा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

इन दिनों दो बीए डिग्रीधारी पास-पास बैठ जाएँ तो बाबा बनने का विचार सहज ही उत्पन्न होने लगता है। वैसे देखा जाए बाबा बनना क्रेज बनता जा रहा है। पहले बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त करते थे। इसमें पैसा भी बड़ा खर्च होता था। डॉक्टर, इंजीनियर बन भी गए तो इसकी कोई गारंटी नहीं कि धंधा चलेगा या नहीं। किंतु बाबा बनने के अपने ही मजे हैं। न पढ़ाई की चिंता न लिखाई की। दो-चार पुराने प्रवचनों की सीडी-वीडी देख ली। हू-ब-हू उसी तरह के प्रवचनों में अपनी स्टाइल का तड़का डाल दिया तो फिर कहने ही क्या। धंधा ऐसा चल पड़ेगा मानो टोल फ्री हाईवे पर मक्खन की तरह सरपट दौड़ती एसयूवी कार। आज के समय में बाबा बनने के कई लाभ हैं। इनका चोला इतना गेरुआ हो चुका है कि ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर गरियाने की भी हिम्मत नहीं होती, क्योंकि टीटीई भी तो बाल-बच्चे वाला है। जान है तो जहान है। पहले बाबाओं के कमंडल में श्राप देने के लिए जल भी नहीं होता था, अब तो पूरी की पूरी सरकार है। थोड़ी भी ऊँच-नीच हुई तो स्टेशन पर मारा-मारी, अफरा-तफरी मच जाने की प्रबल संभावना होती है। इसी बहाने एक धर्म के प्रति सहानुभूति लहर फैल जाती है। ऐसे में वहाँ चुनाव हो जाएँ तो कहने ही क्या। ऐसा नहीं है कि बाबा बनने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। मेहनत तो करनी पड़ती है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह के बाबा बनना चाहते हैं। सच्चा बाबा बनने के लिए अधिक मेहनत की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके लिए आपको निर्जन, शांत कोना चुनना पड़ता है और लग जाना पड़ता है तपस्या में। कहते हैं सच्चे बाबाओं की साधना ठीक उसी तरह होती है जिस तरह गौतम बुद्ध, महावीर, गुरुनानक, रैदास, कबीर, तुलसी की होती है। यदि आपने इन महानुभावों की तस्वीरों को गौर से देखा है तो ठीक है, नहीं तो आज देख लीजिए। आप देखेंगे उनके कपाल पीछे पीले रंग का बड़ा सा आभा मंडल होता है। ऐसा ही कुछ सच्चे बाबाओं के साथ होता है। जहाँ तक ओरिजिनल से लगने वाले डुप्लीकेट बाबा बनने की बात है तो यह बहुत कठिन और परिश्रम वाला काम है। इसके लिए सबसे पहले आपको देशभर के तीर्थस्थलों का भ्रमण करना पड़ता है। वहाँ के मठों-अखाड़ों में बाबाओं की राजनीति को करीब से देखना पड़ता है। जितना देखोगे उतना समझोगे। देश की असली राजनीति मठों, मदरसों, गुरुद्वारों, गिरजाघरों में ही तो होती है। वहाँ पर मठाधीश बनने के लिए गलाकाट होड़ लगी रहती है। कहने को तो है प्रार्थना का मंदिर लेकिन प्रार्थनाओं से अधिक टाँग खींचने, कान काटने का काम ही अधिक चलता है। सच्चाई तो यह है कि यहाँ मठाधीश बनने से आसान देश का प्रधानमंत्री बनना है।बाबा तो बाबा होता है। फिर चाहे वह किसी भी क्षेत्र में जाए अपनी आध्यात्मिक छवि से सबको प्रभावित किए बिना नहीं रह सकता। यही कारण है कि मीडिया या पुलिस कोई भी इनके पास जाने से पहले लाख बार सोचता है। यदि वे व्यवसाय में जाते हैं तो इनके द्वारा बनाए सभी उत्पादों पर आध्यात्म का लेप लगाकर अंध भक्तों को खरीदने पर विवश कर दिया जाता है। स्थिति यह हो जाती है कि फलाँ बाबा जी का उत्पाद न खरीदने पर भक्त के धर्म पर ही सवालिया निशान खड़ा कर दिया जाता है। हमारे देश की खासियत यह है कि यहाँ लोग संविधान से ज्यादा बाबाओं और उनके अंधविश्वासों से डरते हैं। यदि संविधान देश की नियम पुस्तक न होकर धार्मिक ग्रंथ होता तो शायद इसका अमल अच्छे से होता।

इतना तो मानना पड़ेगा कि संविधान हमारे धार्मिक ग्रंथों से न्यून है। नहीं तो न्यायालयों में संविधान की बातों का पालन करवाने के लिए धार्मिक ग्रंथों की शपथ थोड़े ही न दिलाते। यदि बाबा राजनीति में आ जाए तो कमाल, धमाल और मालामाल हो जाए।

बाबा सत्तारूढ़ होने पर लाख गलत फैसले करे, लेकिन उस पर कोई उँगली उठाने की हिम्मत नहीं करता। क्योंकि उनका सोशल मीडिया ब्रिगेडियर इन सब पर हमला करने के लिए तत्पर रहता है। बाबा अविवाहित होता है।

सावन अधिक मास की पूर्णिमा आज

सुख-समृद्धि पाने के लिए करें प्रभावशाली 4 उपाय

सावन के महीने की शुरुआत 4 जुलाई 2023 से हो चुकी है। इस बार सावन का महीना खास है, क्योंकि इसमें अधिक मास भी लगा है। अधिक मास की शुरुआत 18 जुलाई 2023 से हुई है, जो 16 अगस्त 2023 को समाप्त होगा। सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर अधिक पूर्णिमा व्रत रखने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और दान का विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन जप तप और दान करते हैं उन्हें अक्षय पुणे प्राप्त होता है। इस साल 1 अगस्त 2023 को श्रावण अधिक पूर्णिमा पड़ रही है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं पूर्णिमा तिथि पर किए जाने वाले कुछ अचूक उपाय।

श्रावण अधिक पूर्णिमा व्रत तिथि 2023

हिंदू पंचांग में बताया गया है कि श्रावण अधिक मास के शुक्ल पक्ष की तिथि 1 अगस्त 2023 को सुबह 3:51 बजे से आरंभ हो रही है। जिसका समापन अगले दिन यानी 2 अगस्त 2023 को मध्य रात्रि 12:00 बजे होगा। उदया तिथि के अनुसार व्रत 1 अगस्त 2023 दिन मंगलवार को रखा जाएगा।

सावन अधिक पूर्णिमा 2023 पर करें प्रभावशाली उपाय

-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप आते हैं कि आपके जीवन में सुख समृद्धि और खुशियां बनी रहे, तो उसके लिए श्रावण अधिक मास की पूर्णिमा तिथि पर व्रत करें और पीपल के वृक्ष में जल चढ़ा कर घी का दीपक जरूर जलाएं।

-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूर्णिमा व्रत में भगवान विष्णु और देवी तुलसी की आराधना का महत्व माना गया है। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ अवश्य करना चाहिए।

-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों के दांपत्य जीवन में समस्या आ रही है उन्हें पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को दूध से अर्देघ्ना चाहिए। इस उपाय से दांपत्य जीवन में मिठास घुल जाती है और पति पत्नी के बीच मधुरता बढ़ जाती है।

-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार। जिन युवक युवती के विवाह में अड़चन आ रही है, उन्हें पूर्णिमा के दिन माता गौरी को 16 श्रृंगार अर्पित करना चाहिए और पूरे विधि विधान से उनकी उपासना करना चाहिए। इस उपाय से शादी में आ रही बाधा दूर हो सकती है।

सावन में सपने में दिखाई देता है काला शिवलिंग किस बात का है इशारा

सावन का महीना भोलेनाथ को अति प्रिय है। इस दौरान भगवान शिव की पूजा-आराधना करना सौभाग्यपूर्ण माना जाता है। सावन के महीने में यदि आपको काले रंग का शिवलिंग सपने में दिखाई देता है तो इसके कई संकेत हो सकते हैं। इसके अलावा, सफेद रंग के शिवलिंग का दिखाई देना भी खास माना जाता है।

बीमार व्यक्ति के लिए- स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार है और उसे सपने में काले शिवलिंग दिखाई देता है तो उसके लिए शुभ संकेत है। बीमार व्यक्ति को सपने में काले शिवलिंग देखना इस बात का संकेत है कि आने वाले वक्त में उसे बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है। इसके लिए उसे भगवान शिव के मंत्रों का जाप करना चाहिए।

बेरोजगार व्यक्ति के लिए- जिस जातक को सपने में काले रंग का शिवलिंग दिखाई देता है तो स्वप्न शास्त्र के अनुसार इसका अर्थ है कि आने वाला समय आपके लिए शुभ होने वाला है। ये तभी प्रभावशाली होगा जब आप अपने काम को पूरे धैर्य और ईमानदारी के साथ करेंगे।

ऐसा करने से आपको सफलता प्राप्त होगी और जीवन में आप बुलंदियों को छू पाएंगे।

व्यापारी वर्ग के लिए-स्वप्न शास्त्र के अनुसार, व्यापारी जातक को सपने में काले शिवलिंग दिखाई देना अशुभ माना जाता है। यदि कोई व्यापारी सपने में काले शिवलिंग को देखना व्यापार में परेशानी आने के संकेत माने जाते हैं। परंतु भगवान शिव की आराधना करने से इन समस्याओं से जल्द ही छुटकारा पा सकते हैं।

सपने में सफेद शिवलिंग देखना- स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सपने में सफेद शिवलिंग के दर्शन करना शुभ माना जाता है। सपने में सफेद शिवलिंग दिखना परिवार में सुख-समृद्धि ला सकती है। यदि आप सपने में सफेद शिवलिंग का दूध से अभिषेक करते हैं तो ये भी शुभ संकेत माना जाता है। ये संकेत हैं आपके जीवन में सुख-शांति आ सकती है।

कुंवारी कन्या- स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी कुंवारी कन्या को सपने में काले शिवलिंग दिखाई देते हैं और उसकी विवाह की कामना है तो इस सपने का मतलब है कि जल्द ही आपका विवाह हो सकता है। कुंवारी कन्या को अपनी इच्छा के अनुसार वर की प्राप्ति हो सकती है।

एमपी के इस मंदिर में शिवलिंग के ऊपर... एक और शिवलिंग!

खरगोनः देश के किसी भी कोने में चले जाएं, किसी न किसी देवी या देवता का मंदिर मिल ही जाएगा। इतिहास के पन्ने पलटें तो पता चलता है कि भारत की इसी आस्था को तोड़ने के लिए मुगलों ने देश के अनेकों मंदिरों पर आक्रमण किया, लेकिन आस्था को चोट नहीं पहुंचा पाए। ऐसे मंदिर पुनः स्थापित किए गए और आज आस्था का केंद्र बने हुए हैं।

ऐसा ही एक अति प्राचीन शिव मंदिर खरगोन के कसरावद में बस स्टैंड के नजदीक है। बताया जाता है कि मुगलों ने आक्रमण कर इस मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया था। बाद में मंदिर का जीर्णोद्धार देवी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर श्री गांगलेश्वर महादेव का है।

बताया जाता है की इस मंदिर में पांडव भी पूजा कर चुके हैं। परमार काल से भी इसका इतिहास जुड़ा हुआ है।

मंदिर समिति के किशोर भार्गव ने बताया कि इस मंदिर में जो शिवलिंग है, उसके नीचे एक और शिवलिंग है। वही गांगलेश्वर महादेव का प्राचीन शिवलिंग है, लेकिन मुगलों के आक्रमण में मंदिर के साथ-साथ शिवलिंग भी क्षतिग्रस्त हो गया था। बाद में इसी शिवलिंग के ऊपर एक और शिवलिंग की स्थापना की गई, जो नर्मदेश्वर शिवलिंग है।

चार स्तंभ, चारों अलग-अलग

मंदिर का गर्भगृह आज भी अपने पुराने स्वरूप में ही बरकरार है। मंदिर के अंदर और बाहर दोनों ओर से पुरानी कलाकृतियां देखी जा सकती हैं। मंदिर के गर्भगृह के आगे चार अलग-अलग आकृति के स्तंभ हैं। किशोर भार्गव का कहना है जब इस मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब बाकी मंदिरों के टूटे हुए स्तंभों को लाकर यहां लगाया गया है, इसी वजह से ये स्तंभ एक दूसरे से अलग हैं।

नाग-नागिन भी यहां आते हैं!

मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक कैलाश कुंड है। इस कुंड के बारे में बताया गया की कई संत यहां तपस्या कर चुके हैं। मंदिर के पास ही एक और छोटा कुंड है, जिसमें हमेशा पानी भरा रहता है। मान्यता है कि यहां नाग-नागिन का जोड़ा भी आता है। कुंड में स्नान करता है और चला जाता है। मंदिर के पास ही एक और झिरी है। पहले इस झिरी से निरंतर पानी बहते हुए जमीन के नीचे से निकलकर मंदिर के गर्भगृह में पहुंचता था और शिवलिंग का चक्कर लगाकर नीचे कुंड में समाहित हो जाता था, लेकिन अब यहां मकानों के निर्माण होने से यह झिरी बंद है।

खुदाई में निकलीं कई मूर्तियां

मंदिर समिति द्वारा जब यहां निर्माण कार्य के लिए खाली जमीन में खुदाई करवाई गई, तब यहां देवताओं की प्राचीन मूर्तियां भी निकलीं। इनमें गणेश, विष्णु, गौतम बुद्ध और नंदी की प्रतिमाएं शामिल हैं। यह मूर्तियां आज भी मंदिर परिसर में हैं। समिति सदस्यों का मानना है कि यहां खुदाई होती है तो और भी कई मूर्तियां मिलेंगी। बता दें कि पुरातत्व विभाग द्वारा इस मंदिर का सर्वे भी किया गया है। अति प्राचीन होने से मंदिर मध्यप्रदेश शासन के धर्मस्थ विभाग के अधीन है। खरगोन कलेक्टर मंदिर के संरक्षक हैं।

पूर्णिमा के साथ शुरू होगा अगस्त

मंगलवार, 1 अगस्त को सावन अधिक मास की पूर्णिमा है। ये पूर्णिमा दुर्लभ है, क्योंकि सावन महीने का अधिक मास 19 साल बाद आया है और इस महीने की पूर्णिमा पूजा-पाठ के लिहाज से बहुत शुभ रहेगी। इस दिन किए गए धर्म-कर्म से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और विचारों में सकारात्मकता बढ़ती है, ऐसी मान्यता है।

ये पूर्णिमा मंगलवार को रहेगी, इस कारण इस दिन हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ किया जा सकता है।

पूर्णिमा पर चंद्र देव को चढ़ाएं अर्घ्य

पूर्णिमा पर सुबह शिव जी के साथ ही चंद्र देव की पूजा करें। चंद्र देव की प्रतिमा न हो तो शिव जी के मस्तक पर विराजित चंद्र की पूजा करें। शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं। चंदन से तिलक लगाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल आदि शुभ चीजें चढ़ाएं। शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्र देव को जल और दूध से अर्घ्य दें। अर्घ्य चांदी के लोटे से देंगे तो बेहतर रहेगा। चांदी का लोटा न हो तो मिट्टी के छोटे कलश से अर्घ्य दे सकते हैं। इसके बाद चंद्र की पूजा करें।

सावन अधिक मास की पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम

इस पूर्णिमा पर किसी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। अभी बारिश का समय है तो नदी में स्नान करते समय सावधानी रखें। नदी में पानी ज्यादा हो तो घर पर ही पवित्र नदियों का ध्यान करते हुए स्नान कर सकते हैं। इसके लिए में पानी थोड़ा गंगाजल मिलाएं और स्नान करें।

अभी सावन अधिक मास चल रहा है तो इस माह में शिव जी, विष्णु जी और श्रीकृष्ण के मंदिरों में दर्शन और पूजन कर सकते हैं। अपने शहर के आसपास किसी पौराणिक महत्व वाले मंदिर में दर्शन करने जा सकते हैं। अगर किसी ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सके तो बहुत शुभ होगा।

श्रीकृष्ण की जन्म स्थली मथुरा-वृंदावन की यात्रा कर सकते हैं। द्वारका, पुरी, बद्रीनाथ जैसे विष्णु जी के मंदिर में दर्शन करने जा सकते हैं।

मंगलवार हनुमान जी का जन्म वार है। इसलिए इस दिन हनुमान जी की पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। हनुमान का सिंदूर और चमेली के तेल से श्रृंगार कर सकते हैं। हनुमान जी प्रतिमा को चोला चढ़वा सकते हैं। भगवान को मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और राम नाम का जप करें। सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें।

पूर्णिमा पर विष्णु जी और महालक्ष्मी का अभिषेक करना चाहिए। इस तिथि पर देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा करने की परंपरा है। लक्ष्मी पूजन विष्णु जी के साथ किया जाए तो भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं। ऐसी मान्यता है। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करें, इसके लिए केसर मिश्रित दूध का इस्तेमाल करना चाहिए। भगवान का तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। बाल गोपाल का गोमाता की मूर्ति के साथ अभिषेक करें। बाल **गोपाल का माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।**

पाना चाहते हैं सुख-समृद्धि, घर की इस दिशा में रखें कामधेनु की मूर्ति

कामधेनु मूर्ति रखने के फायदे

हिंदू धर्म में मान्यता है कि कामधेनु गाय इच्छाओं की पूर्ति करने वाली होती है। मान्यता के अनुसार, कामधेनु गाय की मूर्ति के दर्शन मात्र से सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है। कामधेनु गाय की मूर्ति व्यक्ति के मन से चिंताओं और तनाव को दूर करती है।

किस दिशा में रखें कामधेनु गए की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कामधेनु गाय की मूर्ति को घर की पूर्वोत्तर दिशा में रखना बेहद शुभ होता है। कामधेनु गाय की मूर्ति को आप अपने घर के मंदिर के पास भी रख सकते हैं, लेकिन कामधेनु गाय की मूर्ति घर में रखते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इसे ऐसी जगह पर रखा जाए जहां से यह सभी को आसानी से दिखाई दे।

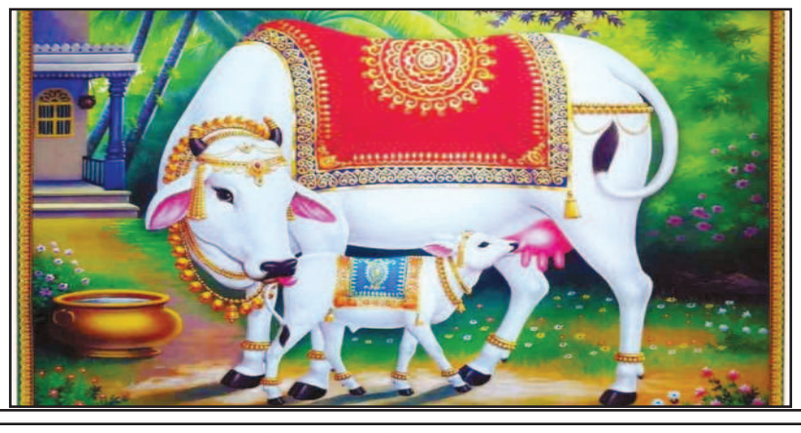

व्यापार-व्यवसाय में तरक्की के लिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, व्यापार में तरक्की और समृद्धि पाने के लिए कामधेनु गाय की मूर्ति को आप अपने कार्यालय में अपने बैठने के स्थान की दाएं या बाएं दिशा में रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने व्यवसाय स्थल पर धन रखने के स्थान पर भी कामधेनु की मूर्ति को रख सकते हैं।

इस स्थान पर न रखें मूर्ति

कामधेनु गाय को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है, इसलिए कामधेनु गाय की मूर्ति को कभी भी शौचालय के आसपास नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा कामधेनु गाय की मूर्ति को कांच के शोकेस में भी नहीं रखना चाहिए। इसे ऐसी जगह पर नहीं रखना चाहिए जहां किसी परछाई शीशे में दिखाई दे। इसके अलावा एक बात का और ध्यान रखा जाना चाहिए कि घर में केवल एक ही कामधेनु की मूर्ति या तस्वीर हो।

रॉकी-रानी के रोमांटिक सीन पर धर्मेंद्र का बयान : किसी को उम्मीद नहीं थी इसलिए इस सीन का इम्पैक्ट ज्यादा है

वेटरन एक्टर धर्मेंद्र हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए हैं। फिल्म में उनका और एक्ट्रेस शबाना आजमी का एक किसिंग सीन भी है। इन दिनों सोशल मीडिया पर इस सीन की काफी चर्चा हो रही है।

धर्मेंद्र ने की सीन पर बात

न्यूज 18 को दिए एक इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने इस पर बात की है। धर्मेंद्र ने कहा- 'सुना है कि मैंने और शबाना ने पब्लिक को सरप्राइज कर दिया है, साथ ही हमें सराहा भी गया है। मुझे लगता है कि लोग फिल्म में इस सीन को एक्सपेक्ट नहीं कर रहे थे इसलिए इसका इम्पैक्ट काफी गहरा हुआ। आखिरी बार मैंने 'लाइफ इन ए मेट्रो' में नफीसा अली को किस किया था। इसे भी पब्लिक ने एप्रीशिएट किया था।'

जबरदस्ती नहीं ठूंसा गया है सीन

सीन के बारे में बात करते हुए धर्मेंद्र ने आगे कहा, 'जब करण ने हमें यह सीन समझाया तो हम एक्साइटेड नहीं हुए। हमनें यह महसूस किया कि यह कुछ ऐसा है जिसकी इस फिल्म में डिमांड है। यह सीन फिल्म में जबरदस्ती नहीं ठूंसा गया है।

रोमांस की कोई एज नहीं होती

साथ ही मुझे लगता है कि रोमांस की कोई एज नहीं होती। दो लोग अपनी एज की परवाह किए बिना भी किस करके एक दूसरे के प्रति अपना प्यार जता सकते हैं। यह एक बहुत ही एस्थेटिक शॉट था और इसे फिल्माने में मुझे और शबाना को कोई तकलीफ नहीं हुई।'

करण, आलिया और रणवीर की तारीफ की

इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने फिल्म को फैंटास्टिक बताते हुए इसके डायरेक्टर करण जौहर को भी एप्रिशिएट किया। तारीफ करते हुए उन्होंने रणवीर को टैरेफिक एक्टर बताया, वहीं आलिया को नेचुरल एक्ट्रेस कहा। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने रिलीज के दो ही दिन में 27 करोड़ रुपए की कमाई की है। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ही इस फिल्म की सराहना कर रहे हैं।

आजादी के जश्न के मौके पर आईएफएफएम 2023 में तिरंगा फहराएंगी शबाना आजमी, एक्ट्रेस ने जताई खुशी

अभिनेत्री शबाना आजमी इन दिनों फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्हें लेकर एक और दिलचस्प खबर सामने आई है, जिससे सभी देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। शबाना आजमी इस साल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। बता दें कि इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) देश के बाहर भारतीय सिनेमा का एक बड़ा वार्षिक उत्सव है।

इस दिन फहराएंगी राष्ट्रीय ध्वज

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न इस साल 11 से 20 अगस्त तक चलेगा। फेस्टिवल के एक दिन शबाना आजमी तिरंगा फहराती नजर आएंगी। दिग्गज अदाकारा शबाना आजमी देश के स्वतंत्रता दिवस से तीन दिन पहले यानि 12 अगस्त की सुबह को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। भारत में सभी देशवासी जब स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के जश्न की तैयारियों में डूबे होंगे, तब शबाना आजमी विदेश में देश का झंडा बुलंद कर रही होंगी।

अभिनेत्री ने जताई अपनी खुशी

आईएफएफएम 2023 में तिरंगा फहराने को लेकर शबाना आजमी बेहद उत्साहित हैं। अपनी इस खुशी का इजहार करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुश हूं और खास मौके पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए मुझे चुना गया, इससे बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। आईएफएफएम ने लगातार भारतीय सिनेमा की विविधता और क्रिएटिविटी को प्रदर्शित किया है। एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनना खुशी की बात है, जहां हमारा सिनेमा वैश्विक दर्शकों के सामने पेश किया जाता है'।

'घूमर' फिल्म का होगा प्रीमियर

शबाना आजमी ने आगे कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के बीच अपने राष्ट्रीय तिरंगे को फहराने का मौका मिलना एक ऐसा अनुभव है, जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं उत्साहित हूं'। बता दें कि यह फेस्टिवल एक और वजह से भी बेहद खास है। इस बार भारतीय फिल्म 'घूमर' का इस फेस्टिवल में प्रीमियर होगा'। आर. बाल्की की इस फिल्म में अभिषेक बच्चन और सैयामि खेर लीड रोल में नजर आएंगे। अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी और अंगद बेदी भी फिल्म का हिस्सा हैं।

रैंप पर उतरीं अथिया शेट्टी, केएल राहुल बने चीयरलीडर

एक्ट्रेस अथिया शेट्टी हाल ही में रैंप वॉक पर उतरीं। एक्ट्रेस इंडिया कॉउचर वीक 2023 में फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना के लिए शोस्टॉपर बनीं। फैशन शो से अथिया के कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लुक में दिखाई दीं। खास बात ये रही कि अथिया के रैंप वॉक पर उनके पति-क्रिकेटर केएल राहुल ने रिएक्ट किया है।

राहुल ने पोस्ट कर तारीफ की

केएल राहुल ने अपनी वाइफ का रैंप पर चलते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए राहुल ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी शानदार पत्नी @athiyashetty।' अथिया ने राहुल कि इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम पर दोबारा पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया, 'माय होल हार्ट।'

पिता सुनील ने बताया देसी गीगी हदीद

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने भी अपनी बेटी की प्रशंसा की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अथिया का वीडियो पोस्ट किया है। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'देसी गीगी, बेला, कैंडल कहा है।

बैकलेस ड्रेस में दिखीं अथिया

इवेंट में अथिया क्रीम एंब्रॉयडरी बैकलेस ड्रेस में नजर आईं, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने बोल्ड लिपस्टिक और खूबसूरत ज्वेलरी के साथ कम्पलीट किया। उन्होंने अपने बालों का बन बनाया था, जो इस लुक को काफी शानदार बना रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस अथिया के इस लुक की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'इनका चेहरा एक मॉडल जैसा है।' वहीं दूसरे ने कमेंट करते हुए लिखा,' बेस्ट वॉक।'

बदबू मारते एक ही कॉस्ट्यूम में करवाते थे शूटिंग : जेनिफर मिस्त्री

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बीते काफी वक्त से विवादों में घिरा हुआ है। शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर कई तरह के आरोप लगाने के बाद एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने अब उनके प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। शो में रोशन भाभी का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस जेनिफर ने कहा कि शो की प्रोडक्शन टीम कभी उनके कॉस्ट्यूम्स तक नहीं धुलवाती थी। जेनिफर के मुताबिक कई एक्टर्स 20 दिनों तक बिना धुले एक ही कॉस्ट्यूम पहनने के लिए मजबूर थे।

चाइल्ड आर्टिस्ट खुद अरेंज करते थे अपने कॉस्ट्यूम

एक इंटरव्यू में जेनिफर ने कहा कि हम पूरे दिन एक ही कॉस्ट्यूम में शूट करते थे जिसमें से बदबू

आती थी। हम 20 दिनों तक सेम कॉस्ट्यूम पहनकर शूटिंग करते थे जिसे प्रोडक्शन हाउस वाले धुलवाते भी नहीं थे। कुछ चुनिंदा एक्टर्स थे जिनके कॉस्ट्यूम टीम धुलवाती थी पर बाकी कलाकारों को अपने कपड़े कुछ ही ड्राय करने पड़ते थे। सेट पर चाइल्ड आर्टिस्ट को तो कभी कॉस्ट्यूम दिए ही नहीं जाते थे। वो अपने कपड़े खुद ही अरेंज करते थे।

पानी और खाने के लिए भी जूझना पड़ता था

इतना ही नहीं जेनिफर ने इस इंटरव्यू में कुछ और खुलासे किए। उन्होंने कहा, 'सेट पर खाने और पानी जैसी बेसिक जरूरतों के लिए भी हमें परेशान होना पड़ता था। हमें सिर्फ इंतजार ही नहीं करना पड़ता था बल्कि कई बार एक पानी की बोतल के लिए भीख भी मांगनी पड़ती थी क्योंकि सेट पर कुछ ही बोतल अवेलेबल होती थीं।

बिस्किट का पैकेट भी सेट पर बड़ी मुश्किल से मिलता था। कई एपिसोड तो मैंने अपनी खुद की एसेसरीज पहनकर शूट किए हैं।'

कहते थे हमें एसी रूम देकर हम पर एहसान कर रहे हैं

वहीं सेट पर साफ-सफाई पर बात करते हुए जेनिफर ने कहा, 'जहां पूरी दुनिया कोविड प्रिकॉशंस ले रही थी वहीं हमारे शो के सेट पर एक्टर्स के लिए कोई प्रिकॉशन नहीं लिया गया। कंडीशन इतनी खराब थी कि हमें जो वैनिटी वैन दी गई थीं उनमें कॉकरोच घूमा करते थे।

हम इस सबकी शिकायत करते थे पर कौन सुनता है? हमें कहा जाता था कि हम फिलर्स है और प्रोडक्शन हमें एसी रूम देकर हम पर एहसान कर रहा है।'

इससे पहले जेनिफर ने शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगा चुकी हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि सालों से उनके साथ सेट पर बुरा बर्ताव किया जा रहा था। असित उन्हें बार-बार कमरे में बुलाते थे और आपत्तिजनक मैसेज भी भेजते थे। असित की हरकतों से परेशान होकर ही जेनिफर ने शो छोड़ दिया और फिर प्रोड्यूसर को लीगल नोटिस भेजा था।

करण जौहर पर फिर भड़कीं कंगना रणौत, फिल्मों की स्टार रेटिंग को लेकर कही यह बात

कंगना रणौत को बॉलीवुड की बेबाक क्वीन कहा जाता है। वह अक्सर कुछ न कुछ ऐसा कह जाती हैं, जिससे बवाल होना तय होता है। कंगना अक्सर नेपोटिज्म को लेकर बॉलीवुड पर निशाना साधती नजर आती हैं। कंगना करण जौहर पर हमेशा नेपोटिज्म को लेकर भी आरोप लगाती हैं। बीते दिन कंगना ने करण जौहर पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े बदलने का आरोप लगाया था। अब एकबार फिर कंगना ने करण जौहर का एक पुराना वीडियो साझा किया है और उसपर अपनी बात रखी है।

कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर करण जौहर का जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वह फिल्मों की स्टार रेटिंग के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को साझा करते हुए कंगना ने लिखा, मिस्टर जौहर आलोचकों की रेटिंग का यह उद्देश्य नहीं था। उनका उद्देश्य किसी फिल्म के प्रमाणिक मूल्य को बताना था जिससे कि दर्शक यह तय कर सकें कि उनको वह फिल्म देखनी है या फिर नहीं। कंगना ने आगे कहा, यह आपके लिए नहीं है कि आप प्राइज टैग लगाएं और वहां मौजूद हर एक स्टार को खरीद लें। और कृपया जान लें कि हर किसी को फिल्म रिलीज होने से पहले ही स्टार की शीट पाने का विशेषाधिकार नहीं मिलता है। हम जैसे लोग निष्पक्ष समीक्षा पाने के लिए संघर्ष करते हैं, क्योंकि मीडिया को डर है कि आप उन पर प्रतिबंध लगा देंगे। आपके पिता ने आपको एक पूरा साम्राज्य उपहार में दे दिया है, लेकिन हम जैसे लोग एक मीडियम बजट की फिल्म का निर्देशन करने के लिए जीरो से शुरू करते हैं। यहां तक कि पिछले निर्देशन की तरह ब्लॉकबस्टर देने के बाद भी एक मध्यम बजट की फिल्म का निर्देशन करने के लिए अपने घरों को गिरवी रख देते हैं।

कंगना ने आगे लिखा, 'तो कृपया समझें कि आपके विशेषाधिकारों और गलत कार्यों का इस तरह बेशर्मी से प्रदर्शन करना आपको बुरा बनाता है।' बता दें कि कंगना रणौत ने इस पोस्ट के जरिए करण जौहर को जमकर लताड़ लगाई है। बता दें कि बीते दिन भी कंगना ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें करण जौहर बॉक्स ऑफिस के फैसले में हेरफेर के बारे में बात कर रहे हैं। अभिनेत्री ने वीडियो शेयर करने के साथ ही निर्देशक पर तंज भी कसा है।

कंगना ने अपने ट्विटर हैंडल पर करण जौहर का वह एडिटेड वीडियो साझा किया। वीडियो देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि फिल्म निर्माता चर्चा कर रहे हैं कि वह बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में हेरफेर कर सकते हैं और पीआर की मदद से फिल्म के फैसले को कैसे बदला जा सकता है। इसपर कंगना ने लिखा, 'धन्य हैं आप करण जौहर जी। भगवान इस फिल्म इंडस्ट्री को आपसे बचाए।'

नोरा को मिली थी पॉपुलर एक्टर को डेट करने की सलाह? बॉलीवुड पीआर को लेकर एक्ट्रेस का बड़ा खुलासा

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बॉलीवुड में अपने लिए खास जगह बनाई है। इसके अलावा उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया है। मुख्य रूप से नोरा अपने डांस के लिए जानी जाती हैं। फिल्म 'सत्यमेव जयते' में अपने 'दिलबर' गाने से उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। एक्ट्रेस ने फिल्म 'रोअरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' (2014) के जरिए हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। इसके अलावा पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस के 9वें सीजन का हिस्सा भी रह चुकी हैं।

एक्ट्रेस अपने शानदार डांस मूव्स और खूबसूरती से फैंस को दीवाना बना लेती हैं। नोरा कई हिट गानों और म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं, जिसे देखने के बाद दर्शक उनकी हर अदा पर अपना दिल हार बैठे। जहां एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। तो वहीं, दूसरी तरफ एक्ट्रेस ने बॉलीवुड पीआर को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

एक मीडिया संस्थान से बातचीत करने के दौरान उन्होंने कहा, "एक बात जो मुझे लगातार बताई गई है वह यह है कि, आप जानते हैं, लोगों को डेट करना चाहिए, विशिष्ट लोगों और प्रसिद्ध अभिनेताओं को डेट करना चाहिए और पीआर के लिए डेट करना चाहिए। मैंने उनमें से किसी की भी बात नहीं सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने किया था। मैं नियम बनाती हूं और अपनी शर्तों पर काम करती हूं। सफलता मेरे पास किसी दूसरे शख्स या किसी पॉपुलर एक्टर की वजह से नहीं है।

नोरा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस इंटरव्यू को देखने के

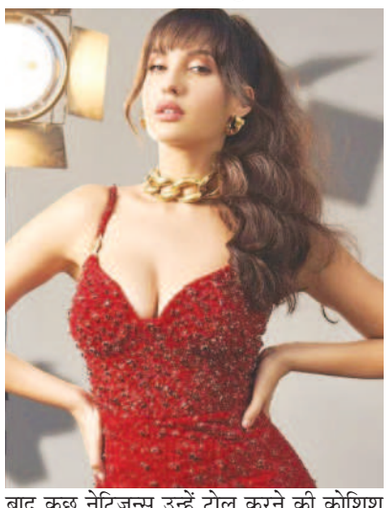

बाद कुछ नेटिजन्स उन्हें ट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं, तो वहीं कुछ उनके सपोर्ट में भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा, उसने अभिनेता को डेट नहीं किया बल्कि सीधे मालिक के पास चली गई, जबकि दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, ₹वह सही हैं और वह बहुत लंबा सफर तय कर चुकी हैं। एक तीसरे यूजर ने लिखा, ₹केवल अंगद बेदी को डेट किया, हाहा और अब सुकेश के बाद शादीशूदा भूषण कुमार के पास पहुंच गई हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा फतेही को आखिरी बार आयुष्मान खुराना की फिल्म 'एन एक्शन हीरो' में देखा गया था। उन्होंने 'जेहदा नशा' गाने में एक छोटा सा रोल प्ले किया था। इसके अलावा एक्ट्रेस अपकमिंग फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आएंगी।

रणवीर सिंह ने बताया फिल्म के सेट पर कैसा था जया बच्चन का व्यवहार, कहा- एक्ट्रेस को देख लोग हो जाते थे अलर्ट

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपनी नई फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब उन्होंने फिल्म में काम करने के पलों को याद किया है। उन्होंने कहा कि वह दोस्तों के साथ मिलकर एक ऐसी फिल्म बनाना चाहते थे, जिस पर सभी विश्वास करते हों। अभिनेता ने कहा कि वह अपने उद्देश्य में कामयाब हुए हैं और उन्होंने ऐसे रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म बनाई है, जिसे कलाकारों के साथ-साथ फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं।

धर्मा प्रोडक्शन के जरिए पोस्ट किए गए 'मेकिंग ऑफ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के वीडियो में रणवीर सिंह ने कहा कि उन्होंने दिग्गजों के साथ शूटिंग में मजेदार समय बिताया। धरम जी बिल्कुल प्यारे हैं। वह जमीन से जुड़े हुए सुपरस्टार हैं। जया जी के पास वह अधिकार है कि जब वह सेट पर आती हैं तो हर कोई सतर्क और चौकन्ना हो जाता है। वहीं, आलिया भट्ट ने जया बच्चन को 'टीम प्लेयर' कहा और बताया कि वह लगातार फिल्म की बेहतरी के लिए काम करती हैं। जया बच्चन के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए आलिया ने कहा कि आपको वास्तव में कुछ करने की जरूरत नहीं है, आपको बस उन्हें जवाब देना है, क्योंकि पर बहुत अच्छी हैं और सब संभाल लेती हैं।

रणवीर सिंह ने पहली बार करण जौहर के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता को इतनी अच्छी सकारात्मक ऊर्जा मिली है कि वह मनोरंजन सिनेमा को जीते हैं। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि वह ऐसा कैसे करते हैं। अगर, आप उससे पूछें कि फिल्म में काम करना कैसा रहा तो मैं आपको बताऊंगा कि यह सबसे मजेदार था, जैसे कि दोस्तों के साथ मिलकर एक फिल्म बनाना हो।

आलिया भट्ट ने कहा कि मैं करण जौहर की फिल्म करने के लिए उत्साहित थी। वह भारतीय सिनेमा के अब तक के सबसे महान निर्देशकों में से एक हैं और करण के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह फीडबैक और सहयोग के प्रति बहुत सहनशील और अच्छे हैं। आलिया भट्ट इससे पहले करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में मुख्य भूमिका निभा चुकी हैं।

वहीं, बात करें 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के बारे में तो यह फिल्म 28 जुलाई

को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। वहीं समीक्षकों के जरिए फिल्म की कहानी और कलाकारों के प्रदर्शन को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया है। यह फिल्म निर्देशक की कुर्सी पर सात साल बाद उनकी वापसी का प्रतीक है। फिल्म में रणवीर, आलिया के साथ जया बच्चन, धर्मेंद्र और शबाना आजमी ने भी मुख्य भूमिका निभाई है।

चाय, बिस्किट और नमकीन मिनटों में बढ़ाए ब्लड शुगर

चाय-बिस्किट, नमकीन। सुबह के नाश्ते में कुछ मिले या न मिले लोग इसे लेना जरूर पसंद करते हैं। वैसे भी कहते हैं कि सुबह खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी होती है, इसलिए चाय के साथ कुछ जरूर लें।

चाहे वो बिस्किट हो या नमकीन। गर्म चाय की प्याली में भिगोई बिस्किट मुंह में जाते ही घुल जाती है, लेकिन इसमें मौजूद शुगर आपके ब्लड ग्लूकोज लेवल को बढ़ा देती है।

दिलचस्प यह है कि डायबिटीज के मरीज शुगर फ्री बिस्किट खाकर निश्चिंत रहते हैं कि उनका ब्लड शुगर नहीं बढ़ेगा। हकीकत में यह सही नहीं है। चाय में बिस्किट डुबोकर खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है।

जानते हैं किन चीजों के खाने से ब्लड शुगर बढ़ रहा और कैसे एहतियात बरतने की जरूरत है।

शुगर फ्री से ब्लड ग्लूकोज लेवल बढ़ता है

पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ. बताते हैं कि बिस्किट को मीठा बनाने के लिए अगर फ्री शुगर का इस्तेमाल किया जाता है तो भी इससे ब्लड ग्लूकोज लेवल बढ़ता है।

डायबिटीज फ्रेंडली या शुगर फ्री बिस्किट के इन्ग्रेडिएंट्स क्या हैं, कितनी मात्रा में इसे यूज किया जा रहा है, इसी के आधार पर ब्लड ग्लूकोज बढ़ता है। जरूरी ये है कि बिस्किट के पैकेट पर लिखे लेबल को ध्यान से पढ़ें और इसी के अनुसार अपनी डाइट में शामिल करें।

कम फैट वाले स्नैक्स में होती है शुगर

आप उन बिस्किट और स्नैक्स को खाना चाहते हैं जिन पर 'नो एडेड शुगर्स', 'नो एडेड फ्लेवर्स', 'नो एडेड प्रिजर्वेटिव्स' लिखे रहते हैं। लेकिन वास्तव में इनमें शुगर छुपी रहती है। जैसे 'कॉर्न स्टार्च' भी एक तरह की शुगर है जिससे सेहत को नुकसान होता है।

पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ. बताते हैं कि बिस्किट या स्नैक्स के रैपर पर लेबल में कोई इंग्रेडिएंट 'ose' होता है तो यह शुगर है।

जैसे डेक्स्ट्रोज, लैक्टोज, फ्रक्टोज, ग्लूकोज।

खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं जिनमें फैट तो कम होती है लेकिन उनमें शुगर छुपी होती है ताकि टेस्ट बढ़ाया जा सके।

खबर में आगे बढ़ने से पहले एक पोल में अपनी राय देते चलें-

आर्टिफिशियल स्वीटनर का भी इस्तेमाल होता है

शुगर फ्री बिस्किट में भी आर्टिफिशियल स्वीटनर होता है। डाइटिशियन डॉ. विजयश्री प्रसाद बताती हैं कि आर्टिफिशियल स्वीटनर दो तरह की होते हैं एक कैलोरी वाला और दूसरा जिनमें कैलोरी नहीं होती।

अधिकतर लोग यही समझते हैं कि शुगर फ्री मिठाई या शुगर फ्री बिस्किट उनके लिए सेफ है।

जबकि अधिकतर शुगर फ्री मिठाइयों और बिस्किट्स में ऐसे स्वीटनर यूज किए जाते हैं जिनसे कैलोरी बढ़ती है। इनमें अलग से फैट भी जोड़ा जाता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने कहा है कि एस्पॉर्टम और स्टीविया जैसी नॉन शुगर स्वीटनर्स से वजन नहीं घटता और टाइप-2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा रहता है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर्स से मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी होती है।

बिस्किट में मैदा, ब्लड ग्लूकोज लेवल बढ़ेगा

डॉ. ने बताया कि ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए डाइट फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर होनी चाहिए।

किसी भी तरह की बिस्किट (शुगर फ्री ही क्यों न हो) मैदे से ही बनती है। इसमें फाइबर नहीं होता। इसके कारण कब्ज होता है। नतीजा ब्लड ग्लूकोज लेवल बढ़ता है।

दरअसल, बाजार में मिल रहे रेडीमेड फूड या प्रोसेस्ड फूड में मैदा की मात्रा अधिक होती है जो सेहत को खराब करती है।

डॉ. बताते हैं कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) फ्रंट ऑफ पैकेजिंग लेबलिंग की बात कर रहा है। इसके लागू होने से खाने-पीने के पैकेट पर फ्रंट में ही लिखा रहेगा कि इसमें कितनी शुगर है या कितना फैट मिलाया गया है।

डायबिटीज मरीजों को क्यों किसी तरह का बिस्किट नहीं खाना चाहिए

बिस्किट में बहुत अधिक कैलोरी होती है। एक सामान्य बिस्किट खाने से 40 कैलोरी

मिलती है जबकि क्रीम बिस्किट में 120 से 160 कैलोरी।

बिस्किट में कई तरह के प्रिजर्वेटिव्स, एमलस्फायर, कलर मिलाए जाते हैं। डॉ. गोयल बताते हैं कि हाई शुगर, हाई फैट और हाई सॉल्ट, ये तीनों बेहद खतरनाक हैं।

बिस्किट में सॉल्ट और शुगर की मात्रा अधिक होती है। नमक अधिक होने से ब्लोटिंग, शरीर में सूजन, ब्लड प्रेशर बढ़ना, वजन बढ़ना जैसी शिकायतें होती हैं।

कुकीज में ट्रांस फैट होते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

बाजार में मिल रहे प्रोसेस्ड फूड में ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है। एक ही तेल का कई बार इस्तेमाल किया जाता है जिससे ट्रांस फैट बनता है।

बाजार में मिल रहे प्रोसेस्ड फूड में ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है। एक ही तेल का कई बार इस्तेमाल किया जाता है जिससे ट्रांस फैट बनता है।

मखाना और भुना हुआ चना खाएं, स्वस्थ रहेंगे

डायबिटीज के मरीज ही नहीं, सामान्य लोगों को भी संतुलित भोजन करना चाहिए।

यानी 50-60 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 20-30 प्रतिशत प्रोटीन और 20-30 प्रतिशत ही फैट होना चाहिए।

वैसा खाना लें जिसमें प्रोटीन, फैट, मिनरल्स, विटामिंस हों और उन्हें संतुलित मात्रा में लिया जाए। प्रोटीन के लिए दालें लेनी चाहिए। कार्बोहाइड्रेट के लिए अनाज, मिनरल्स और विटामिंस के लिए फल।

मखाना और भुना चना किसी भी रेडीमेड स्नैक्स से बेहतर है। इनमें किसी तरह का ऑयल नहीं होता। न ही इनमें कोई प्रिजर्वेटिव और फ्लेवर मिलाया जाता है।

इसी तरह अलसी, तिल के बीज को भूनकर खाया जा सकता है।

ऑफिस में अक्सर आती रहती है नींद ये किसी बीमारी का संकेत तो नहीं?

क्या आप भी ऑफिस में अक्सर झपकी या नींद आने की समस्या से परेशान रहते हैं? अगर हां तो ऐसे आप अकेले नहीं हैं। अमेरिका में एक कर्मचारी-आधारित स्वास्थ्य संस्थान ने 1,139 कर्मचारियों पर एक अध्ययन किया जिसमें पाया गया कि कम से कम 15% लोग इस समस्या से परेशान हैं।

ऑफिस में नींद आते रहना न सिर्फ सामाजिक झेप का कारण बनती है साथ ही इससे आपकी उत्पादकता पर भी असर हो सकता है। पर आखिर ऑफिस टाइम में नींद आने के क्या कारण हो सकते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, दिन में या ऑफिस में नींद आने का प्रमुख कारण आपकी रात की नींद पूरी न होने को माना जाता है। यदि आप रात में 6-8 घंटे की नींद नहीं ले रहे हैं या फिर नींद बार-बार टूट जाती है तो इसके कारण आप दिन में भी नींद महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी ये दिक्कत हो सकती है। आइए

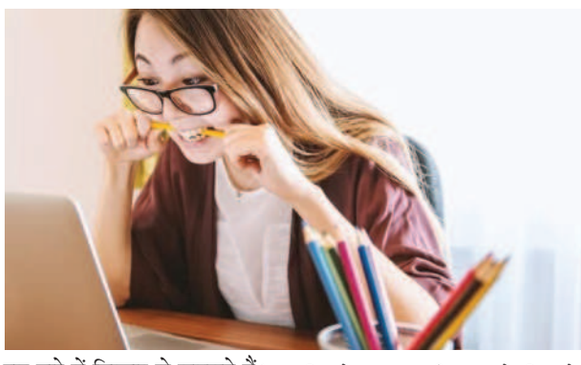

इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

कुछ रोगों के कारण हो सकती है ये दिक्कत

स्लीप फाउंडेशन में प्रकाशित एक मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया है कि कुछ बीमारियों के कारण भी आप दिन के समय में अधिक नींद आने या बार-बार झपकी आने का अनुभव कर सकते हैं। कुछ मेडिकल कंडिशन और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकारों को इसका कारण माना जा सकता है।

अवसाद-चिंता, सिजोफ्रेनिया, ल्यूपस, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस और हाइपोथायरायडिज्म जैसी समस्याएं हैं जो आपमें इस रोग के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग

न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर जैसे नार्कोलेप्सी एक ऐसी समस्या है जिसके कारण भी आपको दिन के समय नींद आने की दिक्कत महसूस हो सकती है। नार्कोलेप्सी में हमारा मस्तिष्क सोने-जागने के चक्र को ठीक से नियंत्रित नहीं कर पाता है। यही कारण है कि नार्कोलेप्सी की समस्या वाले लोगों को अधिक या असमय नींद आती रहती है। इसके अलावा अधिक उम्र वाले लोगों में डिमेंशिया या पार्किंसंस रोगों के कारण भी दिन में अधिक नींद आने की समस्या हो सकती है।

आहार में गड़बड़ी भी हो सकती है इसक कारण

यदि आप दिन में बार-बार नींद आने की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसका एक कारण दोपहर में हैवी लंच लेना भी हो सकता है। मीठे स्नैक्स, सोडा, व्हाइट ब्रेड और चावल जैसे कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें खाने से भी आपको अधिक नींद आती है। अपनी ऊर्जा बरकरार रखने के लिए दोपहर का खाना हल्का खाएं। स्वस्थ और पौष्टक चीजों से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहेगा साथ ही आपकी ऊर्जा का स्तर ठीक रहेगा और नींद भी कम आएगी।

नींद को भगाने के लिए क्या करें?

ऑफिस में यदि बार-बार नींद आती है तो इससे छुटकारा पाने के लिए हल्की मात्रा में कैफीन वाली चीजों का सेवन कर सकते हैं। कैफीन एक उत्तेजक है, जिसका अर्थ है कि यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र में गतिविधि बढ़ाता है। कॉफी-चाय से नींद को दूर भागती है। इसके अलावा बहुत देर तक एक ही स्थान पर बैठे रहने से भी अधिक नींद आती है। समय-समय पर अपनी जगह से उठने और इधर-उधर घूमने से रक्त का प्रवाह बढ़ता होता है और शरीर की सुस्ती दूर होती है।

नसों को मजबूत बनाना है तो आहार में शामिल करिए ये चीजें, कई बीमारियां भी होंगी दूर

नसों में कमजोरी की समस्या पूरे शरीर में रक्त के संचार को प्रभावित करने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को इसे स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने की आवश्यकता है। कई ऐसी स्थितियां हैं, जो आपके नसों में कमजोरी का कारण बन सकती हैं। दुर्घटना, गिरने या खेल में चोट के कारण नसों में खिंचाव या क्षति हो सकती है। इसके अलावा कुछ चिकित्सीय स्थितियां जैसे मधुमेह, गुइलेन-बैरी सिंड्रोम और कार्पल टनल सिंड्रोम के कारण भी नसों में कमजोरी या इससे संबंधित समस्याओं के बढ़ने का खतरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नसों को मजबूत बनाने के लिए लाइफस्टाइल और आहार को ठीक रखना बहुत आवश्यक होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर आप ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन करते हैं तो यह नसों की मजबूती के लिए काफी लाभकारी हो सकता है।

आहार के माध्यम से आसानी से इस पोषक तत्व की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है।

ओमेगा-3 से मजबूत होती हैं नसें

ओमेगा-3 हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से लाभकारी हो सकता है, इसको जानने के लिए किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि यह नसों की समस्याओं को कम करने में आपके लिए लाभकारी हो सकता है। वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि ओमेगा-3 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड स्वस्थ तंत्रिकाओं के

विकास और रखरखाव में सहायक है, नसों को मजबूत बनाने के लिए इसका सेवन किया जाना लाभकारी है।

आहार में कुछ चीजों को शामिल करके आसानी से इस पोषक तत्व की पूर्ति की जा सकती है।

चिया और फ्लेक्स सीड्स

ओमेगा-3 फैटी एसिड प्राप्त करने के लिए आहार में कुछ प्रकार के सीड्स को शामिल करना विशेष लाभकारी हो सकती है, इसमें चिया और फ्लेक्स सीड्स प्रमुख हैं। चिया सीड्स को फाइबर की पूर्ति के लिए जाना जाता है, यह ओमेगा-3 के लिए भी फायदेमंद है। इसी तरह से अलसी के बीज अल्फा लिनोलेनिक एसिड का उत्कृष्ट स्रोत हैं। अपने आहार में अलसी के बीज शामिल करने से पाचन स्वास्थ्य में सुधार, हृदय रोग के जोखिम को कम करने और त्वचा-बालों को स्वस्थ रखने में भी मदद मिल सकती है।

अखरोट भी सेहत के लिए लाभकारी

अखरोट बहुत पौष्टिक होने के साथ और फाइबर-ओमेगा-3 से भरपूर होता है। इनमें बड़ी मात्रा में कॉपर, मैंगनीज और विटामिन-ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट को मस्तिष्क और हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने वाला भी पाया गया है। दैनिक आहार में अखरोट को शामिल करके शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत में सुधार किया जा सकता है।

सोयाबीन से मिल सकता है लाभ

सोयाबीन फाइबर और वनस्पति प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इससे शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 की भी मात्रा प्राप्त की जा सकती है। सोयाबीन, राइबोफ्लेविन, फोलेट, विटामिन के, मैग्नीशियम और पोटेशियम सहित अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत हैं। नसों को स्वस्थ रखने के लिए सोयाबीन के सेवन से लाभ मिल सकता है।

संक्रामक रोगों का जोखिम कम करने के लिए सुबह उठते ही करें ये काम, इम्युनिटी भी होगी मजबूत

बरसात के दिनों में वातावरण में नमी की स्थिति, कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने के लिए सबसे अनुकूल हो सकती

है। यही कारण है इस मौसम में संक्रामक बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है। डॉक्टर कहते हैं, संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जरूरी है कि आप उन उपायों पर ध्यान दें जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हों। इम्युनिटी को मजबूत करना सतत प्रक्रिया है जिसके लिए आपको निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिन की शुरुआत के कुछ उपाय न सिर्फ आपको कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाने में लाभकारी हो सकते हैं, साथ ही इससे प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। गुनगुने पानी का सेवन करना ऐसा ही एक अति प्रभावी उपाय माना जाता रहा है।

सुबह गुनगुना पानी पीने से मिलता है लाभ

बरसात के दिनों में फ्लू का संक्रमण होना काफी सामान्य है, ऐसे में रोजाना गुनगुना पानी पीने से श्वसन संक्रमण को रोका जा सकता है। गुनगुना पानी पीने को वजन घटाने के साथ सामान्य खांसी, सर्दी और संक्रमण को ठीक करने के लिए भी लाभकारी पाया गया है।

आपके शरीर की प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में भी गुनगुने पानी का सेवन करना लाभकारी माना जाता है। नियमित रूप से गुनगुना पानी पीने को त्वचा और पाचन की समस्याओं को दूर करने के लिए भी लाभकारी पाया गया है।

बंद नाक की समस्या होगी ठीक

फ्लू के संक्रमण में नाक बंद होने की समस्या काफी सामान्य मानी जाती है, गर्म पानी पीने से इसमें आपको विशेष लाभ मिल सकता है। गर्म पानी पीने के साथ इसकी हल्की भाप में गहरी सांस लेने से बंद साइनस की समस्या से भी आराम मिलता है। 2008 के एक अध्ययन के अनुसार, गर्म पेय से बहती नाक, खांसी, गले में खराश और थकान से त्वरित, स्थायी राहत मिलती है।

पाचन में मिल सकती है सहायता

बरसात के दिनों में पाचन से संबंधित समस्याओं का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है, गर्म पानी पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। जैसे ही पानी आपके पेट और आंतों से होकर गुजरता है, शरीर को अपशिष्टों को बेहतर ढंग से बाहर निकालने में मदद मिलती है। गर्म पानी पीना पाचन तंत्र को सक्रिय करने, मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और पेट की अन्य दिक्कतों को ठीक करने में भी सहायक हो सकता है।

दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है?

प्रश्न : मुझे पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है। एलोपैथिक दवाओं से बुखार नहीं जा रहा है। शरीर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रभा राव, वरंगल

उत्तर : लंबे समय तक हल्का ज्वर बना रहना आंत्रिक ज्वर, राजयक्ष्मा, नाड़ी ज्वर, धातुगत ज्वर आदि के लक्षण है। इसलिए पहले निश्चयात्मक निदान आवश्यक है । रोग का निदान हो जाने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। वैसे पुराने ज्वरों में ऊंझा ब्राम्ही स्वर्ण वटी, वसंत मालती रस एवं औरा गिलोय घनवटी को सुबह शाम गुनगुने पानी से देवें। हल्के भोजन के बाद ऊंझा अमृतारिष्ट 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिलाएं। ऊंझा संशमनी वटी, तुलसी घनवटी एवं स्वर्ण मालिनी वसंत रस भी दिया जा सकता है। यह चिकित्सा क्रम कम से कम एक मंडल (40 दिन) देवें। पुराने से पुराने ज्वर भी अवश्य शांत होगा।

प्रश्नः मेरी उम्र 56 वर्ष है। जब भी हाथ पैर में दर्द होता है सीधे मेडिकल हाल से काम्बिफ्लाम टिकिया ले लेता हूं। महीने में 15-20 गोलियां लेनी ही पड़ती है। क्या मुझे चिकित्सक को दिखाना चाहिए?

- हिम्मत राम वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : अपनी मर्जी से दवाई लेने की आदत बुरी है ,गलत है। इसकी वजह से कभी-कभी लेने के देने भी पड़ सकते हैं। एक सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि 52% भारतीय बिना चिकित्सकीय सलाह के अपनी मर्जी से दवाई खाते हैं। अपनी इस आदत के चलते कभी लिवर डैमेज, स्ट्रोक, अल्सर , डायरिया, एलर्जी और यहां तक कि किडनी फेल होने तक की समस्या आ सकती है। सभी एलोपैथिक दवाएं विभिन्न केमिकल से बनी होती है, जिनके मात्रा में लेने पर अच्छे असर होते हैं और वही बेहिसाब लेते रहने से यह बेहद हानिकारक और कभी-कभी प्राणघातक भी बन जाते हैं। दवा विक्रेता डॉक्टर या वैद्य नहीं होता। दवा की बारीकियों की उसको पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे व्यक्ति की सलाह नीम हकीम- खतरे जानर ही साबित होती है। हिंदुस्तान में सबसे सरल काम बन गया है राय देना, सलाह देना। हर व्यक्ति स्वयं को किसी एक्सपर्ट या विशेषज्ञ से कम नहीं समझता। राय चंदों की राय बिना दिमाग के प्रयोग करने पर हम कभी भी बड़े खतरे में पड़ सकते हैं । इंटरनेट

देखकर या गूगल कर केवल लक्षणों को मिलाकर दवा लेना मौत से खेलने के बराबर है। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप self-medication ना कर अच्छे वैद्य या चिकित्सक से अपनी पूरी जांच करवाएं। और अपने वैद्य की सलाह पर ही दवा का सेवन करें ।यदि आपका वैद्य परहेज बताता है तो उसका पालन करना हमेशा आपके हित में ही रहेगा। अपने अनमोल शरीर से खेले नहीं। आपका यह खिलवाड़ जाने -अनजाने में काफी महंगा सौदा साबित हो सकता है । अब जाग जाए। अपने भरोसेमंद परिवार के वैद्य से जांच करवा कर ही औषधि का सेवन करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 22 वर्ष है। मुझे टाइप टू डायबिटीज है। मेरी शादी होने वाली है। मुझे किन बातों का ध्यान रखना होगा, कृपा कर बताएं।-

अभिनव शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : टाइप टू डायबिटीज काफी हद तक जीवनशैली में सुधार कर काबू में लाई जा सकती है । हर रोज सुबह व्यायाम करें। प्रातः पैदल घूमने -फिरने की आदत डालें। खानपान में शक्कर, गुड़, मिठाइयां, तले पदार्थ और मीठे फल पर रोक लगाएं । मधुमेह नियंत्रण के लिए ऊंझा जांब्रोस टिकिया एवं ऊंझा चंद्रप्रभा वटी को दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। यदि वजन बढ़ा हुआ है तब भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर वटी गर्म पानी से लेवें। अपना वजन कम करें। रक्त शर्करा की समय-समय पर जांच करवाएं। हमेशा गरिष्ठ भोजन से बचें। भरपेट भोजन ना करें। करेला, भिंडी, शिमला मिर्च, गवार फली, व मेथी के सभी भेद एवं सभी क्षारीय सब्जियों का प्रयोग करें। कंदमूल ना खाएं। केवल चावल का प्रयोग ना करें। खाना ही हो तो ब्राउन राइस, ब्लैक राइस या अनपॉलिश्ड राइस ले सकते हैं। चिंता, तनाव व क्रोध से बचें। चिंता बढ़ने पर मधुमेह बढ़ जाता है। दवाएं बेअसर होने लगती है। इसी कारण स्ट्रेसफुल लाइफ त्यागे। हमेशा जिंदा दिल और खुशमिजाज रहे। हां- शादी अवश्य करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

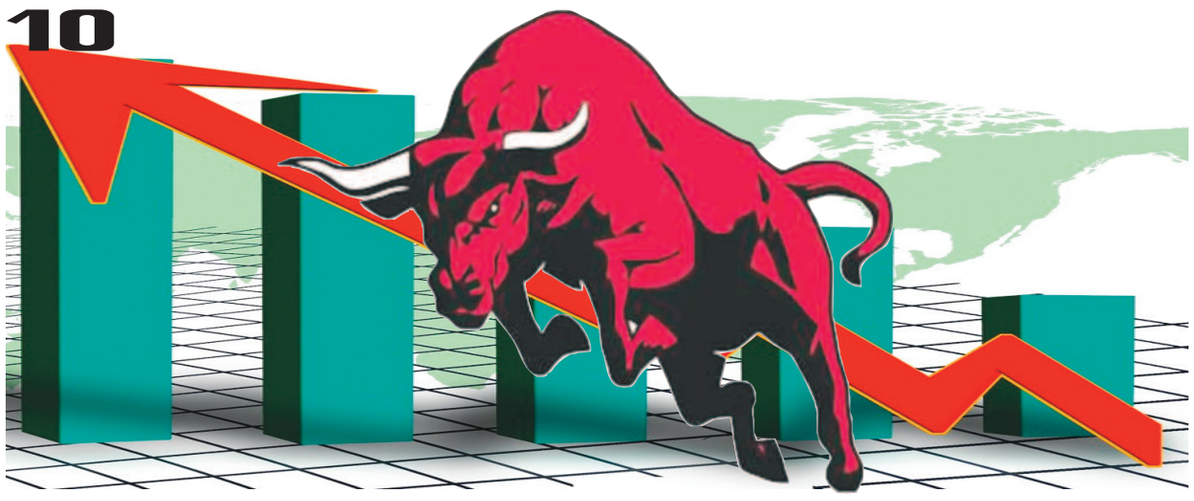

लोकसभा में आएगा कस्टम्स टैरिफ एक्ट में बदलाव का प्रस्ताव

वित्त मंत्रालय ने एलपीजी पर कस्टम ड्यूटी 5% से बढ़ाकर 15% करने का नोटिफिकेशन जारी किया था

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज लोकसभा में कस्टम्स टैरिफ एक्ट की पहली अनुसूची में संशोधन के लिए प्रस्ताव पेश करेंगी। लिक्विड पेट्रोलियम गैस , प्रोपेन और ब्यूटेन पर आयात शुल्क बढ़ाने के लिए यह प्रस्ताव पेश किया जा रहा है। इस बदलाव को लेकर फाइनेंस मिनिस्ट्री ने 30 जून को नोटिफिकेशन जारी किया था। सरकार ने नोटिफिकेशन में कहा था- एलपीजी सिलेंडर पर कस्टम ड्यूटी 5% से बढ़ाकर 15% की जा रही है। इसके ऊपर 15% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस भी लगेगा। हालांकि, सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान

पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को आयात पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई थी। उनके लिए ये निल है। सरकार के इस कदम का मकसद डोमेस्टिक कंज्यूमर्स को प्रोटेक्ट करने के साथ इंपोर्ट बिल कम करना है। ऐसे में सरकारी कंपनी के उपभोक्ताओं पर इसका असर नहीं होगा। आखिरी बार घरेलू सिलेंडर के दाम 1 मार्च 2023 को 50 रुपए बढ़े थे। दिल्ली में इसकी कीमत 1103 रुपए, मुंबई में 1102.50 रुपए और कोलकाता में 1129 रुपए है।

वित्त वर्ष 2022-23 में 153.50 रुपए बढ़े दाम

पिछले वित्त वर्ष में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कुल 4 बार बदलाव हुआ है। दिल्ली में दाम 949.50 रुपए से बढ़कर 1003 रुपए हो गए हैं। 7 मई को 2022 को दाम 50 रुपए बढ़ाए थे जिससे ये 949.50 रुपए से बढ़कर 999.50 रुपए पर पहुंच गए थे। 19 मई 2022 को फिर से दामों में 2.50 रुपए का इजाफा किया गया। इसके बाद कीमत 1003 रुपए हो गई थी। 6 जुलाई 2022 को एलपीजी कीमतें 50 रुपए बढ़ाई गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद दाम 1053 रुपए हो गए थे। 1 मार्च 2023 को दाम फिर से 50 रुपए बढ़ाए गए, जिससे सिलेंडर की कीमत 1103 रुपए हो गई थी।

जून 2020 से एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी बंद

जून, 2020 से एलपीजी सिलेंडर पर ज्यादातर लोगों को सब्सिडी नहीं मिल रही है। अब केवल उज्जवला योजना के तहत जिन्हें सिलेंडर दिए गए हैं, उन्हें 200 रुपए की सब्सिडी मिलती है। इसके लिए सरकार करीब 6,100 करोड़ रुपए खर्च करती है। दिल्ली में जून 2020 में बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 593 रुपए में मिलता था, जो अब बढ़कर 1103 रुपए का हो चुका है।

महंगे नहीं होंगे लोन और न ही बढ़ेगी ईएमआई

आरबीआई के कंफर्ट जोन में महंगाई, 6.50% पर ही बनी रह सकती है ब्याज दर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक अपकमिंग मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू मीटिंग में प्रमुख ब्याज दरों (रेपो रेट) पर यथास्थिति बनाए रख सकती है। यानी रेपो रेट 6.50% रहने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के बेंचमार्क दरों में बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के कंफर्ट जोन में बनी हुई है। यह लगातार तीसरी बार होगा जब आरबीआई दरों में बदलाव नहीं करेगी। आरबीआई ने फरवरी से दर को 6.5% पर बरकरार रखा है, तब इसे 6.25% से 0.25 पॉइंट बढ़ाया गया था। इसके बाद अप्रैल और जून में पिछली दो मीटिंग में ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी अगली मीटिंग में 8-10 अगस्त को होगी। इसमें लिए गए नीतिगत फैसलों की घोषणा 10 अगस्त को आरबीआई गवर्नर करेंगे।

अमेरिका और यूरोप में बढ़ी ब्याज दरें

पिछले हफ्ते अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.25-5.50% कर दी, जिससे यह कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने गुरुवार को एक चौथाई प्रतिशत अंक की नई दर वृद्धि की घोषणा की, जिससे उसकी रेपो रेट 3.75% हो गई है।

एक्सपर्ट कमेंट्स

मुद्रास्फीति कम चलने से ब्याज दर में बदलाव की उम्मीद कम : बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'मुद्रास्फीति इस समय 5% से कम चल रही है। इस कारण उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। हालांकि, आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने के साथ मुद्रास्फीति में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।'2 हजार के नोट वापस लेने से स्थिति अनुकूल : कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, 'चूंकि 2 हजार रुपए के नोट को वापस लेने की घोषणा के बाद नकदी की स्थिति अनुकूल हो गई है, इसलिए उम्मीद है कि आरबीआई मौजूदा स्टांस पर कायम रहेगा। हालांकि, घरेलू मुद्रास्फीति के रुख पर सभी की निगाहें रहेंगी।'सीपीआई के 6% से ऊपर जाने का अनुमान : इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'सब्जियों की कीमतों में उछाल से जुलाई 2023 में सीपीआई या खुदरा मुद्रास्फीति 6% से ऊपर जाने का अनुमान है। ऐसे में रेपो रेट पर यथास्थिति बनी रहने के साथ एमपीसी की तीखी टिप्पणी देखने को मिल सकती है।

महंगाई 4% के ऊपर ही रहने की संभावना

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछली मिटिंग के बाद बताया था कि वित्त वर्ष 2023-24 (एफवाई24) में महंगाई 4% के ऊपर ही रहने की संभावना है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5% रहने का अनुमान है। क्यू1 में 8%, क्यू2 में 6.5%, क्यू3 में 6% और क्यू4 में 5.7% जीडीपी रह सकती है।

आरबीआई ने 6 बार में दरें 2.50% बढ़ाई

आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 तक 6 बार में दरों में 2.50% की बढ़ोतरी की है। अप्रैल में रेपो रेट को 6.50% पर अपरिवर्तित रखा गया था।

उससे पहले फरवरी में दरों को 6.25% से बढ़ाकर 6.50% किया गया था। मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग हर दो महीने में होती है।

पैसेंजर्स को टिकट के पैसे लौटाएगी गो फर्स्ट

एयरलाइन ने एनसीएलटी से परमिशन मांगी, सभी फ्लाइट्स सस्पेंड कीं

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कैश की तंगी से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन जल्द ही अपने पैसेंजर्स को टिकट के पैसे लौटाएगी। इसके साथ ही कंपनी अपनी सभी फ्लाइट्स 31 जुलाई तक सस्पेंड कर दी हैं। एयरलाइन ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण से कहा है कि उसे 3 मई और उसके बाद की टिकट बुक करने वाले यात्रियों को रिफंड करने की अनुमति दी जाए।इस याचिका पर सोमवार को महेंद्र खंडेलवाल और राहुल पी भटनागर की सदस्यता वाली एनसीएलटी पीठ सुनवाई करेगी। गो फर्स्ट को यह अनुमति मिल जाती है तो इससे उन यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, जिनका पैसा फंसा है। कंपनी की फ्लाइट्स 3 मई से उड़ानें नहीं भर सकी हैं। एयरलाइन एक समय रोजाना 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

सक्सेसफुल टेस्ट के बाद सस्पेंड कीं फ्लाइट्स

25 जुलाई को खबर आई थी कि गो फर्स्ट एयरलाइन की टेस्ट फ्लाइट्स सक्सेसफुल रही

3 मई से बंद हैं गो फर्स्ट की उड़ानें

हैं। यानी उसकी उड़ाने दोबारा शुरू हो सकती हैं। 29 जुलाई को कंपनी बताया कि सभी फ्लाइट्स को 30 जुलाई तक सस्पेंड किया जाता है। एयरलाइन ने 30 जुलाई को फिर ऑफिशियल पोस्ट बताया बताया कि सभी फ्लाइट्स 31 जुलाई को भी सस्पेंड रहेंगी।

इंजन सप्लाई नहीं होने से बंद करने पड़े ऑपरेशन

एयरलाइन का दावा है कि इंजनों की सप्लाई नहीं होने से उसे अपने ऑपरेशन बंद करने पड़े है। अमेरिका के एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी फ्लीट के आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। इससे उसे भारी नुकसान हुआ। फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की कमी हो गई और फ्यूल भरने के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के ए20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है। एयरलाइन के सीईओ कौशिक खोना का दावा है कि इंजन की खराबी से कंपनी को बीते तीन साल में 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.9 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जस्टिस रामलिंगम सुधाकर और एलएन गुप्ता की दो सदस्यीय बेंच ने गो फर्स्ट को चलाने के लिए अभिलाष लाल को इंटेरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी नियुक्त किया था। यह पहली बार था जब किसी भारतीय एयरलाइन ने खुद से ही अपने कॉन्ट्रेक्ट और कर्ज को रिनेगोशिएट करने के लिए बैंकरप्सी प्रोट्रेक्शन की मांग की थी। बाद में पिर शैलेन्द्र अजमेरा को रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल बनाया गया।

2030 तक 4000 डॉलर हो जाएगी हर व्यक्ति की आय

टॉप पर रहेंगे ये राज्य

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की प्रति व्यक्ति आय 2030 तक करीब 70 फीसदी बढ़ने की संभावना है।स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी प्रति व्यक्ति आय 2,450 डॉलर और 2030 तक बढ़कर 4,000 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।रिसर्च में कहा गया है कि आय में बढ़ोतरी से देश को 6 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी और इसका आधा हिस्सा घरेलू खपत से आएगा। 2001 के बाद से प्रति व्यक्ति आय में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी गई है।यह 2001 में 460 डॉलर था, जो 2011 में बढ़कर 1,413 डॉलर और 2021 में 2,150 डॉलर हो गया था।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति बाहरी व्यापार के कारण सबसे ज्यादा मिलेगी।यह अभी के वित्त वर्ष में 1.2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब दोगुना होकर 2.1 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है।रिपोर्ट में कहा गया है कि जीडीपी में 10 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है।इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बढ़ोतरी में दूसरा प्रमुख योगदान घरेलू उपभोग की ओर से होगा।इसके 2030 तक 3.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो सकल घरेलू उत्पाद के मौजूदा साइज के बराबर होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	22-57 बजे
चंद्र-	मकर	में	वृष--	00-41 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-43 बजे
बुध-	सिंह	में	कर्क...	03-54 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह....	07-07 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-13 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला....	11-18 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-28 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-42 बजे
			मकर..	17-49 बजे
			कुंभ...	19-39 बजे
			मीन ..	21-17 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-59
सूर्य अस्त- 18-45
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - 00 -01 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , मंगलवार 01 August
नक्षत्र - उ.षाढा - 16-02 तक उपरान्त श्रवण
योग - प्रीति - 18 - 51 - तक उप आयुष्मान
करण- विष्टि - 13 -58 - तक उप- बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-13-58 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:35 से 17:12 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:59 - 07:33	अशुभ	काल	18:45 - 20:12	अशुभ
उत्पात	07:33 - 09:09	अशुभ	लाभ	20:12 - 21:35	शुभ
चंचल	09:09 - 10:46	शुभ	उत्पात	21:35 - 22:59	अशुभ
लाभ	10:46 - 12:22	शुभ	शुभ	22:59 - 00:23	शुभ
अमृत	12:22 - 13:59	शुभ	अमृत	00:23 - 01:46	शुभ
काल.	13:59 - 15:35	अशुभ	चंचल	01:46 - 03:10	शुभ
शुभ.	15:35 - 17:12	शुभ	रोग	03:10 - 04:33	अशुभ
रोग	17:12 - 18:45	अशुभ	काल	04:33 - 05:59	अशुभ

यहां अंधाधुंध बढ़ रही टमाटर की कीमतें

अब 200 रुपये से बढ़कर 250 रुपये प्रति किलो का अनुमान

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में टमाटर की कीमत उच्च स्तर पर हैं, जिस कारण आम लोगों के किचन का बजट बिगड़ा हुआ है।देश के ज्यादातर हिस्सों में टमाटर 100 से 160 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं।देश के एक शहर में टमाटर की कीमत 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले सप्ताह तक इस टमाटर के दाम बढ़कर 250 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाएंगे।

आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, कोयम्बेडु बाजार के एक थोक व्यापारी का कहना है कि बाजार में टमाटर की कमी के कारण कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।टमाटर की बढ़ती कीमत के कारण तमिलनाडु के लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।राज्य की राजधानी और कई शहरों में सब्जी की थोक कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

तमिलनाडु में क्यों इतनी ज्यादा बढ़ रहीं टमाटर की कीमत

आईएएनएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से टमाटर की कम आपूर्ति हो रही है।रिपोर्ट में कहा गया है कि इन क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिस कारण फसल को महत्वपूर्ण नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण पूरी फसल बर्बाद हो गई, जिससे टमाटर की मौजूदा कमी हो गई और इसके परिणामस्वरूप कीमतें बढ़ गईं।

इतनी कीमत तक जा सकते हैं टमाटर के दाम

व्यापारियों के अनुमान के मुताबिक, ऐसी संभावना है कि टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रह सकती है और अगले सप्ताह के भीतर यह 250 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।कोयम्बेडु होलसेल मर्चेंट्स एसोसिएशन के सचिव पी। सुकुमारन ने कहा कि इस बाजार के खुलने के बाद यह पहली बार है कि टमाटर की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 20 जुलाई तक कीमत स्थिर होने का अनुमान है।थोक बाजार में टमाटर 200 रुपये प्रति किलोग्राम है।

कहां से आ रहे टमाटर

मौजूदा समय में देश में टमाटर की आपूर्ति के लिए कई राज्यों से टमाटर की खरीद की जा रही है।पीटीआई के मुताबिक, एनसीसीएफ प्रमुख उत्पादक राज्यों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र से टमाटर खरीद रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार, 29 जुलाई तक टमाटर की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 123.49 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि न्यूनतम दर 29 रुपये प्रति किलोग्राम थी।आंकड़ों से पता चलता है कि 29 जुलाई को टमाटर दिल्ली में 167 रुपये प्रति किलोग्राम, मुंबई में 155 रुपये प्रति किलोग्राम और चेन्नई में 133 रुपये प्रति किलोग्राम पर था।

आईटी-एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते शानदार तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, मिड कैप इंडेक्स ने छूआ लाइफटाइम हाई

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा।ग्लोबल संकेतों के चलते और कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के चलते निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में तेजी रही।आज के सत्र में आईटी, एनर्जी स्टॉक्स में तेजी रही।जबकि मिड कैप में भी खरीदारी देखने को मिली आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 367 अंकों के उछाल के साथ 66,527 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 108 अंकों के उछाल के साथ 19,753 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में आईटी, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, रियल एस्टेट, मीडिया, मेटल्स, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शोयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है।मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी तेजी रही।निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स लाइफटाइम हाई पर जा पहुंचा।इंडेक्स में 1.03 फीसदी की जोरदार उछाल रही।केवल एफएमसीजी, कंजम्प्शन और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स ग्रावट के साथ बंद हुए।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 शेयर तेजी के साथ और 7 गिरकर क्लोज हुए।जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 36 शेयर तेजी के साथ और 14 गिरावट के साथ बंद हुए।आज के ट्रेड में एनटीपीसी 4.02 फीसदी, पावर ग्रिड 3 फीसदी, टेक महिंद्रा 2.28 फीसदी, टाटा स्टील 2.16 फीसदी, टीसीएस 1.96 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है।जबकि बजाज फाइनैंस 1.12 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.09 फीसदी, एचयूएल 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में शानदार उछाल देखने को मिला है।बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 306.65 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 304.07 लाख करोड़ रुपये रह था।यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 2.58 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी निरंतर सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी। चूँकि आपको अपने प्रयास में सफलता मिलने की संभावना है। वित्त को संभालते समय अतिरिक्त सावधानी और देखभाल आज के समय का शब्द प्रतीत होता है। इसे एक खास दिन बनाने के लिए शाम को अपने परिवार के साथ कैंडल लाइट डिनर का आनंद लें।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप स्वयं को सामान्य से कम ऊर्जा वाला पाएंगे-खुद पर अतिरिक्त काम का बोझ न डालें-थोड़ा आराम करें और अपनी नियुक्तियों को किसी और दिन के लिए पुनर्निर्धारित करें। वित्तीय बाधाओं से बचने के लिए अपने बजट पर कायम रहें। मित्रों का साथ आराम देगा।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपका अशिष्ट व्यवहार उल्टा पड़ जाएगा। अब शिष्टाचार की आदत विकसित करने का समय आ गया है क्योंकि एक विनम्र व्यक्ति अशोभनीय टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचता है, लेकिन अगर उसे ऐसा करना ही है तो यह अपरिहार्य है जब बड़ी चातुर्य और सौम्यता के साथ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कुल मिलाकर स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण साबित होगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ हो सकता है, बशर्ते आप गंभीरता से बोलें। बच्चे घरेलू काम पूरा करने में आपकी मदद करते हैं।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शाम को थोड़ा आराम करें. आज आपको जमीन, रियल एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनकी संगति में काफी खुश रहेंगे। आज आपका प्रेमी आपके सामने अपनी भावनाएं खुलकर साझा नहीं कर पाएगा।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपको लम्बी बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आज आपको अपनी माता पक्ष से धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। संभव है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। परिवार के सदस्य बहुत ज़्यादा मांग करने वाले होंगे। जो लोग अपने प्रिय से दूर रहते हैं उन्हें आज उनकी बहुत याद आ सकती है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप अपने सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास से अपने आस-पास के लोगों को प्रभावित करने की संभावना रखते हैं। कार्यस्थल पर आपके कुछ सहकर्मियों के कारण आज आपकी छवि खराब हो सकती है। परिणामस्वरूप, आपकी वेतन वृद्धि टल सकती है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

बहुत ज़्यादा यात्राएं आपको तनाव में डाल देंगी। आज आप किसी ख़राब इलेक्ट्रॉनिक सामान को ठीक कराने में अपना पैसा ख़र्च कर सकते हैं। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने के लिए अपने दृष्टिकोण में उदार रहें, लेकिन उन लोगों को ठेस पहुँचाने से रोकने के लिए अपनी ज़ुबान पर नियंत्रण रखें।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

यह आपके भाग्यशाली दिनों में से एक नहीं है, इसलिए आज अपने शब्दों पर ध्यान रखें- क्योंकि एक साधारण बातचीत दिन भर लंबी खिंच सकती है, जिससे बहस और तनावपूर्ण क्षण पैदा हो सकते हैं। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उन्हें आज वह रकम किसी भी हालत में वापस करनी पड़ सकती है।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहने की उम्मीद है। अपनी अच्छी सेहत के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आशीर्वाद और सौभाग्य के आने से इच्छाएँ पूरी होंगी- और पिछले दिनों की मेहनत रंग लाएगी।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए भ्रम और हताशा से बचें। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने नवोन्मेषी विचार का उपयोग करें। बुजुर्ग और परिवार के सदस्य प्यार और देखभाल प्रदान करते हैं। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होगी- क्योंकि आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। आपके ख़र्चों में बढ़ोतरी होगी जिससे आपका मन परेशान रहेगा। जीवनसाथी आपको धूम्रपान से छुटकारा पाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। अन्य बुरी आदतों से भी छुटकारा पाने का यह सही समय है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भाखड़ा बांध ने बिजली उत्पादन में रिकॉर्ड तोड़े : एक दिन में 625.26 लाख यूनिट तैयार

फ्लड गेट न खोलकर टरबाइनों से छोड़ा जा रहा पानी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने एक ही दिन में 625.26 लाख यूनिट बिजली उत्पादन करके नया रिकॉर्ड बनाया है। 28 जुलाई को भी 615.94 लाख यूनिट उत्पादन कर पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़े गए थे। बीबीएमबी ने इसी दिन 2784 मेगावाट का अधिकतम उत्पादन भी किया, जो 22 जुलाई को किए गए 2,733 मेगावाट के अपने पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। बीबीएमबी से मिले आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त 2008 को 604.24 लाख यूनिट का रिकॉर्ड उत्पादन किया था। तकरीबन 15 साल के बाद 24 जुलाई 2023 को 615.14 लाख यूनिट का उत्पादन करके यह रिकॉर्ड तोड़ दिया गया। इसके बाद 2 और रिकॉर्ड बनाए गए हैं। भाखड़ा लेफ्ट बैंक पावर हाउस का काम बीबीएमबी द्वारा जून 2023 में पूरा किया गया था, जिसके बाद भाखड़ा लेफ्ट बैंक पावर हाउस की स्थापित क्षमता 540 मेगावाट से बढ़कर 630 मेगावाट हो गई है।

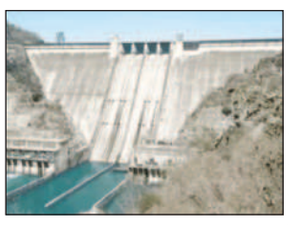

पंजाब हरियाणा को बाढ़ से भी बचाया

जुलाई के महीने में मूसलाधार बारिश के दौरान बोर्ड ने सतलज और ब्यास नदियों के पानी को भाखड़ा और पोंग बांधों के जलाशयों में स्टोर कर लिया था, जिससे पंजाब और हरियाणा राज्यों में बाढ़ का प्रकोप काफी हद तक कम हो गया। अब जब निचले इलाकों में बाढ़ का पानी कम हो गया है तो बीबीएमबी अपने बांधों से नियंत्रित पानी छोड़ रहा है, जिससे बिजली का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

भाखड़ा जलस्तर 1661.75 फीट पहुंचा

भाखड़ा डैम का जलस्तर 1661.75 फीट पर जा पहुंचा है। भाखड़ा डैम में पानी की आमद 62059 क्यूसेक दर्ज की गई। वहीं भाखड़ा डैम से टरबाइनो के माध्यम से 41640 क्यूसेक पानी ही छोड़ा गया। नंगल डैम से नंगल हाइडल नहर में 12350, आनंदपुर साहिब हाइडल नहर में 10150 क्यूसेक, जबकि सतलुज दरिया में 19400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। भाखड़ा बांध अभी भी खतरे 1680 के निशान से 19 फीट नीचे है।

टरबाइनों का पूर्ण उपयोग किया जा रहा

भाखड़ा बांध इस समय नियंत्रित पानी ही छोड़ रहा है। यह पानी भी सिर्फ टरबाइनों के माध्यम से छोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि पंजाब हरियाणा में बाढ़ की स्थिति में सहयोग करते हुए बीबीएमबी नियंत्रित पानी छोड़ अत्याधिक बिजली उत्पादन कर रहा है।

'अपना घर' की वीरांगनाओं को सलाम

बेरहमी के विरुद्ध युद्ध के ये निशान देखिए और सोचिए, क्या हम सच में इंसान हैं!

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रश्मि भाटिया को देखकर यह अनुमान लगाना असंभव है कि वह 'अपना घर' में क्यों रहती हैं, जो उन महिलाओं का आश्रय है जो तेजाब के हमलों से बच गई हैं। ऐसी महिलाओं के सहारे की जरूरत है ताकि वो बेरहम जमाने की आखों में आखें डालकर सवाल कर सकें। आम तौर पर महिलाएं वक्त-वक्त पर आभूषणों से सजती हैं, लेकिन अपना घर की निवासी महिलाओं के चेहरों, हाथों और पैरों पर स्थायी 'सजा-वट' है। जमाने से मिली सजा की स्थायी निशानी। दूसरे शब्दों में कहें कि ये महिलाएं बहुमूल्य आभूषण नहीं, बेरहमी के विरुद्ध युद्ध के निशान पहनती हैं। ऐसे में रश्मि को उसकी बेदाग त्वचा उसे दूसरी महिलाओं से अलग कर देती है। इस 25 वर्षीय युवता को बाहरी दाग नहीं है, लेकिन अंदर का जख्म महसूस करेंगे तो कलेजा फट जाएगा। रश्मि के पति ने उसे तेजाब पीने के लिए मजबूर किया था। जिस तरह सौंदर्य की पारंपरिक धारणा संकुचित है, उसी तरह यह भी गलत है कि एसिड हमले के निशान केवल बाहरी होते हैं। संघर्ष को रूप-रंग और शरीर से पहचाना जाए तो अपना घर की ये महिलाएं निश्चित रूप से उसका जीवित प्रमाण हैं। इन्हें जीवन भर बहुआयामी संघर्ष का सामना है।

हैवानियत की शिकार महिलाओं का 'अपना घर'

देश की राजधानी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके जंगपुरा स्थित 'अपना घर' में दूर-दराज के असम और बिहार के साथ-साथ पास के हरियाणा से भी आई वीरांगनाओं का निवास है। घर से दूर यह घर एक पीड़ित महिला ने इस सोच के साथ बनाया था उनकी जैसी सतायी हुई महिलाओं को कभी ना खत्म होने वाली मनोवैज्ञानिक, कानूनी और सामाजिक लड़ाइयां अकेले नहीं लड़नी पड़े। साथ ही, उन्हें शैक्षिक या रोजगार संबंधी समस्याओं जूझने में भी किसी का सहारा मिलता रहे। अमूमन अपनों की बेरहमी की ही शिकार इन महिलाओं की सभी समस्याओं का एक ही छत के नीचे समाधान की कोशिश वाकई सराहनीय है।

दुनिया ने सुनीं इन महिलाओं पर अत्याचार की कहानियां

इन महिलाओं ने अपने जख्मों के साथ जो कहानियां सुनाई हैं, वे वैश्विक मंच पर सुनी गईं। 25 वर्षीय रेशमा बानो कुरैशी का ही उदाहरण ले लीजिए। उन्होंने वर्ष 2017 में न्यूयॉर्क फैशन वीक में रैंप वॉक किया- भीड़ की नजरों में नजरें मिलाते हुए, मुस्कुराते हुए। मुंबई की रेशमा पर उत्तर प्रदेश के अपने गांव में अपने बहनोई ने ही तेजाब फेंक दिया था। तब वह सिर्फ 17 साल की थी। लेकिन रेशमा रुकीं नहीं और आठ साल बाद वो दुनिया के फैशन की राजधानियों में से एक न्यूयॉर्क में सुर्खियों में थीं जहां बेदाग त्वचा, यौवन और सौंदर्य को सराहा जाता है। रेशमा उन 16 महिलाओं में शामिल थीं, जो शनिवार को देश की राजधानी दिल्ली में 'सौंदर्य, समाज और एसिड हमले' विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लिया था। वो सभी महिलाएं एक प्रतीकात्मक रैंप वॉक में भाग लेने के दौरान रूप-रंग से परे सुंदरता को परिभाषित करने को एक साथ आईं।

जरा सोचिए, क्या सच में इंसान हैं हम?

रेशमा के साथ रैंप पर बिहार की रीमा कुमारी थीं। जमाने से उनका संघर्ष तो उनके चेहरे पर तेजाब का दाग लगने से पहले ही शुरू हो गया था। पिता की मृत्यु के बाद उन्हें 13 साल की उम्र में शादी करने को मजबूर किया गया। कच्ची उम्र में ससुराल गईं तो वहां उन्हें कथित घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा। सोचिए जिस बच्ची की शादी ही इस उम्मीद में कराई गई कि पिता का साया सिर से उठने के बाद पति का संरक्षण मिल जाएगा, उसे ससुराल में उत्पीड़न झेलना पड़ा। रीमा एक दिन पति को छोड़कर मां के पास लौट आई। दुनिया की कितनी बेरहम हो सकती है, इसका अंदाजा लगाइए। इधर, रीमा के पिता की मृत्यु के बाद चाचा की नजर भाई की संपत्ति पर गड़ गई। वो रीमा और उसकी मां को किसी तरह परिवार से बेदखल करना चाहते थे। इस कारण ससुराल से भागी रीमा पर तेजाब फेंककर उसे मरने के लिए छोड़ दिया। रीमा की उम्र अभी 24 वर्ष है।

पीड़ित महिलाओं की हौसलाआफजाई की जुगत

ललित होटल में संगोष्ठी का आयोजन ब्रेव सोल्स फाउंडेशन की ओर से किया गया था, जिसका नेतृत्व एसिड अटैक सर्वाइवर शाहीन मलिक ने किया था। ये वही महिला हैं जिन्होंने 'अपना घर' की स्थापना की। उनके फाउंडेशन ने ही इस तरफ ध्यान दिलाया कि कैसे दुकानों में खुलेआम तेजाब बेचे जा रहे हैं। एसिड अटैक के पीड़ित एसिड की खुली बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इनमें कई तेजाब के असर में अपनी शारीरिक क्षमता लगभग खो चुके हैं।

'अपना घर' की स्थापना के दो साल ही हुए हैं। यह महज एक आश्रय स्थल नहीं बल्कि उजड़ी जिंदगी को फिर से संवारने के साथ-साथ यह सुनिश्चित किया जाता है कि जिंदगी उजाड़ने वाले के खिलाफ जंग जारी रहे। इसके लिए पीड़िताओं को इलाज के साथ-साथ कानूनी सहायता की जरूरत होती है। अपना घर में रह रही महिलाओं का सबसे ज्यादा फायदा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक स्तर पर होता है। जब वो देखती हैं कि अकेली वो ही नहीं, कई अन्य भी हैं जिन्हें जमाने के बेदर्दी का सामना करना पड़ा है तो उन्हें जीने का सबब मिल जाता है। वो एक-दूसरे की हिम्मत बनती हैं। एक वो दिन था जब हमले के बाद इन महिलाओं ने अपने-अपने घरों से आईने हटाए दिए थे और आज वो दिन है जब वो अपने बदले चेहरे और शरीर को स्वीकार कर लिया है। यह सफर वाकई बहुत लंबा है।

तेजाब हमले की एक पीड़िता ने ही बनाया अपना घर

शाहीन मलिक की वर्ष 2009 में तेजाब हमले के बाद दुनिया बदल गई थी। उनका अब भी इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, 'एसिड अटैक में जिंदा बच गए अधिकांश लोगों को 10 से 15 सर्जरी से गुजरना पड़ता है, जिनकी लागत उन्हें सरकारों से मिलने वाले 3 से 5 लाख रुपये के मुआवजे से कहीं अधिक होती है।' उन्होंने कहा कि इलाज में महीनों और कई बार वर्षों लग सकते हैं। तब महिलाओं को वहां एक आश्रय स्थल की जरूरत होती है जहां से वो आसानी से इलाज करवा सकें। शाहीन ने कहा, 'अपना घर इन्हीं चिंताओं को दूर करने की एक पहल है। इससे पहले, तेजाब हमले के शिकार लोग अस्पतालों के पास खुले आसमान के नीचे में या किराए के कमरों में रहते थे जिसका खर्च उठाना उनके लिए असंभव सा होता है।'

बेदर्द जमाने का कोई दायरा नहीं, जिधर देखो वहीं बेरहमी

जुलाई 2021 से असम, छत्तीसगढ़, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में तेजाब हमलों से बचे लगभग 40 लोग 'अपना घर' में रह रहे हैं। मलिक ने कहा, 'ये लोग जब तक चाहें, यहां रह सकते हैं। हमारा लक्ष्य उन्हें उनकी सभी चिकित्सा, कानूनी, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक और आजीविका की जरूरतें पूरा करने का प्रयास है।' जब हमारे सहयोगी अखबार द टाइम्स ऑफ इंडिया (ToI) ने 'अपना घर' का दौरा किया, तो वहां की एक प्रभारी रेशमा ने कहा कि यह ऐसी जगह है जहां वो नई जिंदगी ठीक से गुजार सकती हैं। बिहार के सीवान की एक लड़की दीपा ने कहा, 'हम यहां खूब मस्ती करते हैं।' एक ड्रॉइंग रूम, बढ़िया किचन, बेडरूम्स और सीखने-सिखाने की जगह वाली एक जगह... अपना घर एक मध्यम वर्ग के परिवार के आशियाने की तरह दिखता है। अभी यहां 10 महिलाएं एक साथ खाना बनाती हैं, किराने की खरीदारी और भोजन के लिए जाती हैं, लेकिन तभी जब अपने इलाज, कानूनी सहायता, अन्य परामर्श और पढ़ने से समय मिलता है।

पति के दोस्त की एकतरफा आशिकी

एसिड अटैक ने 35 वर्षीय हसना बेगम की एक आंख की रोशनी छीन ली थी। वो इलाज के लिए पिछले सप्ताह असम से दिल्ली आईं। वर्ष 2014 में उनके पति के दोस्त ने उनके चेहरे पर तेजाब फेंक दिया था क्योंकि हसना ने उसके प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। 'अपना घर' ने उन्हें अपने बेटे को असम में छोड़कर अकेले दिल्ली आने का साहस दिया। हसना ने कहा, 'जब बच्चे घर पर होते तो पड़ोसी मुझे अपने घर नहीं जाने देते थे, यह कहते हुए कि बच्चे मुझसे डरते हैं। यहां अपना घर में इस तरह की कोई रोक-टोक नहीं है।'

और पति ने ही पिला दिया तेजाब!

इनमें से एक सोनीपत की रश्मि भाटिया भी हैं। उनका बाहरी हिस्सा बेदाग है, लेकिन खाने की नली को की सर्जरी करनी पड़ी। 2019 में उनके पति ने उन्हें तेजाब पीने के लिए मजबूर कर दिया था। बस कल्पना कीजिए, उस दर्द का जब खाने की नली में तेजाब उतरा होगा। रश्मि को नरम खाना खा पाने तक की स्थिति में आने में दो साल का इलाज और सर्जरी से गुजरना पड़ा। रश्मि अपने पति के खिलाफ मुकदमा लड़ रही हैं। उनके लिए 'अपना घर' का मतलब सुरक्षा है। यहां जमाने के दिए दर्द का गहना पहनी महिलाओं से हिम्मत मिलती है, उन्हें न्याय की प्रतीक्षा करने की शक्ति मिलती है।

शराब घोटाले के आरोपियों पर नोएडा में एफआईआर

अनवर ढेबर समेत 2 आईएएस अफसरों, एपी त्रिपाठी और होलोग्राम कारोबारी पर केस दर्ज

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शराब घोटाला मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है। प्रवर्तन निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर हेमंत कुमार ने नोएडा के कासना थाना में शराब घोटाले के आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करवाई है। अब नोएडा की पुलिस इन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है उनमें आबकारी विभाग के अधिकारी रह चुके आईटीएस अफसर अरुण पति त्रिपाठी, आईएएस निरंजन दास, होलोग्राम कारोबारी विधु गुप्ता, अनवर ढेबर और एक वरिष्ठ आईएएस ऑफिसर शामिल है। इन सभी के खिलाफ धारा 420, 468 ,471 ,473 ,484, 120 बी के तहत केस दर्ज किया गया है।

क्या है नोएडा में दर्ज एफआईआर में

शराब घोटाला जांच में ईडी को पता चला कि नोएडा स्थित आरोपी विधू गुप्ता की कंपनी मेसर्स प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को अवैध तरीके से खड़ा किया गया। इसे गलत तरीके

से छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को होलोग्राम की आपूर्ति के लिए टेंडर दिया गया। इस कंपनी के मालिकों, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों का काम किया। इसमें अरुणपति त्रिपाठी आईटीएस (विशेष सचिव उत्पाद शुल्क), निरंजन दास आईएएस (आबकारी आयुक्त), समेत एक और आईएएस निविदा से जुड़ी प्रक्रिया को मॉनिटर कर रहे थे। इन्होंने ही टेंडर कंपनी को दिया। बदले में, उन्होंने प्रति होलोग्राम 8 पैसे का कमीशन लिया।

नोएडा में डुप्लीकेट होलोग्राम बनाने वाले कारोबारी गुप्ता ने ईडी की जांच में बताया कि अरुण पति त्रिपाठी मुझे टेलीफोन पर कई सीरियल नंबर देते थे, ये होलोग्राम की संख्या वो होती थी जो पहले ही मुद्रित की जा चुकी है और उत्पाद शुल्क को आपूर्ति की जा चुकी है। इसके बाद फर्जी होलोग्राम बनते थे। इसे शराब की बोतलों पर लगा दिया जाता था। इससे राज्य के खजाने को 1200 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ और आरोपियों को अवैध लाभ हुआ।

घोटाले की जांच पर रोक, अब पुलिसिया एक्शन शुरू

दो सप्ताह पहले छत्तीसगढ़ में ईडी की ओर से दर्ज 2000 करोड़ रुपए की कथित आबकारी गड़बड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अनुसूचित अपराध के अभाव में कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पर ही रोक लगा दी है। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि इस मामले में अफसरों पर कोई दंडात्मक या कठोर कार्रवाई ना हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिकाकर्ताओं को भी अंतरिम संरक्षण दिया है। अब ईडी ने नोएडा में केस दर्ज करवाकर ये साफ कर दिया है कि दूसरे तरीके से आरोपियों को घेरने का प्रयास जारी रहेगा।

अब तक 180 करोड़ की संपत्ति अटैच

22 मई 2023 को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जारी की गई आधिकारिक जानकारी में कहा गया कि, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी और अफसर अनिल टुटेजा से 121.87 करोड़ की 119 अचल संपत्ति अटैच की गई है। शराब घोटाला मामले में अब तक प्रदेश में कुल 180 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। इसमें कैश, एफडी भी होल्ड किए गए हैं। 15 मई को ईडी ने कहा था, शराब घोटाले में जेल में बंद कारोबारी अनवर ढेबर से जुड़ी जांच रायपुर, भिलाई और मुंबई में की गई।

जिसमें नवा रायपुर में 53 एकड़ भूमि मिली। इसकी कीमत करीब 21.60 करोड़ रुपए बताई गई। ये अनवर ढेबर द्वारा ज्वाइंट वेंचर के रूप में इस्तेमाल की गई थी। 20 लाख रुपए की नकदी और कई आपत्तिजनक दस्तावेज मुंबई में मिले थे। 1 करोड़ की बेहिसाब निवेश की जानकारी भी मिली। ये निवेश अरविंद सिंह और उनकी पत्नी पिंकी सिंह के साथ किए गए थे। ईडी ने त्रिलोक सिंह ढिल्लो की 27.5 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट फ्रीज कर दी थी। 28 करोड़ रुपए के आभूषण भी जब्त किए थे।

ईडी ने सबसे पहले मई के शुरुआती सप्ताह में अनवर ढेबर को अरेस्ट किया और कहा- साल 2019 से 2022 तक 2000 करोड़ का अवैध धन शराब के काम से पैदा किया।

आदिवासी नेता ने कहा- बीजेपी नेता दिखे तो काट डालो

सुरजू टेकाम के बयान पर बीजेपी ने की कार्रवाई की मांग, कहा- इनकी विचारधारा नक्सलवादी है

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के आदिवासी नेता सुरजू टेकाम का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि, चुनाव के समय कोई भी भाजपाई आए तो उन्हें वहीं काट डालो। अब इस बयान को लेकर बीजेपी नेताओं ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल ये सब सुरजू टेकाम ने उस वक्त कहा, जब वे मानपुर में आम सभा को संबोधित कर रहे थे। दरअसल रविवार को मणिपुर हिंसा के विरोध में कांग्रेस और आदिवासी समाज ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान विधायक इंद्रशाह मंडावी भी मौजूद थे। सभा में आदिवासी नेता सुरजू टेकाम ने बीजेपी, आरएसएस और बजरंग दल को लेकर अपशब्द कहे। साथ ही मणिपुर में महिला को निर्वस्त्र घूमाने पर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की।

आदिवासी नेता के विवादित बयान पर बीजेपी ने केस दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि, धार्मिक भावनाओं को भड़काने का काम वहां किया गया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। सुरजू टेकाम ने चुनाव को प्रभावित करने का काम किया है। उन पर सभी आईपीसी की धारा लगनी चाहिए। और तत्काल दंडित करना चाहिए। बीजेपी की जिला महामंत्री नम्रता सिंह ने भी ऐसे बयान को नक्सलवादी विचारधारा का बताया। सांसद संतोष पांडेय ने कहा, यह वही सुरजू टेकाम है जिन्होंने हाल ही में देवी दुर्गा की प्रतिमा को खंडित किया था। उस पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इधर एफआईआर दर्ज नहीं होने पर बीजेपी नेता संजीव शाह, नम्रता सिंह, समेत कई लोग धरने पर बैठ गए हैं। जिला प्रशासन के अलावा प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। विधायक इंदर शाह मंडावी ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी और मैं सुरजू टेकाम के बयान से सहमत नहीं हूं। और इस बयान की मैं निंदा करता हूं। वहां जाकर बैठा जरूर था।

भाजपा में नेता प्रतिपक्ष का मामला अटका

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा सत्र की शुरुआत से पहले भारतीय जनता पार्टी झारखंड में नेता प्रतिपक्ष चुनने वाली थी। 27 जुलाई भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक अश्विनी चौबे मौजूद थे इन्होंने नेता प्रतिपक्ष के नाम पर विधायक से राय ली। भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने मीडिया को बताया केंद्रीय पर्यवेक्षक ने विधायकों की राय से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराया है। अब नेता प्रतिक्ष का चयन केंद्रीय नेतृत्व करेगा। इधर दो दिन बाद 28 जुलाई विधानसभा सत्र के पहले दिन पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, पार्टी ने नाम विधानसभा अध्यक्ष को दे दिया है। वरिष्ठ भाजपा नेताओं के यही दो यही अलग- अलग बयान कई सवाल खड़े कर रहे हैं। इस बातचीत में किसी ने ये नहीं कहा कि अभी फैसला नहीं होगा सभी ने यही कहा कि पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौपेगी उसे निभायेंगे, फिर बैठक में ऐसा क्या हुआ कि नेताप्रतिपक्ष चुने जाने का फैसला टाल दिया गया।

बिरसा मुंडा जेल में हुई छापेमारी

तीन घंटे तक चला सर्च अभियान, पुलिस के हाथ नहीं लगे मोबाइल फोन या कोई गैर कानूनी सामान

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रांची में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में उपायुक्त राहुल सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल ने छापा मारा है। सोमवार के सुबह 4 बजे यह कार्रवाई हुई है। तीन घंटे तक यह छापेमारी चली है और कैदियों के एक- एक बैरक में तलाशी ली गयी है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों को कुछ खास नहीं मिला है। अचानक हुई इस छापेमारी से जेल में हड़कंप मच गया। छापेमारी के संबंध में जब सवाल किया गया तो अधिकारियों ने बताया कि यह सामान्य रूटीन का यह हिस्सा है और इस तरह की छापेमारी पहले भी की गयी है और आगे भी जारी रहेगी। इस तरह की छापेमारी से यह देखना था कि जेल से कोई गैर-कानूनी गतिविधि तो नहीं की जा रही है। इस छापेमारी के बाद पुलिस के कुछ खास हाथ नहीं लगा है।

इस छापेमारी के जरिए जेल में मौजूद गैरकानूनी चीजें की तलाश की जा रही थी। खासकर वैसे फोन की तलाश थी जिसके जरिए बाहर लोगों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। अक्सर खबरें आती है कि जेल में बंद कई बड़े लोग बाहर लोगों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। इससे पहले भी जेल में छापेमारी की गयी थी। रांची के साथ-साथ राज्य के कई जेल जिसमें मुख्य रूप से धनबाद और हजारीबाग जैसे जेल में बंद माफिया औ गैंगस्टर बाहर अपने गुर्गों से संपर्क में रहते हैं। रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के भीतर 150 से भी ज्यादा मोबाइल सिम एक्टिव होने की सूचना मिली थी। पुलिस मुख्यालय ने जेल के भीतर सक्रिय सिमकार्ड नंबर, व्हाट्सएप नंबर, आइईएमईआई नंबर और वर्चुअल नंबर के ब्यौरे के साथ यह रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी।

पांच लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार

जंगल में छापेमारी के बाद मिली कामयाबी

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा जिले में रविवार को पांच लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार माओवादी प्रतिबंधित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से अलग हुए एक माओवादी समूह से जुड़ा हुआ है।

रंका उप अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम ने रांची से लगभग 205 किलोमीटर दूर रमकंडा पुलिस थाने के सीमा अंतर्गत चेटे पाटसर जंगल में छापेमारी की। इस दौरान प्रतिबंधित संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के नेता को पकड़ा गया।

गैरकानूनी माओवादी संगठन के स्वघोषित सब-जोनल कमांडर मनोज परहिया पर पांच लाख रुपये का इनाम था।

उन्होंने बताया कि जिले के गोरेया करम गांव का निवासी परहिया पहले प्रतिबंधित संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) से भी जुड़ा था। उसे सुबह जंगल से गिरफ्तार किया गया।

सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

देवघर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर सोमवारी के मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ पड़ पड़ी है। राजकीय श्रावणी मेला, 2023 के सोमवारी को बोल बम और हर हर महादेव से नारों से गुंजायमान है। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर श्रद्धालुओं के रंग से सराबोर है। बाबा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए है। बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में सरकारी पूजा के पश्चात अहले सुबह 04 बजकर 01 मिनट से श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कर रहे है। अरघा सिस्टम से बाबा

भोलेनाथ के भक्त कतारबद्ध होकर जलाभिषेक कर रहे।

बाबा बैद्यनाथधाम में सम्पूर्ण कांवड़िया रूट लाइन के साथ-साथ सभी होल्डिंग प्वाइंट और महत्वपूर्ण स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। दंडाधिकारियों के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। कड़ी सुरक्षा के बीच कतारबद्ध होकर श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक कर रहे हैं। बैद्यनाथ मंदिर परिसर के अलावा पूरे शहर में सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखी जा रही है।

तांत्रिक के चक्कर में महिला ने गंवाई जान

कोरबा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तांत्रिक के चक्कर में पड़ एक महिला को अपनी जान गंवानी पड़ी और उसका पति जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। दरअसल, झाड़-फूंक के दौरान तांत्रिक ने 27 वर्षीय पत्नी सुनीता पटेल और 28 वर्षीय रामाधार पटेल को कुछ खिला दिया। हालत बिगड़ने पर उन्हें निजी अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने सुनीता पटेल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, रामाधार पटेल की हालत गंभीर बताई जा रही है। नवदंपती को संतान की चाह में तांत्रिक का सहारा लेना महंगा पड़ गया। उन्हें तांत्रिक ने झाड़ फूंक के बाद परवाना (पान के साथ जड़ी बुटी) दे दी। जिसे खाते ही दोनों की हालत बिगड़ गई। पति-पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दौरान देर रात नवविवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में वैधानिक कार्रवाई पूरी कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, उरगा थानांतर्गत ग्राम बरबसपुर में लवन पटेल रहते हैं। उन्होंने अपने पुत्र रामाधार पटेल का विवाह करीब एक साल पहले चांपा में रहने वाले फुल सिंह पटेल की पुत्री सुशीला पटेल से किया था। रामाधार और उसकी पत्नी परिजनों के साथ ही रह रहे थे। पति पत्नी एक साल बाद भी संतान नहीं होने से हताश थे। उन्होंने संतान के लिए उपचार कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जिससे नवदंपती ने झाड़-फूंक का सहारा लेना बेहतर समझा। सुशीला की बड़ी बहन सीतामढ़ी में रहती है। जिसकी तबियत बीते कुछ दिनों से ठीक नहीं है। रामाधार और उसकी पत्नी सीतामढ़ी में रहने वाली बहन के घर जाने के नाम पर लेकर निकले।

सीएम भूपेश ने युवाओं के खाते में ऑनलाइन ट्रांसकर किए 31 करोड़ से ज्यादा रुपए

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम भूपेश बघेल ने आज सोमवार को अपने निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन बेरोजगारी भत्ता योजना की चौथी किश्त बांटी। इस दौरान 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों के खाते में 31 करोड़ 71 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया। बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत अब तक 112 करोड़ रुपये से अधिक की राशि युवाओं खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है। कार्यक्रम में 1 लाख 22 हजार 625 युवाओं को बेरोजगारी भत्ते के तहत 31.71 करोड़ रूपए की राशि बांटी गई। बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत अब तक 80 करोड़ 72 लाख 30 हजार रुपए की राशि युवाओं के खाते में भेजी जा चुकी है। इस प्रकार जुलाई की राशि शामिल करने पर अब तक 112 करोड़ रुपए की राशि युवाओं के एकाउंट में जा चुकी है। इतना ही नहीं बेरोजगारी भत्ते के आवेदन के साथ ही युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिए भी चिन्हांकित किया जा रहा है, जो युवा कौशल प्रशिक्षण चाहते हैं, उन्हें विभिन्न संस्थाओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

आत्मघाती हमले के पीछे आईएसआईएस का हाथ

तालिबान ने कहा- दुश्मनी पैदा करने की हो रही कोशिश

इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए आत्मघाती हमले में अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आत्मघाती हमले के पीछे खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस का हाथ है। आत्मघाती हमला रविवार को उस वक्त हुआ, जब सत्ताधारी गठबंधन की सहयोगी पार्टी जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल की एक रैली खार शहर में आयोजित की गई थी।

आईएसआईएस का हाथ

पाकिस्तान पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि हम अभी भी जांच कर रहे हैं और बाजौर विस्फोट की घटना को लेकर सूचनाएं जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में प्रतिबंधित संगठन दाएश (आईएसआईएस) की संलिप्तता पता चली है। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। बम डिस्पोजल स्क्वॉड भी मौके पर सबूत जुटाने में जुटी है। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के चीफ अख्तर हयात खान ने बताया कि विस्फोट में 10 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने बताया कि आत्मघाती हमलावर लोगों की भीड़ में आगे और मंच के करीब मौजूद था।

टीटीपी ने कही बड़ी बात

बाजौर इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान की सीमा पर मौजूद है और तालिबान के प्रभाव वाला इलाका माना जाता है। यही वजह है कि तालिबान के प्रभाव वाले इलाके में इतने बड़े हमले को लेकर काफी चर्चा है। जिस पार्टी की रैली में यह धमाका हुआ, वह जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल भी कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों की समर्थक मानी जाती है। बाजौर में हुए विस्फोट को लेकर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान ने भी बयान जारी किया है। इस बयान में टीटीपी ने कहा है कि यह हमला इस्लामिक संगठनों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के लिए अंजाम दिया गया है। बता दें कि आईएसआईएस अफगानिस्तान में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

जेयूआई-एफ के कई नेताओं की मौत

हमले में जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल के कई नेताओं की मौत हुई है। हमलावर ने मंच के पास खुद को विस्फोट से उड़ाया। इस वजह से मंच पर मौजूद पार्टी के तहसील खार प्रमुख मौलाना जियाउल्लाह जान, नवागाई तहसील के पार्टी महासचिव मौलाना हमीदुल्लाह, जिला सूचना सचिव मुजाहिद खान और पार्टी के कई कार्यकर्ता इस हमले में मारे गए।

हमले में घायल हुए 15 लोगों की हालत गंभीर है और इन्हें पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर से पेशावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत देखते हुए माना जा रहा है कि मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

तालिबान ने जलाया तबला और हारमोनियम

कहा- संगीत से नैतिक भ्रष्टाचार होता है, इससे युवा भटक जाएंगे

काबुल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कई तरह के बदलाव आए हैं। वहां महिलाओं की नौकरी और पढ़ाई पर पाबंदी से लगाने से लेकर ब्यूटी पार्लर तक बंद करा दिए हैं। वहीं अब अफगानिस्तान में संगीत को अनैतिक घोषित करने की तैयारी की जा रही है।

न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में तालिबान ने म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट को जला दिया। घटना इस वीकेंड की है। जब अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान ने तबला, हारमोनियम और गिटार जैसे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट इकट्ठा कर उनमें आग लगा दी। हेरात प्रांत में सदाचार को प्रोमोट करने वाले मंत्रालय के प्रमुख अजीज अल-रहमान अल-मुहाजिर ने कहा- संगीत को बढ़ावा देने से नैतिक भ्रष्टाचार होता है और इसे बजाने से युवा भटक जाएंगे।

शादी के हॉल से जब्त किए ये म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट

तालिबान ने जो म्युजिकल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जलाए हैं उनमें तबले, हारमोनियम और गिटार के अलावा ड्रम, एम्पलिफायर और स्पीकर भी शामिल हैं। इनकी कीमत कई सौ डॉलर्स बताई गई है और इन्हें हेरात के वेडिंग हॉल्स से जब्त किया गया था।

अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से तालिबान लगातार नैतिकता का हवाला देकर महिलाओं के अधिकारों को छीन रहा है। इस पर संयुक्त राष्ट्र संघ तक चिंता जाहिर कर चुका है। महीने की शुरुआत में तालिबान ने सभी ब्यूटी पार्लर बंद कराने की घोषणा की थी। अफगानिस्तान में हजारों ब्यूटी पार्लर हैं। इनकी ओनरशिप महिलाओं के पास ही है।

अफगानिस्तान को वैश्विक स्वीकार्यता का इंतजार

महिलाओं के अधिकारों पर पाबंदी लगाने के बावजूद अफगानिस्तान दूनिया से स्वीकार्यता की मांग करता है। पिछले हफ्ते तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था।

इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। हम उन देशों से मान्यता की अपील करते हैं जो अमेरिका के दबाव में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया के ताकतवर इस्लामिक देश हमें सरकार के तौर पर पहचानें।

58 मुस्लिम देशों को मान्यता के लिए मनाएंगे

मुजाहिद ने कहा- अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बातचीत करने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर सउदी अरब उन्हें मान्यता देने को तैयार हो जाता है तो वो 58 और मुस्लिम देशों से बातचीत करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, अफगानिस्तान में बैन हुए ब्यूटी पार्लर को लेकर तालिबान ने कहा है कि वो निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। इसलिए बैन करने का कदम उठाया गया था।

'भगोड़े' नवाज फिर बनेंगे पाकिस्तान के पीएम?

पाकिस्तान, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वित्त मंत्री इस्हाक डार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने की संभावना से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव को पारदर्शी बनाने के मकसद से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए अगले महीने किसी 'तटस्थ व्यक्ति' का चयन किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा संकेत भी दिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने अपने बड़े भाई नवाज शरीफ के पाकिस्तान वापस लौटने का भी संकेत दिया। बता दें, नवाज साल 2019 से लंदन में रह रहे हैं। वह तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि यदि पीएमएल-एन चुनाव जीतती है, तो 73 वर्षीय नवाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि नेशनल असेंबली के भंग होने की अधिसूचना संसद के निचले सदन का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भेजी जाएगी। एनए 12 अगस्त की आधी रात 12 बजे अपना कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों, पीएमएल-एन के सर्वोच्च नेता नवाज शरीफ और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ विचार-विमर्श के बाद कार्यवाहक व्यवस्था पर सहमति बनेगी। प्रधानमंत्री शहबाज ने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है, जब अटकलें लगाई जा रही थीं कि वित्त मंत्री डार को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया जा सकता है, ताकि नकदी के संकट से जूझ रहे देश को उसकी वित्तीय समस्याओं से बाहर निकालने के लिए नीतियों को लागू किया जा सके।

ऑस्ट्रेलियाई बीच पर मिली रहस्यमयी चीज भारतीय रॉकेट का मलबा

14 दिन की जांच में खुलासा, दुनियाभर की स्पेस एजेंसियों से किया था संपर्क

कैनबरा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। 17 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर बहकर आई एक रहस्यमयी चीज ने सबको हैरान कर दिया था। सोमवार को वहां की स्पेस एजेंसी ने बताया कि वो बेलनाकार अनजान चीज कुछ और नहीं बल्कि भारतीय रॉकेट का मलबा है। एजेंसी ने कहा है कि ये तीसरी स्टेज पर अलग हुआ पीएसएलवी लॉन्च व्हीकल का हिस्सा है।

इसकी जांच में ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी को 2 हफ्तों का समय लगा। पहले इस टुकड़े के जासूसी उपकरण और लापता एमएच370 फ्लाइट का हिस्सा होने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि, इसरो ने अब तक इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है।

स्टोरेज में रखा गया रॉकेट का मलबा

ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने कहा है कि फिलहाल 2 मीटर ऊंचे टुकड़े को स्टोरेज में रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्पेस ट्रीटी के तहत भारत भी इसकी जांच में सहयोग कर रहा है। रॉकेट का हिस्सा मिलने वाले दिन ऑस्ट्रेलियाई स्पेस एजेंसी ने इसकी तस्वीर ट्वीट करते हुए कहा था- जुरियन बे, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में मिली इस वस्तु की हम जांच कर रहे हैं। ये कोई फॉरेन स्पेस लॉन्च व्हीकल का हिस्सा हो सकता है।

स्पेस एजेंसी ने लोगों से इसे न छूने की हिदायत दी थी। साथ ही ये भी बताया था कि ऐसी ही अगर कोई और चीज मिलती है तो स्पेस एजेंसी को मेल पर जानकारी दें।

लोग इसे चंद्रयान से जोड़ रहे

इसरो और न ही ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने इस टुकड़े के बारे में ज्यादा जानकारी दी है। हालांकि, सोशल मीडिया पर लोग इस टुकड़े को चंद्रयान-3 से जोड़कर देख रहे हैं। इसकी लॉन्चिंग 14 जुलाई को दोपहर 2.35 बजे हुई थी।

5 अगस्त को ये चंद्रमा की ऑर्बिट में पहुंचेगा और 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। सफलता मिलते ही अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

यूएन की ऑफिस फॉर आउटर स्पेस ट्रीटी के तहत अगर किसी देश में दूसरे देश की स्पेस ऑब्जेक्ट गिरती है तो उसे जांच के बाद वापस करना पड़ता है। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र संघ को भी देनी पड़ती है। यूएनओओएसए इस तरह पाई गई स्पेस ऑब्जेक्ट्स की एक सूची बनाकर अपने पास रखता है। ऑफिस फॉर आउटर स्पेस ट्रीटी को 13 दिसंबर 1958 को साइन किया गया था।

ताकि स्पेस जुड़ी जानकारियों को लेकर सभी देशों के बीच तालमेल बनाया जा सके।

भारतीय मूल के शख्स को नौ साल की जेल

लंदन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक व्यक्ति को नौ साल की जेल की सजा सुनाई है। उसे अपने एक पड़ोसी पर लकड़ी के डंडे से हिंसक हमला करने का दोषी पाया गया।

जांच करने वाली बेडफोर्डशीर पुलिस के मुताबिक, ऋषि कासीराम (35 वर्षीय) ने पड़ोसी के चेहरे पर गंभीर चोटें पहुंचाई। इसके अलावा उसकी पीठ पर भी काफी चोटें आईं। यह हमला पिछले महीने साल जून में हुआ था। कासीराम को पूर्वी इंग्लैंड के ल्यूटन में उसके फ्लैट से गिरफ्तार किया गया था। इस महीने की शुरुआत में उसे ल्यूटन क्राउन कोर्ट ने सजा सुनाई थी।

बेडफोर्डशीर पुलिस के डिटेक्टिव सार्जेंट बिल हेग ने कहा, 'यह असाधारण हिंसक हमला था जिसने अपने पीछे वास्तव में हैरान करने वाला अपराध दृश्य छोड़ दिया।'

उन्होंने कहा, इस मामले में पीड़ित को अब जीवनभर कासीराम के कृत्यों के प्रभाव के साथ जीना पड़ेगा। कासीराम जैसे हिंसक ठगों की बेडफोर्डशीर की सड़कों पर कोई जगह नहीं है। मुझे खुशी है कि हम उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने में सफल रहे।

अदालत को बताया गया था कि हमले के कुछ दिन पहले पीड़ित और कासीराम के बीच बहस हुई ती। 25 जून, 2022 को पीड़ित घर लौटा और देखा कि कासीराम अपने फ्लैट से उसकी ओर आ रहा है। पीड़ित उसके अंदर आने से पहले दरवाजा बंद करने में विफल रहा।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित का इलाज करने वाले सर्जन ने बताया कि उसकी चोटें ऐसी थीं कि जैसे बेसबॉल बैट जैसे कुंद हथियार से हमला किया गया हो। पीड़िता ने पुलिस अधिकारियों से कहा, 'मुझे इस घटना पर भरोसा नहीं हो रहा है। वह बस मुझे मारता रहा।'

यूक्रेन पर परमाणु हमले का खतरा

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन के एडवाइजर बोले- हमारी जमीन छीनी तो यही रास्ता बचेगा

मॉस्को, 31 जुलाई (एजेंसियां)। करीब डेढ़ साल से चल रही रूस-यूक्रेन जंग में अब परमाणु हमले का खतरा है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन के स्पेशल एडवाइजर दिमित्री मेदवेदेव ने यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी दी है।

मेदवेदेव ने कहा- अगर यूक्रेन इसी तरह जवाबी हमले करता रहा और उसने नाटो के साथ मिलकर हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की तो फिर हमें मजबूरी में न्यूक्लियर वेपन्स इस्तेमाल करने पड़ेंगे।

रूस की तरफ से यूक्रेन पर एटमी हमले की धमकी पहली बार नहीं दी गई है। फरवरी और अप्रैल में खुद पुतिन कह चुके हैं कि अगर अमेरिका और नाटो यूक्रेन की मदद करते रहे तो रूस एटमी हथियारों समेत तमाम ऑपशन्स इस्तेमाल करेगा।

इस धमकी की वजह क्या है

एटमी हथियार इस्तेमाल करने की धमकी का जवाब मेदवेदेव ने खुद दिया और इससे पता चलता है कि यूक्रेनी फौज अब रूसी सेना पर भारी पड़ने लगी है। मेदवेदेव ने कहा- अगर यूक्रेन के तरफ से जारी हमले कामयाब होते रहे तो हम एटमी हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मेदवेदेव ने यह बात सोशल मीडिया पर कही।

उन्होंने कहा- जरा सोचिए, अगर हमारे सैनिकों को पीछे हटना पड़ा तो क्या होगा। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो की तरफ से खुली मदद मिल रही है। अगर वो हमारी जमीन छीनने की कोशिश करते हैं या रूस के टुकड़े करने की कोशिश करते हैं तो हमें न्यूक्लियर वेपन्स इस्तेमाल करना ही होंगे।

मेदवेदेव का बयान इस बात की पुष्टि करता है कि जंग अगर यूक्रेन के फेवर में जाने लगी तो रूस उस पर एटमी हमला करेगा। यहां ये जान लेना भी जरूरी है कि मेदवेदेव रूसी सिक्योरिटी काउंसिल के चेयरमैन भी हैं।

रूस के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- मेरी बात को सिर्फ एक लिहाज से देखें और समझें कि अगर रूस के खिलाफ हालात बने तो हमारे पास कोई और रास्ता नहीं बचेगा। लिहाजा, अगर इससे बचना है हमारे दुश्मनों को भी जंग में हमारी कामयाबी की दुआ करनी चाहिए। दुनिया को इस वक्त मिलकर सिर्फ ये सोचना चाहिए कि एटमी जंग से कैसे बचा जाए।

पुतिन ने लिया रूस की परमाणु पनडुब्बियों-युद्धपोतों का जायजा

नेवी डे पर की 30 नए जंगी जहाजों की घोषणा, 3 हजार नौसैनिकों ने निकाला मार्च

सेंट पीटर्सबर्ग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन रविवार को देश की नेवी डे परेड में शामिल हुए। इस मौके पर पुतिन ने परमाणु पनडुब्बियों और युद्धपोतों का जायजा लिया। नेवी डे का आयोजन पुतिन के होम टाउन सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ। इस दौरान 45 जंगी जहाजों और पनडुब्बियों ने नेवा नदी में प्रदर्शन किया।

रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक नेवी डे पर नौसेना के 3000 सदस्यों ने मार्च भी निकाला। वहीं, इस मौके पर पुतिन ने रूसी नौसेना के लिए 30 जंगी जहाजों की घोषणा की। उन्होंने कहा इससे नौसेना की ताकत में इजाफा होगा और देश की सुरक्षा मजबूत होगी। इस दौरान रूस के डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई शोइगू, नेवी के कमांडर एडमिरल निकोलाई येवमेनोव भी मौजूद रहे।

जंग के बारे में कुछ नहीं बोले पुतिन

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर रूस में किसी भी बड़े आयोजन पर पुतिन यूक्रेन जंग के बारे में जरूर कुछ न कुछ कहते हैं। हालांकि, रविवार को हुई नेवी डे परेड में उन्होंने जंग के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा।

पुतिन ने सिर्फ यह कहा- आज रूस आत्मविश्वास के साथ बड़े स्तर पर अपनी नौसेना की पॉलिसी को लागू कर रहा है। साथ ही अपनी ताकत को और बढ़ा रहा है। रूस की नेवी डे परेड में 4 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

रूसी न्यूज एजेंसी तास की रिपोर्ट के मुताबिक नेवी डे परेड में नौसेना की ब्लैक सी फ्लीट खासतौर पर शामिल हुई। दरअसल, 23 जुलाई को रूस ब्लैक सी ग्रेन डील से बाहर हो गया है। इससे ब्लैक सी एक बार फिर रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष का पॉइंट बन चुका है। पुतिन ने अफ्रीकी देशों के नेताओं से मुलाकात के दौरान कहा है कि वो फिर से इस डील का हिस्सा नहीं बनेंगे। ग्रेन डील दोनों देशों के बीच पिछले साल जंग शुरू होने के बाद हुई थी। इसके तहत दोनों देशों ने यह तय किया था कि वो ब्लैक सी से गुजरने वाले एक-दूसरे के उन जहाजों पर हमले नहीं करेंगे, जिनमें फूड आइटम खासतौर पर अनाज होगा।

रूस के इस डील से बाहर निकलने के कारण अफ्रीकी देशों में अनाज का संकट मंडरा रहा है। इसके तहत पुतिन ने अफ्रीकी देश के नेताओं से मुलाकात की है।

तोशाखाना केस में आईएचसी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए इमरान

उपहारों के विवरण छिपाने का है आरोप

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इमरान की ओर से आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग करने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) का दो बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान को सरकारी उपहारों के बारे में विवरण छिपाने से संबंधित मामले में राहत नहीं मिली थी।

इमरान खान ने धारा 342 के तहत बयान दर्ज कराने पर रोक लगाने की अपील की

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में 70 वर्षीय खान ने धारा 342 के तहत बयान दर्ज करने पर रोक लगाने की अपील की है। याचिका में कहा गया है कि जिला व सत्र न्यायाधीश हुमायूं दिलावर के समक्ष चल रहे मुकदमे को तब तक के लिए रोक दिया जाना चाहिए जब तक कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय इस मामले पर अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देता। इसमें कहा गया है कि मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत के अधिकार क्षेत्र पर निर्णय आवश्यक था।

बैरिस्टर गौहर अली खान के नेतृत्व वाली पीटीआई प्रमुख की कानूनी टीम ने खान की ओर से शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर की है। शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली । बाद में पीटीआई प्रमुख की कानूनी टीम ने पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल से मुलाकात की।

इजराइल के घरेलू मामलों में दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं

यूएस का नाम लिए बगैर नेतन्याहू बोले- मैंने कभी दूसरे देशों पर कमेंट नहीं किया, आप भी दूर रहें

तेल अवीव, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल में न्यायिक सुधार (ज्यूडिशियल ओवरहॉल) बिल पास होने का विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। घर में विरोध का सामना कर रहे इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अमेरिका समेत कुछ वेस्टर्न पावर्स भी दबे सुरों में आलोचना कर रहे हैं। अब नेतन्याहू ने जवाब दिया है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर साफ कर दिया है कि इजराइल घरेलू मामलों में किसी दखलंदाजी को बर्दाश्त नहीं करेगा। इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा- मैं 16 साल से सत्ता में हूं। मैंने किसी दूसरे देश के बारे में कमेंट नहीं किया। मैं चाहूंगा कि आप भी इससे दूर रहें तो अच्छा होगा। बाइडेन ने इजराइल में जारी सियासी बवाल पर दो बयान दिए थे। इनमें से एक में नेतन्याहू की सीधी आलोचना की थी।

अमेरिकी टीवी चैनल 'फॉक्स न्यूज' को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने इजराइली सियासत और ज्यूडिशियल रिफॉर्म बिल से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। कहा- हमें दूसरे देशों से हर रोज कोई न कोई सलाह दी जाती है। मैं 16 साल से सत्ता में हूं। मैंने तो कभी किसी दूसरे देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी नहीं की। दूसरे देशों को भी यही करना चाहिए। अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन का नाम लिए बगैर इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा- दूसरे देशों में क्या चल रहा है? वहां डेमोक्रेसी की क्या हालत है? मैंने कभी इस पर कुछ नहीं कहा, क्योंकि ये उनके घरेलू मामलात हैं। लेकिन, इजराइल पर हर कोई बोलना चाहता है, आखिर क्यों? फ्रांस में दंगे हुए, उनके बारे में किसी ने कुछ नहीं बोला। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि इजराइल का सुप्रीम कोर्ट और संसद ज्यूडिशियल रिफॉर्म्स पर बात कर रहे हैं, हम मामला सुलझा लेंगे। एक सवाल के जवाब में नेतन्याहू ने कहा- इजराइल आजाद मुल्क और लोकतंत्र है। यहां भी चुने हुए लोग संसद में बैठते हैं। हमें बहुत अच्छी तरह से पता है कि बतौर मुल्क हमारे लिए क्या अच्छा और क्या बुरा है। लिहाजा, गैर जरूरी कमेंट्स से बचें। अमेरिका की तरफ से इजराइल पर कमेंट्स के बीच चीन के एम्बेसेडर रविवार को नेतन्याहू से मिले और उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लिखी किताब गिफ्ट की। अमेरिका और इजराइल के बीच जारी बयानबाजी का चीन फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका की तरफ से इजराइल पर कमेंट्स के बीच चीन के एम्बेसेडर रविवार को नेतन्याहू से मिले और उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लिखी किताब गिफ्ट की। अमेरिका और इजराइल के बीच जारी बयानबाजी का चीन फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

वसुंधरा बोलीं- राजस्थान की राजनीति में बहुत संघर्ष करना पड़ा

कहा- जो आज भी करना पड़ रहा है, डरकर घर बैठ जाती तो यहां तक नहीं पहुंचती

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि मैं जब राजस्थान की राजनीति में आई तब मुझे भी बहुत संघर्ष करना पड़ा, जो आज भी कम नहीं हुआ है। उस समय भी संघर्ष करना पड़ा था। आज भी संघर्ष करना पड़ रहा हैं। अगर मैं डरकर घर पर बैठ जाती तो यहां तक नहीं पहुंचती।

राजे आज इनाया फ़ाउंडेशन की ओर से आयोजित 'वूमन ऑफ़ वंडर अवार्ड-2023'को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि बड़े पदों पर पहुंचने वाले लोगों को संघर्ष नहीं करना पड़ता हैं। जो संघर्ष आप लोगों ने किया हैं। वैसा ही संघर्ष जब मैं पहली बार राजस्थान की राजनीति में आई तो मुझे भी करना पड़ा था। जो आज भी जारी हैं।

उन्होंने कहा जब मैं राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी तो लोगों ने कहा था कि ठीक है तुम भी क्या करोगी। यह पुरुष प्रधान प्रदेश हैं। लेकिन उस समय

मेरी ताकत यहां की महिलाएं बनी। उन्हीं की वज़ह से मैं यहां खड़ी हूं।

राजे ने कहा दुनिया में सबसे बड़ा संविधान भारत का है। जिसमें महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए गए हैं। इसके बाबजूद महिलाओं को अपने ही अधिकारों के लिए लड़ना पड़ रहा है। आज भी उनकी जिंदगी से जुड़े अहम फैसले पुरुष ही ले रहे हैं।

भले ही महिलाएं खुश हो लें, लेकिन सदन में प्रतिनिधित्व कम

वसुंधरा राजे ने कहा कि भले ही महिलाऐं खुश हो लें कि आजादी के 75 सालों में महिलाएं अंतरिक्ष पर पहुंच गई। फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। ओलंपिक में पदक जीत रही हैं। राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर संभाल रही हैं। चंद्रयान-3 लैंडिंग की जिम्मेदारी 'रॉकेट वुमन' ऋतु करिधाल को सौंपी गई है। पर वास्तव में यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंश मात्र है।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व लोकसभा में 15, राज्यसभा में 14 और राजस्थान विधानसभा में साढ़े 13 प्रतिशत है, जो बेहद कम है।

जबकि साइकिल के दोनों पहियों की तरह समाज का संतुलन पुरुष और महिला पर टिका है, जिनकी बराबर भागीदारी से ही देश विकसित होता है।

मुस्लिम महिलाओं के हक में मोदी सरकार ने लिया फैसला

राजे ने कहा हमारी मुस्लिम बहनें आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताती हैं कि उन्होंने तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म कर उनके हक में फैसला लिया। मोदी सरकार द्वारा हज नीति में लाए गए अनेकों बदलावों के कारण हज यात्रा सुगम हुई है और इससे मुस्लिम महिलाओं को विषेश लाभ मिला है। जिसका आज उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में जिक्र भी किया था।

उन्होंने कहा बीते 9 वर्षों में महिलाओं के जीवन में जो सुखद बदलाव आया है, उससे साबित होता है कि मोदी सरकार महिलाओं की बेहतरी के लिए तत्परता से खड़ी है। वहीं हमारी सरकार ने प्रदेश में जो जनहित के काम किए, वह समाज कल्याण की भावना भी भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से ही प्रेरित थी।

पांचवें फ्लोर पर चढ़कर ज्वेलर पर फायरिंग

पैर में लगी गोली, भाई पकड़ने के लिए पीछे गया तो दो और फायर किए

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में एक अपार्टमेंट में घुसे बदमाशों ने पांचवीं मंजिल पर रहे ज्वेलर पर फायरिंग कर दी। गोली ज्वेलर के पैर में लगी। इसके बाद दोनों बदमाश मौके से भाग निकले। घटना के बाद परिजनों ने घायल ज्वेलर नवीन सोनी (32) को सीकर रोड स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया है। घटना विद्याधर नगर इलाके में सीकर रोड स्थित ढेहर के बालाजी की है।

एडिशनल डीसीपी बिजेंद्र सिंह भाटी ने बताया- नवीन सोनी मूलतः सीकर के श्रीमाधोपुर के रहने वाले हैं। वहीं पर ज्वेलरी का कारोबार करते हैं। सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी स्थित सनसाइन सिद्धार्थ अपार्टमेंट में पांचवें फ्लोर पर उनका फ्लैट है।

फ्लैट में पत्नी और भाई के साथ बैठे थे। तभी घर की घंटी बजी। नवीन की पत्नी ने गेट खोला। सामने दो युवक खड़े थे। पूछा नवीन है क्या? उन्होंने हां बोला। तब नवीन गेट के पास आया। एक बदमाश बोला- राकेश के पैसे क्यों नहीं दे रहा है। फिर फायरिंग कर

ज्वेलर नवीन सोनी सीकर रोड स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है।

दी। एक गोली नवीन के दाएं पैर की जांघ में लगी। तब तक दरवाजा बंद कर दिया।

नवीन के भाई ने पकड़ने के लिए पीछा करने की कोशिश की तो बदमाशों ने दो और फायर किए। जो दरवाजे पर लगे। उसके बाद सीढ़ियों से भाग गए।

7.65 एमएम की तीन गोलियां चलाई

फायरिंग की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए शहर और आस-पास के इलाके में ए-श्रेणी की नाकाबंदी करवाई। देर रात तक बदमाशों का सुराग नहीं लगा। इधर, एफएसएल के अभय प्रताप सिंह के साथ मौके पर पहुंची टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए। उनके अनुसार 7.65 एमएम की तीन गोलियां चलाई गई हैं। सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि एक बदमाश ने हेलमेट लगा रखा था। दूसरा बदमाश बिना मुंह ढके आया था। आरोपियों को पकड़ने के लिए एसीपी महेंद्र गुप्ता व एसएचओ अजयकांत रतूड़ी के नेतृत्व में टीमें बनाई गई हैं। जो देर रात से दबिश दे रही हैं। बदमाशों की बाइक भी किसी राकेश के नाम से रजिस्टर्ड है।

लोगों से फ्लैट नंबर पूछकर पहुंचे

स्थानीय लोगों ने बताया- अपार्टमेंट में सिक्योरिटी गार्ड नहीं है। बदमाशों ने अपार्टमेंट के बाहर की तरफ बाइक खड़ी की। वहां मौजूद लोगों से पहले नवीन के बारे में पूछा। लोगों ने पांचवें फ्लोर पर 502 नंबर फ्लैट बता दिया। जब वे बिल्डिंग के सामने आए तो दोनों बदमाशों ने सिर पर हेलमेट लगा रखा था, अंदर घुसने के दौरान एक बदमाश ने हेलमेट हटा लिया।

पुलिस ने ज्वेलर के बयान लिए

घायल ज्वेलर नवीन सोनी के प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने बयान लिए। इसमें नवीन ने एक राकेश नाम के व्यक्ति की बात पुलिस को बताई है। नवीन सोनी ने राकेश नाम के व्यक्ति से पैसा लिया हुआ है। पैसा नहीं देने पर नवीन पर राकेश ने फायरिंग कराई। पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

शूटर भेज कर कराई गई फायरिंग

पुलिस के अनुसार- मामला पैसे के बड़े लेन-देन का है। नवीन को डराने या फिर मारने के लिए बदमाश हायर कर भेजे गए हैं। वारदात के बाद बदमाश कहां गायब हो गए, उसका पता राकेश के पकड़े जाने के बाद ही चलेगा।

अपार्टमेंट में गोली की आवाज से डरे लोग

वहीं, अपार्टमेंट में 5वीं मंजिल पर हुई फायरिंग के बाद लोग डरे हुए हैं। उनका कहना है कि उन्हें तीन राउंड फायरिंग की आवाज आई, लेकिन पता नहीं चला कि गोली कहां पर चली। कुछ देर बाद पार्किंग में दो बदमाशों को हथियार के साथ भागते हुए देखा।

भीषण टक्कर में महिला कॉन्स्टेबल की मौत

आगे चल रहे ट्रक से हुई टक्कर, साथ में मौजूद एसआई की भी हालत गंभीर

ट्रक चालक मौके से भाग निकला

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में देर रात ट्रक की चपेट में आने से कार सवार महिला कॉन्स्टेबल बबीता (30) की मौत हो गई। वहीं, एसआई सज्जन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर दुर्घटना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को कांवटिया अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालत गंभीर होने के कारण एसआई सज्जन सिंह को विद्याधर नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। वे फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं।

दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया- दुर्घटना थाना वेस्ट में तैनात 2006 बैच की कॉन्स्टेबल बबीता ड्यूटी खत्म करने के बाद घर लौट रही थी। महिला थाना दक्षिण में तैनात एसआई सज्जन सिंह भी साथ में मौजूद थे। निवारू पुलिया पर आगे चल रहे ट्रक से कार की टक्कर हो गई। इसके बाद ट्रक चालक मौके पर ही ट्रक को छोड़ कर भाग गया।

स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद दोनों घायलों को कांवटिया अस्पताल में 108 की सहायता से भिजवाया, लेकिन वहां पर डॉक्टरों ने बबीता को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना थाना वेस्ट ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। महिला कॉन्स्टेबल बबीता का रोड नम्बर 14 पर मकान है। दोनों ही पुलिसकर्मी घर लौट रहे थे। दोनों के परिवार को पुलिस ने देर रात ही घटना की जानकारी दे दी।

दुर्घटना थाना वेस्ट के नारायण सिंह ने बताया- बबीता जाट का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों सौंप दिया है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। कार बबीता की थी। इसे सज्जनसिंह चला रहे थे। कार आगे चल रहे ट्रक में जाकर घुसी थी। ट्रक चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही हैं।

आंख में मिर्ची पाउडर डालकर 10 लाख लूटे

बीच सड़क पर चलती बाइक पर किया हमला, गिरते ही लूटकर भागा बदमाश

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में 10 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है। पीड़ित दूध का कलेक्शन लेकर कंपनी में जा रहा था। इस दौरान कुछ बदमाश ने पीड़ित की आंखों में मिर्ची पाउडर दाल दिया। फिर रुपए लूटकर ले गया। घटना मुहाना थाना इलाके की है। पीड़ित कालूराम कुमावत (44) ने पुलिस को बताया कि वह तीन दिन का दूध का कलेक्शन लेकर कम्पनी जा रहा था। केशववाला के कच्चे रास्ते में एक बदमाश बाइक पर बैठा था। अचानक बाइक से उतरकर कालूराम की तरफ चलने लगा। कालूराम के पास आते ही आंख में मिर्ची पाउडर डाल दिया। इसके बाद पीड़ित कालूराम बाइक सहित नीचे गिर गया। बदमाश ने इस का फायदा उठाया। पैसों से भरा बैग लेकर मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने पीड़ित को सम्भाला। पुलिस को लूट की जानकारी दी।

भाजपा नेता का सुराग नहीं: लालगढ़ मंडल अध्यक्ष विनोद करोल की दूसरे दिन भी तलाश, शोभासर झील में नहीं मिले

बीकानेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद करोल दूसरे दिन भी नहीं मिले। उनकी बाइक यहां शोभासर झील के पास मिली थी, ऐसे में एसडीआरएफ की टीम लगातार दूसरे दिन सोमवार को तलाश कर रही है। पुलिस को अब तक विनोद के नहर में कूदने का भी कोई संकेत नहीं मिला है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि करोल यहां बाइक खड़ी करके कहीं और चले गए हैं। ऐसे में झील के अलावा भी उनकी तलाश की जा रही है।

नाल थानाधिकारी महेंद्र दत्त ने बताया कि करोल की बाइक शोभासर झील के पास ही खड़ी थी। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक स्टेट्स लगाया था, जिसमें झील में डूबता हुआ शख्स कह रहा है कि फिर नहीं

मिलेंगे। ऐसे में उनके नहर में छलांग लगाने की आशंका में खोजबीन की जा रही है। एसडीआरएफ की टीम ने इस झील में छानबीन की लेकिन नहीं मिले। सोमवार सुबह से फिर तलाश की जा रही है। थानाधिकारी के मुताबिक करोल के नहर में कूदने के कोई संकेत ही अब तक नहीं मिले हैं। ऐसे में झील से बाहर भी उनकी तलाश की जा रही है। उधर, जलदाय विभाग का कहना है कि अगर कोई इस नहर में गिरता है तो चौबीस घंटे में ऊपर आ जाता है। उधर, भाजपा नेता सोमवार सुबह भी मौके पर पहुंच गए हैं।

करोल के बेटे ने ही पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वो लापता हैं। इसके बाद लोकेशन के आधार पर शोभासर झील के पास बाइक मिली थी। अब आशंका है कि यहां मोटर साइकिल रखकर कहीं और चले गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग उन्हें परेशान कर रहे थे। इसी कारण पुलिस इस एंगल पर भी काम कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि गायब होने से पहले उनसे किन लोगों ने बातचीत की थी।

जयपुर में बारिश के साथ आई मिट्टी में दबी कॉलोनी

ऑटो, मंदिर और घर मिट्टी के ढेर में फंसे, लोग दो दिन से पानी के लिए तरसे

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में पिछले दिनों हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। नालों का पानी सड़क पर बह निकला। जब बारिश कम हुई तो शहर की गलियों और सड़कों पर मिट्टी भरी पड़ी है। जयपुर की दिल्ली रोड स्थित गणेशपुरा कच्ची बस्ती का वार्ड नंबर 84 भी मिट्टी के मलबे से भर गई। पूरे रास्ते पर दो से 3 फीट तक मलबा जम गया। लोगों के सड़क किनारे खड़ी गाड़ियां मिट्टी में दब गई कई घरों में गाद और पानी भर गया। दरअसल, बस्ती के पीछे एक मिट्टी का टीला है। यह मिट्टी का टीला बारिश के पानी के साथ बस्तियों में आ गया। बस्ती पहाड़ी के बिल्कुल नीचे है। इससे जंगलों में इकट्ठा पानी और मिट्टी धीरे-धीरे सड़कों पर बह निकला।

कॉलोनी के लोगों ने बताया- 2020 में जब यहां पर बाढ़ जैसे

हालत हो गए थे। तब प्रशासन ने इस टीले के नीचे एक बांध बनाया था। उस बांध का काम आधा अधूरा छोड़ दिया गया। पत्थर और लोहे की तार से बांध को तैयार किया गया था। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस बांध का काम पूरा नहीं किया गया। इसकी वजह से यह फिर से दोबारा गलियों में मिट्टी भर गया। बस्ती में बां ध के पास रहने वाले युवक रवि ने बताया- शनिवार की सुबह 4:00 बजे बारिश हो रही थी। सारे मोहल्ले वाले जाग गए। पिछली बार का अंदेशा था कि कुछ ऐसा हो सकता है। इसलिए सभी ने सतर्कता बरतते हुए अपनी अपनी गाड़ियां मोहल्ले से बाहर निकालना शुरू कर दिया। मोहल्ले वाले गलियों को छोड़ छोड़ कर बाहर आ गए। कुछ लोग सड़कों पर से अपनी गाड़ी हटाने लगे। पानी का बहाव तेज आया तो सब छोड़कर भाग खड़े हुए। सुबह 7:00 बजे तक पूरी सड़क पर मिट्टी ही मिट्टी था। जो गाड़ियां नहीं निकल पाई थी वह मिट्टियों में फंस गई। कोई अपने घर में मिट्टियों को साफ करता हुआ दिखा। कोई अपनी फंसी हुई गाड़ियों को निकालने की कोशिश कर रहा था। स्थानीय लोगों का कहना था कि नगर निगम की ओर से भी टीम शनिवार दोपहर 3:00 बजे पहुंची। शाम 6:00 बजे स्थानीय विधायक रफीक खान लोगों के साथ पहुंचे उन्होंने बताया है कि 5 से 6 दिन में पूरा मलवा साफ हो जाएगा।

बस्ती की 800 से 900 मीटर लंबी सड़क पर मिट्टी ही मिट्टी भर गई। मोहल्ले की 20 से 25 मकानों में मिट्टी भर गई। वहीं लोगों के घरों में पानी चला गया। अपने घरों से लोगों ने सामान खाली करना शुरू कर दिया। दूसरे कोई घरों में सामान रखा। बस्ती में ही गंगेश्वर महादेव का मंदिर है। मिट्टी का मलवा इतना था की मंदिर में 4 से 5 फीट तक मलवा भर गया। मंदिर का गेट खोलना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं, मंदिर का शिवलिंग भी मलबे के नीचे दब गए। मोहल्ले में रहने वाले मोहन अग्रवाल ने बताया- घरों में 2 से 3 फीट तक मिट्टी और पानी भर गया। सफाई तो कर दी। टैंक में पूरा गाद भर गया है। समझ नहीं आ रहा अब क्या करें। स्थानीय निवासी अशोक ने बताया- हमारे घरों में पानी भर गया। घर में रखे सारे सामान खराब हो गए। अपने घर का सामान निकाल निकाल कर दूसरों के घरों में रखना पड़ा। खाना बनाने तक की जगह नहीं बची है। ना पानी है ना रोटी है ऐसे में हम जाए तो जाए कहां। सरकार की तरफ से भी कोई मदद नहीं मिली है। बस्ती में जिस बोरिंग से पानी सप्लाई होता है। वह बोरिंग भी मिट्टी के नीचे दब गया। इससे 2 दिनों से बस्ती में पानी तक नहीं आया। नगर निगम की टीम लगातार जेसीबी ट्रैक्टर और डंपर की मदद से राहत का काम कर रही है।

3 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

बीसलपुर बांध का जलस्तर बढ़ा

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश का दौर अब धीमा होगा। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में 2 अगस्त तक मौसम शुष्क बना रह सकता है। अधिकांश जगह मौसम साफ रहने के साथ धूप निकलने और उमस पड़ सकती है। वहीं, उत्तरी राजस्थान और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो अलवर, बांसवाड़ा, दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक और भीलवाड़ा में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। इन जिलों में 17 से लेकर 40MM तक बरसात दर्ज हुई। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर एरिया में बारिश नहीं होने से मौसम साफ रहा और धूप निकली, जिससे यहां तापमान में मामूली इजाफा हुआ। वातावरण में नमी बरकरार रहने से यहां लोग उमस से परेशान रहे। जयपुर शहर में भी 30 जुलाई को दोपहर बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। ग्रामीण एरिया में फागी, कालवाड़, जोबनेर में एक इंच तक पानी बरसा।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून ट्रफ लाइन अपनी सामान्य पॉजिशन से खिसककर अब उत्तर भारत की तरफ शिफ्ट हो गई। इस कारण राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी इलाकों में बारिश की गतिविधियों में कमी आई है। राज्य में अगले 2 दिन तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और पश्चिमी राजस्थान के जिलों में मौसम ड्राय रह सकता है।

त्रिवेणी नदी का गेज बढ़कर 3.40 मीटर तक पहुंचा

भीलवाड़ा, राजसमंद एरिया में लगातार हो रही बारिश से त्रिवेणी नदी का गेज बढ़कर 3.40 मीटर पर पहुंच गया। इस नदी का पानी बीसलपुर बांध में जाता है। नदी में पानी आने से बांध में 565 क्यूसेक से ज्यादा पानी की आवक हो रही है। इससे बांध का गेज पिछले 24 घंटे में 7 सेमी. बढ़कर 313.90 मीटर पर पहुंच गया। बांध का फुल गेज 315.50 मीटर है।

राजस्थान में अब तक 80 फीसदी ज्यादा बरसात

राजस्थान में अब तक मानसून की स्थिति देखें तो सामान्य से 80 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। राज्य में मानसून सीजन में 1 जून से 30 जुलाई तक औसतन 211.7 मिमी बरसात होती है, जबकि इस सीजन में अब तक राज्य में औसत बरसात 381.5 मिमी बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा बरसात सिरोही, राजसमंद, जालोर में हुई। इन जिलों में 600 मिमी से ज्यादा पानी बरस चुका है।

नाले में बहा युवक बनास नदी में पहुंचा

चट्टान पकड़कर बचाई जान, 6 घंटे बाद किया रेस्क्यू

आबूरोड, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नाले में नहाने गया युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। युवक 500 मीटर तक बहते हुए बनास नदी में पहुंच गया। यहां उसने एक चट्टान को पकड़कर अपनी जान बचाई। युवक करीब 6 घंटे तक चट्टान पर बैठा रहा। इसके बाद पुलिस ने गोताखोरों की मदद से उसको सुरक्षित बाहर निकाला। मामला सिरोही के आबूरोड का है।

थानाधिकारी प्रवीण आचार्य ने बताया कि मानपुर निवासी प्रवीण (18) पुत्र धर्माराम भील मोरथला के पास बत्तीसा नाले में नहाने गया था। नाले में पानी के तेज बहाव में वह बहने लगा। करीब 500 मीटर बहते हुए नाले से बनास नदी में आ गया। यहां उसने एक चट्टान को पकड़कर अपनी जान बचाई। फिर चट्टान पर बैठकर मदद का इंतजार करता रहा। काफी देर बाद भी जब प्रवीण घर नहीं लौटा तो परिजन उसको ढूंढते हुए नदी के किनारे पर पहुंचे। वह चट्टान पर बैठा नजर आया। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर ही प्रवीण को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन 3 घंटे की मशक्कत के बाद भी उनको सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। बड़ी संख्या में तरतोली और मानपुर से लोग नदी किनारे आए। पुलिस-प्रशासन को सूचना दी गई।

अजमेर में करंट लगने से युवक की जान गई

बालकनी में खड़ा युवक चपेट में आया, मौत

अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर के वार्ड 48 के सुनहरी कॉलोनी में करंट की चपेट में आने एक युवक की मौत हो गई। युवक हर्षित सोनपाल (20) को बचाने के चक्कर में उसका भाई भी करंट की चपेट में आ गया। हादसे में एक भाई को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी है लेकिन, दूसरे की मौत हो गई। परिवार वाले युवक को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, कॉलोनी में लगातार जलभराव के चलते करंट की शिकायत और उसी वजह से हादसा होने की आशंका जताते हुए लोगों ने कुछ देर रास्ता जाम कर विरोध जताया। जानकारी के अनुसार सुनहरी कॉलोनी निवासी हर्षित सोनपाल (20) अपने घर की बालकनी में खड़े होकर काम कर रहा था। इसी दौरान पास में लगी टीन शेड में उसका हाथ टकरा गया। जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों और युवक की मां ने बताया कि हर्षित को करंट लगता देख उसका भाई उसे बचाने दौड़ा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया।

दांत के लिए काटा मरे हुए लेपर्ड का सिर

आरोपी वन विभाग में कर चुका काम, बोला- बच्चों को नजर से बचाने लेने थे दांत

पाली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मरे हुए लेपर्ड का सिर काटकर प्लास्टिक के कट्टे में डालकर लेकर जा रहे बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में बुजुर्ग ने बताया कि जंगल में मरे हुए लेपर्ड के मुंह के दांत तोड़ने गया था। काफी कोशिश के बाद भी लेपर्ड के दांत नहीं टूटे और बदबू आ रही थी। तब लेपर्ड का सिर काटकर घर लेकर जा रहा था ताकि बच्चों को बुरी नजर से बचाने के लिए उनके गले में लेपर्ड का दांत बांध सकें। वन विभाग की टीम ने लेपर्ड का पोस्टमार्टम करवाकर विसरा जांच के लिए लैब भेजा है। फिलहाल जांच में सामने आया कि आरोपी वन विभाग के पास काम कर चुका है। उसे वन्य जीवों और वन क्षेत्र का भी खास अनुभव है। वह किसी गिरोह से तो नहीं जुड़ा हुआ है, इसकी जांच की जा रही है। सेंदड़ा थाना क्षेत्र के धोलिया गांव निवासी 57 साल के मोहन सिंह पुत्र बालू सिंह रावत को वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की सूचना पर अमरपुरा पकड़ा था। फॉरेस्टर आनंद सिंह बारहट ने बताया कि तलाशी के दौरान उसके पास मिले कट्टे में लेपर्ड का कटा हुआ सिर मिला। पूछा गया तो बाकी के शव के बारे में उसने बताया। तब मौके पर वन विभाग की टीम को भेजा और लेपर्ड का धड़ कब्जे में लिया और उसे सेंदड़ा पुलिस को सौंपा। आरोपी के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम धारा के तहत मामला भी दर्ज किया।

'आप और हम' की साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी एवं हरियाणा समाज का सशक्त संगठन 'आप और हम' की साधारण सभा सिकंदाराबाद स्थित घनराक स्थित केजेआर गार्डन के सामने संस्था के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल के निवास स्थान पर रखी गई। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था के प्रधान संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि संस्था के सुचारू रूप से चलाने के लिए उचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का चयन किया गया। अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल जी चाहते हैं कि आप और हम" एक सशक्त और प्रभाव शाली संगठन बन कर आगे आये और तेलंगाना में अपनी पहचान बनाये। अवसर पर पूर्व अध्यक्ष तरुण झावर ने अपने संबोधन में पूर्व अध्यक्षों को याद करते हुए बताया कि उनके समय आप और हम में कई ऐसे कार्य हुए है जैसे, सामूहिक विवाह, दीप महोत्सव आदि जो स्मरणीय रहेंगे। अनिल मिश्रा ने कहा के सभी हिंदी भाषियों को एक होकर अपनी एकता का परिचय देना होगा। श्रीकिशन शर्मा ने कहा के हम को प्रत्येक रविवार को घर घर जा कर सदस्यता जोड़ना होगी। विनोद संचेती, नवीन अलजार ने भी सभा को संबोधित किया। हरिकिशन ओझा ने आने वाले चुनावों में अपनी शक्ति प्रदर्शन कर अपनी मांगे पूरी करवानी होगी। धर्मीचंद कुमावत ने सभी 36 सामाजिक संस्थाओं से पधारे बंधुओ का आभार व्यक्त किया और समय की मांग को ध्यान रखते हुए हम एकजुट होने का संकल्प लेने को कहा। योगेश सिंघी ने कहा के जब हम सरकारी अधिकारी के पास जाते है, और वो भी यदि उत्तर भारत से हो तो उसे गर्व से कहे हम भी उत्तर भारती है और देखे के आप के काम में अपना पन आजाएगा। पूर्व अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों से आग्रह किया के वे कम से कम दस समाजसेवियों के नाम और फोन नंबर एक पन्ने पर लिख कर ग्रुप में पोस्ट करें। नंद गोपाल भट्टड ने सभा का संचालन किया और आभार प्रकट किया। अवसर पर पवन पांडिया, डॉ. अजय अग्रवाल, दिलीप डागा, विजय सुराना, कोमल शर्मा, सोहन सिंह राजपुरोहित, योगेश जैन, दुर्गाप्रसाद बंसल, नवीन जैन, सविताराय सोनी, नीतू जैन, महावीर प्रसाद अग्रवाल, विनय जैन, अनिल अग्रवाल, मोहनलाल शर्मा, गिरिराज पोद्दार, कैलाश प्रजापति, सोहनलाल बिश्नोई, सीपी रांका, सवाल अंजना पटेल, रामरख सुतार, परसराम बर्फा, कालूराम काग, जितेंद्र विजयवर्गी, नारायणलाल चावड़ा, पीपादर्जी, चैनाराम गुर्जर, रिंकू गर्ग, वंदना अग्रवाल, अनिल अग्रवाल खियाराम देवासी, भीकाराम गुर्जर गौतम सेन, कुंदन लोहार आदि उपस्थित थे।

मोनाश यूनिवर्सिटी मलेशिया के प्रतिनिधिमंडल ने यूओएच का दौरा किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर मैथ्यू निकोलसन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अनुसंधान और संचालन, डॉ. अववारी वी. मोहन, प्रोफेसर (नवाचार और रणनीति) और मोनाश विश्वविद्यालय, मलेशिया के स्कूल के उप प्रमुख के साथ हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) का दौरा किया। उन्होंने कुलपति प्रो. बीजे राव. डॉ. देवेश निगम, रजिस्ट्रार, विभिन्न स्कूलों के डीन, निदेशक, आईओई एसोसिएट निदेशक-अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय, और हैदराबाद विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के बारे में सीखा। प्रोफेसर निकोलसन ने मोनाश विश्वविद्यालय का संक्षिप्त विवरण दिया, जो क्यूएस और टीएचई रैंकिंग 2023 के अनुसार दुनिया के शीर्ष 45 संस्थानों में से एक है। मोनाश यूओएच के साथ सहयोग करने में रुचि रखते हैं, जो भारत में प्रतिष्ठित संस्थान है और मजबूत भी है। अनुसंधान और यह साझेदारी दोनों संस्थानों के लिए पारस्परिक रूप से लाभप्रद होगी, प्रोफेसर निकोलसन ने रेखांकित किया।

अनन्त यात्रा के बाद प्राप्त होता है मनुष्य जीवन का पड़ाव : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकन्दराबाद में साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में अभातेयुप निर्देशित तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के आयोजकत्व में आयोजित इस कार्यशाला में संभागी विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री जी ने कहा कि हम अनन्तकालीन यात्री हैं। इस त्रैकालिक यात्रा में हमने अनन्त की यात्रा अनन्त बार कर ली है। स्वर्ग के आनंद को हमने चखा है। नरक, निर्यच गति में भी जाकर आए हैं। अब यह मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव हमें प्राप्त हुआ है। इसे व्रत-संयम के साथ जीएं।

जिस यात्रा में प्रकाश, आनंद और शक्ति की अनुभूति होती है, उसका आदि बिंदु है सम्यक दर्शन। आत्म दर्शन की दिशा का पहला पड़ाव है-सम्यक दर्शन। कार्यक्रम का संचालन साध्वी सिद्धियशा जी ने किया। रात्रिकालीन सामायिक कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा किश्रावकत्व की शोभा सामायिक की साधना है। सामायिक गुरु द्वारा निर्देशित अभ्युत्थान की महत्त्वपूर्ण पद्धति है। आत्म शुद्धि की पवित्र साधना है। सामायिक का अर्थ है, हर वक्त समता में रमण करना।

लुधियाना से समागत उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित श्रावक सूर्य प्रकाश श्यामसुखा ने तीन संत्रों में विभाजित कार्यशाला को विशेष प्रशिक्षण दिया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष निर्मल जी दुगड़ ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किए।

तेरापंथ सभा एवं महिला मंडल एवं युवक परिषद द्वारा प्रशिक्षक का सम्मान। तेयुप मंत्री रवि कोटेचा ने आभार जताया। कार्यशाला में उपस्थित तेरापंथ सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बैद, मंत्री सुशील संचेती, सह मंत्री धर्मेंद्र चोरडिया तेयुप हैदराबाद अध्यक्ष निर्मल दुगड़, उपाध्यक्ष विनोद दूगड़, कोषाध्यक्ष ललित लुनिया, संगठन मंत्री जिनेंद्र बैद, मंत्री रवि प्रकाश कोटेचा, अभातेयुप मनीष पटावरी, टीपीएफ़ अध्यक्ष पंकज संचेती आदि की उपस्थिति रही।

श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर, सीआर नगर, हिमायतसागर पार्क में श्रावण मास पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ के साथ हवन व भंडारा आयोजित किया गया। इसमें भाग लेते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूर्ण सुरक्षा उपाय करें : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूर्ण सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। सोमवार को जिला केंद्र में एकीकृत कलेक्टर भवन सभाकक्ष में बाढ़ की स्थिति पर तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मंडल पंचायत अधिकारियों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि बारिश के कारण जिले में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोग सतर्क रहें और अधिकारी लोगों की सुरक्षा के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नदी-नालों के उफान वाले क्षेत्रों एवं पुलों पर पुलिस, राजस्व एवं पंचायत राज विभाग का पहरा लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जान-माल और पशुधन की किसी भी हानि को रोकने के उपाय किये जाने चाहिए और निचले इलाकों के लोगों को पहले ही सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया जाना चाहिए। तहसीलदारों, पंचायत सचिवों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों और एमपीपी को स्थानीय स्तर पर रहना चाहिए और स्थिति की निगरानी करनी चाहिए और आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने चाहिए और जनता के लिए उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, जिला प्रशासन हमेशा उपलब्ध है और आवश्यक कार्रवाई करेगा। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए साफ पार्टी ने की बैठक

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साथी और आपका फैसला (साफ) पार्टी के तेलंगाना राज्य के पदाधिकारियों की बैठक हैदराबाद के एलबी नगर स्थित पार्टी कार्यालय में तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बी. बंडारू मोहन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अगामी विधान सभा चुनाव पर चर्चा की गई एवं पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए जोर दिया गया। राष्ट्रीय महासचिव जोगिन्दर सिंह ने कहा कि राज्य की जनता भय, भूख और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही हैं। जनता विकल्प की तलाश में है। उन्होंने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश महंगाई और जातीय, साम्प्रदायिक हिंसा में लगातार जल रहा है और नरेंद्र मोदी विदेश यात्रा कर रहे हैं, परन्तु मणिपुर की यात्रा करने में डर लग रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में देश की बेटी और रोटी दोनों असुरक्षित है। तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बी. बंडारू मोहन ने कहा कि अगामी विधान सभा चुनाव में साफ पार्टी ज्यादा से ज्यादा प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगी, इसके लिए 26 अगस्त को सभी जिलाध्यक्षों की बैठक की जाएगी एवं 27 अगस्त को पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक जगगिरीगुट्टा में होगी, जिसमें साफ पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक मिथिलेश कुमार सिंह साथी भी उपस्थित रहेंगे।

जनसेवा संघ ने मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिए किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ के तत्वावधान में हैदराबाद के 22 भिन्न भिन्न जगहों पर स्व. नितीश कुमार के संदिग्ध मौत पर तेलंगाना सरकार से उचित मुआवजा और न्यायालय की मांग की गई। महासचिव सुधीर जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जन सेवा संघ ने हैदराबाद के अनेक पब्लिक सेंटरों पर और सरकारी दफ्तरों के सामने विरोध प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि दो सप्ताह पहले नितिश कुमार गच्चीबावली में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड के रूप में अपनी ड्यूटी का फर्ज निभाते समय उनका किसी से झगड़ा हो गया था। गच्चीबावली पुलिस स्टेशन को फोन कर दिया जिससे पुलिस आई और नीतीश कुमार को गिरफ्तार करके ले गयी और उसके साथ पुलिस स्टेशन में ऐसा क्या कर दिया गया कि उनकी मौत हो गयी जो एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, अतः स्वर्गीय नीतीश कुमार और उनके परिवार को न्याय और मुआवजा मिले और कानून व्यवस्था का ढांचा खराब ना हो इसके लिए धरना किया गया। संस्था के अध्यक्ष एलएम चौधरी, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह एवं महासचिव सुधीर जायसवाल ने बताया यह प्रदर्शन असहाय लोगों को सहायता प्रदान करना और सुदूर प्रांतों से आए हुए मजदूरों को प्रवासी आयोग बना कर उनकी जिंदगी और परिवार को सुरक्षित करना सरकार का दायित्व होना चाहिए। धरना प्रदर्शन मीरपेट, अनकपल्ली, कुकटपल्ली, मलकपेट, आईडीए बोलाराम, काचीगुडा, गांधीनगर, तुकारांगेट, कुशाईगुड़ा, संगारेड्डी, कुलसुमपुरा, चर्लापल्ली, केसरा, कोमपल्ली आदि अनेक स्थानों पर किया गया।

दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप संपन्न

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जैन संघटन (बीजेएस), तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद व तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिवस साध्वीश्री के मंगल उद्बोधन से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के दूसरे चरण में दूसरे दिन स्पीकर दीपक धोका ने सैल्फ अवेयरनेस पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रचार प्रसार मंत्री मीनाक्षी सुराणा ने कहा कि मासिक धर्म के समय, अपनी स्वच्छता बनाये रखनी है। तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा, मंत्री सुशीला मोदी एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम अध्यक्ष पंकज संचेती ने स्पीकर दीपक धोका का सम्मान किया। अंत में सभी कन्याओं के इस जोश और क़ाबिलियत को देख सभी कन्याओं को प्रमाणपत्र दिए गए। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम नेशनल टीम सदस्य ऋषभ दूगड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। कन्या मंडल प्रभारी शीतल कोठारी, सह प्रभारी रेखा संकलेचा, रक्षिता बोहरा, दीपक सेठिया, प्रकाश दफ्तरी एवं अरिहंत गुजरानी का अच्छा सहयोग रहा। कार्यक्रम की संयोजिका रेखा सेठिया, चंदन कोठारी एवं निशा पिंचा थे।

बीआरएस ने जहीराबाद मंडल अध्यक्ष को निलंबित कर दिया

संगारेड्डी, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के जिला अध्यक्ष चिंता प्रभाकर ने कहा कि पार्टी ने अनुशासनहीनता के आधार पर सोमवार को बीआरएस जहीराबाद मंडल अध्यक्ष हुग्गेली रामुलु को निलंबित कर दिया है। रामुलु एमआरएफ कर्मचारी संघ के अध्यक्ष भी थे। प्रभाकर ने कहा, जहीराबाद मंडल में पार्टी के खिलाफ काम करने के अलावा, रामुलु एमआरएफ कर्मचारियों के कल्याण के खिलाफ भी काम कर रहे थे।

अनिरुद्धाचार्यजी महाराज का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर शिवरामपल्ली धाम बाबा रामदेवरा दरबार में गोकुलनगरी से पधारे श्रीश्री अनिरुद्धाचार्यजी महाराज ने बाबा रामदेवरा का दर्शन किया तथा आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी द्वारा अनिरुद्धाचार्यजी महाराज का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेवरा मंदिर कमेटी के श्याम सुंदरजी गिलडा, कमल जाजू, धर्मचंद भंसाली, समाजसेवी धर्माराम ढाका, जगदीश अग्रवाल, श्याम सुंदर परतानी के अलावा मंदिर के पुजारी उपस्थित रहे।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वार जियागुड़ा गौशाला में घास और सब्जी सेवा की गई, जिसमें मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, सुनील जयलिया, यश अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

शी टीम ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कुमरम भीम आसिफाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस के आदेश पर जिला प्रजा परिषद हाई स्कूल वांकिडी में शी टीम ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएच टीम की प्रभारी सुनीता ने छात्रों को सलाह दी कि यदि कोई हिंसा, छेड़छाड़ और साइबर अपराध का शिकार हो तो एसएच टीम से संपर्क करें। यदि आप साइबर अपराध का निशाना हैं, तो आपको 1930 पर कॉल करना चाहिए और सतर्क रहना चाहिए और अजनबियों को नंबर न दें। किसी भी आपातकालीन स्थिति में, 100 डायल करें या शी टीम आसिफाबाद 8712670564 पर संपर्क करें। इस कार्यक्रम में प्रधान अध्यापक एवं अध्यापिका आसिफाबाद शी टीम सदस्य श्रीलता एवं स्वप्ना ने भाग लिया।

मेड़पल्ली में स्व. पेमारामजी गेहलोत की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए लकाराम, तिलोकराम, अचलाराम, कनाराम, खिमाराम, मांगीलाल, वेनाराम, पोकरराम गेहलोत, तेजाराम परिहार, सजाराम पंवार, रमेश, कालुराम काग व अन्य।

नगर पधारे समाजसेवी राजहंस धनसिंह चावड़ियाँ का श्री खेतेश्वर भगवान की तस्वीर भेंटकर राजस्थानी साफे व शॉल से स्वागत करते हुए गुलाबसिंह आना, अशोकसिंह, लक्ष्मणसिंह भैसाणा, प्रकाशसिंह, विक्रमसिंह, सवाईसिंह राजपुरोहित व अन्य।

टीटीडीपी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 25 लाख अनुग्रह राशि की मांग की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना टीडीपी अध्यक्ष कसानी ज्ञानेश्वर ने आज मांग की कि राज्य सरकार हाल की बाढ़ में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को 25 लाख की अनुग्रह राशि दे। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार बाढ़ में अपनी फसल बर्बाद करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 20,000 रुपये का मुआवजा दे। पार्टी नेता रावुला चंद्रशेखर रेड्डी के साथ यहां एनटीआर ट्रस्ट भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने बाढ़ पीड़ितों को कंबल और आवश्यक वस्तुएं वितरित करने का फैसला किया है। रावुला ने मांग की कि राज्य सरकार हाल की बाढ़ को राज्य आपातकाल घोषित करे। उन्होंने कहा कि वे केंद्रीय टीम से मिलेंगे और एक ज्ञापन सौंपकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का आग्रह करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ज्ञानवापी को मस्जिद ...

ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। कोर्ट 3 अगस्त को इस मामले में फैसला सुनाएगी। उसके बाद स्पष्ट होगा कि सर्वे होगा या नहीं? दरअसल, वाराणसी की जिला कोर्ट ने ज्ञानवापी में वजूस्थल को छोड़कर पूरे परिसर का एएसआई से सर्वे कराने का आदेश दिया था।

24 जुलाई को एएसआई की टीम ने ज्ञानवापी का सर्वे शुरू कर दिया था। हालांकि, इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। कोर्ट ने तत्काल सर्वे पर रोक लगाते हुए मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने की कहा था।

विश्व हिंदू परिषद ...

हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि केंद्र सरकार पैरामिलिट्री फोर्स की 3 कंपनियों को नूंह में एयरड्रॉप कर रही है। वहां फंसे लोगों को निकालने के लिए अतिरिक्त फोर्स भेजी जा रही है। विज ने ये भी बताया कि मेवात के एसपी छुट्टी पर थे, उनकी जगह पलवल के एसपी को वहां भेजा गया था।

नूंह के नल्हड़ शिव मंदिर में अभी भी काफी लोगों के फंसे होने की बात सामने आई है। इनकी संख्या 2 हजार से ज्यादा बताई जा रही है। जिसमें काफी संख्या में महिलाएं हैं। इनमें करनाल, अंबाला, जींद, हिसार, नारनौल, गुरुग्राम, फ़रीदाबाद, सोनीपत, रेवाड़ी और रोहतक के लोग भी शामिल है। ये सभी यात्रा में शामिल हो गए थे। वे सोशल मीडिया के जरिए सरकार से सुरक्षित बाहर निकालने की अपील कर रही हैं।

वहीं उपद्रवी अब गुरुग्राम तक पहुंच गए हैं। यहां सोहना में एक गाड़ी को फूंक दिया गया। इतना ही नहीं दो गाड़ियों पर छतों पर बैठी महिलाओं ने जबरदस्त पथराव कर दिया। हिंसा शुरू होते ही व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दी। गुरुग्राम के डीसीपी ईस्ट नीतीश अग्रवाल ने कहा कि स्थिति कंट्रोल में है। पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हिंसा के आसार को देखते हुए नूंह के बाद गुरुग्राम में भी धारा 144 लागू कर दी गई है।

ब्रजमंडल यात्रा नूंह के नल्हड़ शिव मंदिर से फिरोजपुर-झिरका की तरफ रवाना हुई थी। जैसे ही यात्रा तिरंगा पार्क के पास पहुंची, वहां एक समूह के लोग पहले से जमा थे। आमने-सामने आते ही दोनों पक्षों में तकरार हो गई और देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया। सोमवार दोपहर को सबसे पहले तिरंगा पार्क के पास हिंसा भड़की जिसने देखते ही देखते पूरे नूंह शहर को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान पुराना बस स्टैंड, होटल बाइपास, मेन बाजार, अनाज मंडी और गुरुग्राम-अलवर हाईवे पर एक के बाद एक गाड़ियां फूक दी गई। नूंह स्थित गुरुग्राम-अलवर नेशनल हाइवे पर हीरो कंपनी के शोरूम से उपद्रवियों ने 200 बाइक लूट ली। सुनील मोटर्स के मालिक सुनील ने बताया कि हजारों की संख्या में उपद्रवी अंदर घुसे और बाइक लेकर फरार हो गए। इसी रास्ते पर सुबह सबसे पहले हिंसा हुई थी। दोपहर तक 40 से ज्यादा वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ हो गई। इनमें कारों के अलावा बसें, बाइक, स्कूटी और दूसरे वाहन शामिल रहे। गाड़ियों में लगाई गई आग की वजह से नूंह शहर के आसमान में धुआं ही धुआं नजर आने लगा।

निकोलस पूरन ने 55 गेंदों पर 137 की पारी खेली

13 छक्के लगाकर जीता मेजर लीग टी-20 का फाइनल; एमआई न्यूयॉर्क बना पहला चैंपियन

डालास, 31 जुलाई (एजेंसियां)। एमआई न्यू यॉर्क ने अमेरिका की मेजर लीग टी-20 का पहला खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में सीटल ओरकास को 7 विकेट से हराकर पहला खिताब जीता। एमआई के कप्तान निकोलस पूरन ने 16 गेंद पर फिफ्टी लगाने के बाद 40 गेंद पर सेंचुरी लगाई। पूरन 137 रन के स्कोर पर नॉट आउट रहे और अपनी टीम को चैम्पियन बनाया।

डालास के ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में एमआई ने कप्तान पूरन की विस्फोटक पारी के दम पर 16 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।

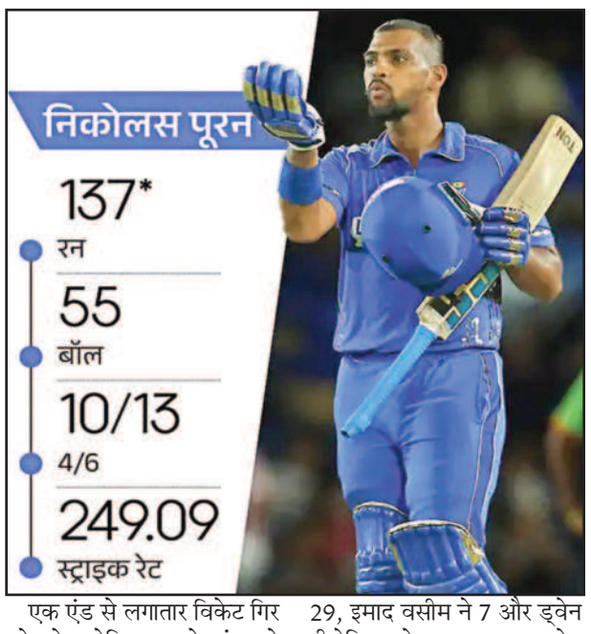

ओरकास से क्विंटन डी कॉक की फिफ्टी

ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास को 5वें ओवर में ही पहला झटका लगा। ओपनर नौमान अनवर 9 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद शेहान जयसूर्या 16 और हेनरिक क्लासेन भी 4 रन बनाकर ही आउट हो गए।

एक एंड से लगातार विकेट गिर रहे थे, लेकिन दूसरे एंड से क्विंटन डी कॉक ने तेजी से रन बनाए और अपनी फिफ्टी पूरी की। वह 52 बॉल पर 87 रन बनाकर 17वें ओवर में आउट हुए, लेकिन तब तक अपनी टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचा चुके थे।

राशिद खान को 3 विकेट

डी कॉक के आउट होने के बाद ओरकास टीम से शुभम रंजन ने 29, इमाद वसीम ने 7 और ड्वेन प्रीटोरियस ने 21 रन बनाए। वेन पार्नेल 2 तो वहीं एंड्रयू टाई और हरमीत सिंह 1-1 रन ही बना सके और ने टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन का स्कोर खड़ा किया।

एमआई से राशिद खान ने महज 9 रन देकर 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भी 3 विकेट मिले। उनके अलावा स्टीवन टेलर और डेविड वीजे के खाते में भी एक-एक विकेट गया, जबकि एक बैटर रन आउट हुआ। वीजे ने अपने 4 ओवर में 65 रन दिए।

पूरन ने 16 गेंद पर फिफ्टी, 40 गेंद पर सेंचुरी लगाई

184 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी एमआई न्यू यॉर्क टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। स्टीवन टेलर खाता खोले बगैर ही इमाद वसीम का शिकार हुए। नंबर-3 पर उतरे कप्तान निकोलस पूरन ने तेजी से बैटिंग शुरू कर दी। उन्होंने पावरप्ले में महज 16 गेंद पर फिफ्टी लगाई, ये मेजर लीग की फास्टेस्ट फिफ्टी भी रही।

5वें ओवर में शयन जहांगीर 10 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन पूरन नहीं रुके। उन्होंने अकेले दम पर ही मैच खत्म करने की जिम्मेदारी उठाई और पावरप्ले खत्म होने के बाद भी शॉट्स लगाने बंद नहीं किए। उन्होंने 9 ही ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया।

137 रन पर नॉट आउट रहे पूरन

डेवाल्ड ब्रेविस 13वें ओवर में 20 रन बनाकर रन आउट हो गए। कप्तान पूरन फिर भी नहीं रुके और 40 गेंद पर सेंचुरी लगा दी। पूरन 16वें ओवर में अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाकर ही माने। उन्होंने कैमरन गैनन की बॉल पर फाइन लेग की दिशा में विनिंग चौका लगाया। पूरन ने 55 गेंद पर 137 रन बनाए, उनके सामने टिम डेविड 10 रन बनाकर नॉट आउट रहे। ओरकास टीम से इमाद वसीम और वेन पार्नेल को 1-1 विकेट मिला।

बोल्ट टॉप विकेट टेकर, पूरन टॉप स्कोरर

अमेरिका में पहली बार मेजर लीग टी-20 टूर्नामेंट खेला गया। एमआई न्यू यॉर्क पहली चैम्पियन बनी, टीम के कप्तान निकोलस पूरन टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 388 रन बनाए। MI के ही ट्रेंट बोल्ट टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 22 विकेट लिए, दूसरे नंबर पर रहे कैमरन गैनन को महज 11 विकेट मिले।

पूरन के अलावा ओरकास टीम के हेनरिक क्लासेन ने भी टूर्नामेंट में शतक लगाए। उन्होंने एमआई के खिलाफ ही सेंचुरी लगाई थी।

संजय सिंह ने डब्ल्यूएफआई प्रेसिडेंट के लिए नामिनेशन भरा

दर्शन लाल सचिव और एसपी देशवाल ने कोषाध्यक्ष के नाम नामांकन भरा

पानीपत, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती फेडरेशन को 12 साल बाद नया प्रधान मिलने वाला है। संजय सिंह ने अध्यक्ष, दर्शन लाल ने महासचिव और एसपी देशवाल ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। इससे पहले, मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष मोहन यादव के नाम की चर्चा तेज थी। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और खेल मंत्रालय के अधिकारी डब्ल्यूएफआई की कमान हरियाणा या रेलवे से जुड़े लोगों के हाथों में देना चाहते थे। इसलिए वोटिंग के लिए तैयार लिस्ट में हरियाणा के दो पदाधिकारियों का नाम अलग-अलग राज्यों से शामिल किया गया था। हरियाणा के भाजपा नेता और मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स के मालिक देवेंद्र सिंह कादयान को असम राज्य से और एशियाई मेडलिस्ट और बृजभूषण के खिलाफ गवाह रही अनीता श्योराण का नाम ओडिशा राज्य से शामिल किया गया था। वहीं रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड सेक्रेटरी प्रेमचंद लोचब का नाम गुजरात से शामिल किया गया था। सूत्र ने बताया डब्ल्यूएफआई के निर्वतमान अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कादियान, अनीता और प्रेमचंद लोचब के नाम पर तैयार नहीं थे। वे चाहते थे कि उतराखंड कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष सतपाल सिंह या हरियाणा के अलावा किसी अन्य राज्यों के पास डब्ल्यूएफआई की कमान जाए। सतपाल सिंह बृजभूषण सिंह के खास माने जाते हैं। ऐसे में मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारी नहीं चाहते थे कि बृजभूषण सिंह का कोई खास अध्यक्ष की कमान संभाले। पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि उनके द्वारा बुलाई गई बैठक में 25 राज्य इकाइयों में से 22 ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि उनके उम्मीदवारों की घोषणा सोमवार को की जाएगी।

बता दें कि बृजभूषण, जिनके खिलाफ ओलिंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगट सहित 6 शीर्ष पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं, क्योंकि उन्होंने महासंघ के प्रमुख के रूप में, राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार अनुमत अधिकतम अवधि 12 साल पूरे कर लिए हैं।

हॉकी : विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज का गोल्ड जीता

मेजबान स्पेन को 3-0 से हराया; मेंस टीम को प्रो-लीग में ब्रॉन्ज मेडल

बार्सलोना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में सफलता हासिल की। विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज में होम टीम स्पेन को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। वहीं मेंस टीम ने प्रो-लीग के ब्रॉन्ज मेडल मैच में नीदरलैंड्स को 2-1 से हराया।

स्पेनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं एनिवर्सरी पर स्पेन के बार्सलोना शहर में विमेंस हॉकी की ट्राई सीरीज और मेंस कैटेगरी में 4 टीमों की प्रो-लीग आयोजित की गई।

विमेंस टीम सीरीज में अजेय रही

बार्सलोना के टेरेसा शहर में भारत और स्पेन के बीच विमेंस ट्राई सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। भारत से वंदना कटारिया ने 22वें मिनट, मोनिका ने 48वें मिनट और उदिता ने 58वें मिनट गोल दागे। स्पेन से कोई खिलाड़ी गोल स्कोर नहीं कर सकीं। फुल टाइम के बाद स्कोर लाइन 3-0 रही और भारत ने मैच जीता।

8वें रैंक की टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 और स्पेन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। तीसरे मैच में लालरेमसियामी की हैट्रिक से टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 3-0 से हराया और अब स्पेन को भी 3-0 से ही हराया। टीम ग्रुप स्टेज में 8 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

मेंस टीम ने जीता करीबी मुकाबला

बार्सलोना में ही 4 टीमों के हॉकी प्रो-लीग का फाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच भी खेला गया। भारत और नीदरलैंड थर्ड प्लेस मैच में भिड़े, जिसे टीम इंडिया ने 2-1 से जीता। भारत से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 15वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में डच टीम से थीएरी ब्रिंकमैन ने भी गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

3 क्वार्टर के बाद भी स्कोर लाइन बराबरी पर रही। तभी चौथे क्वार्टर के 50वें मिनट में भारत से दिलप्रीत सिंह ने गोल किया टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। फुल टाइम के बाद भी स्कोर लाइन 2-1 ही रही और टीम इंडिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। स्पेन ने गोल्ड और इंग्लैंड ने सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगी दोनों टीमें

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स का हिस्सा भी रहेंगी। विमेंस टीम वर्ल्ड नंबर-8 टीम है, वहीं पुरुष टीम वर्ल्ड नंबर-4 टीम है। पुरुष टीम तो एशिया में टॉप रैंक टीम भी है। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक इसी साल चीन में खेले जाएंगे।

मेंस टीम एशियन गेम्स से पहले एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा लेगी। टूर्नामेंट 3 अगस्त से चेन्नई के राधाकृष्णनन हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

एशियन ओलिंपिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे रणधीर

ओलिंपिक कमेटी ने शेख तलाल अल-सबा के चुनाव को मान्यता नहीं दी

लॉजेन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के खेल प्रशासक रणधीर सिंह ओलिंपिक कमेटी ऑफ एशिया के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे, क्योंकि इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल ने नैतिक आयोग की सिफारिश पर ओसीए प्रेसिडेंट के लिए कुवैत के शेख तलाल फहद अल-अहमद अल-सबा के चुनाव को मान्यता देने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, काउंसिल ने चुनावों की जांच शुरू कर दी है।

सिंह चीन के हांगझोउ में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों के दौरान के प्रभारी होंगे। आईओसी ने रणधीर को ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन जारी रखने के लिए कहा है। आईओसी ने बैंकॉक में हाल ही में हुए ओसीए चुनावों में कथित संलिप्तता को लेकर कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा पर तीन साल के लिए प्रतिबंध लगाने के बाद भारतीय

ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व महासचिव और आईओसी के पूर्व सदस्य रणधीर को पत्र लिखा।

पत्र में क्या लिखा- हमने तलाल अल-सबा के चुना को मान्यता नहीं दी

आईओसी ने अपने पत्र में लिखा- 'आईओसी जांच अक्टूबर 2023 से पहले समाप्त होने की संभावना नहीं है और आईओसी ने शेख तलाल अल-सबा के चुनाव को मान्यता नहीं दी है, इसलिए काउंसिल ओसीए के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में आपके (रणधीर) साथ और बैंकॉक आम सभा से पहले मौजूद ओसीए कार्यकारी बोर्ड के साथ काम करना जारी रखेगा।

हम उम्मीद करते हैं कि आप ओसीए प्रशासन को सभी मामलों में निर्देश देना जारी रखेंगे, जिसमें किसी भी कार्यकारी बोर्ड, आम सभा और ओसीए के प्रशासन के लिए आवश्यक अन्य बैठकों को बुलाना शामिल है। आईओसी दैनिक प्रशासन कार्यों के लिए किससे संपर्क करे तो हमें खुशी होगी। अब आईओसी के मानद सदस्य पूर्व निशानेबाज रणधीर ने 1991 से 2015 तक ओसीए महासचिव के रूप में भी काम किया है।

तलाल बने थे अध्यक्ष

बैंकॉक में हुए चुनावों में शेख अहमद अल-फहद अल-सबा के भाई शेख तलाल फहद अल-अहमद अल-सबा शीर्ष महाद्वीपीय खेल निकाय के अध्यक्ष बने थे।

स्विस आपराधिक अदालत में जालसाजी के दोषी हैं तलाल फहद

ओपेक के पूर्व महासचिव शेख अहमद को 2021 में स्विस आपराधिक अदालत द्वारा जालसाजी का दोषी ठहराए जाने के बाद पहले ही आईओसी के सदस्य के रूप में निलंबित कर दिया गया था। फिर उन्होंने ओसीए के अध्यक्ष का पद भी छोड़ दिया था।

गोवा चैलेंजर्स पहली बार बना अल्टीमेट टेबल टेनिस चैंपियन

चेन्नई लायंस को हराकर जीता चौथा सीजन

पुणे, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यह गोवा फ्रेंचाइजी का पहला खिताब है। इस टीम ने चमचमाती ट्रॉफी और 75 लाख रुपये जीते, जबकि उपविजेता चेन्नई को 50 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गोवा चैलेंजर्स ने अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन का खिताब जीत लिया है। गोवा की टीम ने फाइनल में मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस को 8-7 से हराया। गोवा की खिताबी जीत में हरमीत देसाई और अल्वारो रोबल्स हीरो बनकर उभरे। यह गोवा फ्रेंचाइजी का पहला खिताब है। इस टीम ने चमचमाती ट्रॉफी और 75 लाख रुपये जीते, जबकि उपविजेता चेन्नई को 50 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भारत के टाप रैंक के पुरुष एकल खिलाड़ी हरमीत देसाई ने बेहतरीन फार्म मे चल रहे अनुभवी बेनेडिक्ट डुडा को 2-1 से हराकर गोवा चैलेंजर्स को इस फाइनल

मुकाबले में शानदार शुरुआत दी। दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी डुडा, जो अब तक लीग में अजेय थे, ने मैच की जोरदार शुरुआत की और दोनों तरफ से जोरदार शॉट्स लगाकर अपनी ताकत का मुजायरा पेश किया। उन्होंने पहला गेम 11-6 से जीता लेकिन हरमीत देसाई ने शानदार वापसी की और दूसरा गेम 11-4 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में धकेल दिया। रोमांच से भरे तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। वे हर अंक के लिए संघर्ष कर रहे थे। अंत में हरमीत ने धैर्य बनाए रखते हुए 11-8 से गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इसके बाद इस साल लीग में 200 से अधिक अंक हासिल करने वाली पहली महिला बनने वाली यांग्जी लियू ने अपना अजेय क्रम जारी रखा और सुथासिनी सॉवेट्टाबुट को 2-1 से हराकर चेन्नई की फ्रेंचाइजी की टाई में वापसी करा दी। तीसरे मैच में जो कि मिश्रित युगल था में, चेन्नई के अचंता शरथ कमल और यांग्जी की जोड़ी ने हरमीत और सुथासिनी को 2-1 से हराया। इससे चेन्नई लायंस ने मुकाबले में 5-4 की बढ़त बना ली।

चेन्नई लायंस की जोड़ी ने पहले गेम में शानदार तालमेल दिखाते हुए 11-7 से जीत दर्ज की और दूसरे गेम में 11-9 से जीत हासिल की। हरमीत और सुथासिनी ने हालांकि गोल्डन पॉइंट के जरिए तीसरा गेम जीता। चौथा गेम चेन्नई के सबसे बड़े स्टार अचंता शरत कमल का सामना गोवा के अल्वारो रोबल्स के बीच हुआ, जिसे रोबल्स ने 3-0 से जीता और गोवा को आगे कर दिया।

रोबल्स ने पहला गेम 11-8 से जीता और फिर अपना शानदार फार्म जारी रखते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए कई पदक जीत चुके अचंता शरत को दूसरे गेम में भी इसी अंतर से हराया। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके रोबल्स ने तीसरा गेम भी अपने नाम कर गोवा को मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। जीत के बाद रोबल्स ने अपनी शर्ट उतारकर इसका जश्न मनाया।

इसके बाद महिला एकल मुकाबले की बारी थी, जिसमें चेन्नई की रीथ टेनिसन का सामना गोवा की सुतिर्था मुखर्जी से हुआ। मुखर्जी ने यह मैच 2-1 से जीत लिया लेकिन रीथ ने अपनी टीम को चैंपियन बनाने के लिए जरूरी एक अंक हासिल कर लिया।

एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में ज्ञानेश्वरी ने रजत पर किया कब्जा

कोयल ने भी जीता सिल्वर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ज्ञानेश्वरी ने स्नेच (78 किलो) और क्लीन एंड जर्क श्रेणी (98 किलो) में अपना व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फिलिपीन की रोसेजी ने स्वर्ण जीता। यूथ वर्ग में कोयल ने स्नेच में 69 किलो और क्लीन एंड जर्क में 86 किलो के साथ 155 किलो वजन उठाया।

ज्ञानेश्वरी यादव और कोयल बार - फोटो : सोशल मीडिया

भारत की ज्ञानेश्वरी यादव और कोयल बार ने ग्रेटर नोएडा में एशियाई यूथ और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 49 भारवर्ग में रजत पदक अपने नाम किए। ज्ञानेश्वरी ने जूनियर और कोयल ने यूथ श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में तीसरे दिन ज्ञानेश्वरी ने 175 भार (78 +97) भार उठाया। उनके दो प्रयास स्नेच और क्लीन एंड जर्क में विफल हो गए थे।

इससे पहले ज्ञानेश्वरी यही हुई राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में मिली अपनी स्वर्णिम सफलता की बराबरी नहीं कर सकी। बीस वर्षीय खिलाड़ी ने स्नेच (78 किलो) और क्लीन एंड जर्क श्रेणी (98 किलो) में अपना व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फिलिपीन की रोसेजी ने स्वर्ण जीता। यूथ वर्ग में कोयल ने स्नेच में 69 किलो और क्लीन एंड जर्क में 86 किलो के साथ 155 किलो वजन उठाया। मैच आयोजित करेगी, जिसमें वह भाग लेंगे।

बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने भी हाल ही में बुमराह को लेकर कहा कि वह फिट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह आयरलैंड दौरे पर टीम में वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया को अगस्त के तीसरे हफ्ते में आयरलैंड दौरे पर जाना है।

वहां उन्हें तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टी-20 मैच 18 अगस्त, दूसरा 20 अगस्त और तीसरा 23 अगस्त को होना है। उसके बाद टीम इंडिया को 30 अगस्त से शुरू होने जा रहे एशिया कप में भाग लेना है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत को दूसरे दिन 7 मेडल

शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह और आर्चरी मिक्स्ड टीम को गोल्ड, टैली में चौथे नंबर पर आया भारत

चेंगदू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के चेंगदू शहर में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स खेले जा रहे है। भारतीय खिलाड़ियों ने गेम्स के दूसरे दिन 7 मेडल जीते। जिनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है।

इन मेडल की बदौलत भारत मेडल टैली में चौथे नंबर आ गया है। भारतीय टीम के नाम 5 गोल्ड समेत 11 मेडल हैं।

भारत को पहला गोल्ड कंपाउंड

मिक्स्ड आर्चरी टीम ने जीता। दिन का दूसरा गोल्ड 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने दिलाया।

फाइनल में भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने कोरिया को हराया

आर्चरी में कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने फाइनल में कोरिया को हराकर गोल्ड जीता। अमन सैनी और प्रगति की जोड़ी ने कोरिया के सुआ चो और सेउंगह्युन को 157-156 से हराकर पहले स्थान पर रहे। चीनी ताइपे की मिंग-चिंग लिन और जेड वेई वू की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आर्चरी के कंपाउंड में विमेंस टीम को फाइनल में कोरिया से हार कर सिल्वर जीता। महिला कंपाउंड टीम पूर्वशा, प्रगति और अवनीत को कोरिया की सूइन सिम, सेउंगयुन से 224-229 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि में मेंस टीम भारतीय टीम ने कोरिया को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बुमराह ने पहला प्रैक्टिस मैच खेला: 10 ओवर फेंके एक विकेट भी लिया; प्रसिद्ध कृष्णा भी पूरी तरह फिट

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट हो गए हैं। उन्होंने बेंगलुरु में मुंबई की युवा टीम के खिलाफ पहला प्रैक्टिस मैच खेला। उन्होंने इस मैच में 10 ओवर गेंदबाजी की। वे जल्द ही आयरलैंड दौरे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। बुमराह के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी एक अन्य प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजी की।

बेंगलुरु के अलूर में शुक्रवार को मुंबई के युवा खिलाड़ियों के खिलाफ एक प्रैक्टिस मैच में बुमराह ने 10 ओवर गेंदबाजी की और 34 रन देकर 1 विकेट लिया। उन्होंने अपने स्पेल में 2 ओवर मेडन भी डाले।

जसप्रीत बुमराह

प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन स्पेल में 10 ओवर फेंके

बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी शनिवार को मुंबई युवा टीम के खिलाफ ही एक अन्य प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजी की। उन्होंने 10 ओवर फेंके। कृष्णा को भी एक विकेट मिला।

बीसीसीआई ने भी बुमराह-कृष्णा के फिट होने की दी थी जानकारी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 21 जुलाई को जारी मेडिकल अपडेट में बताया था कि बुमराह और कृष्णा फिट होने के करीब हैं। नेशनल क्रिकेट एकेडमी उनके लिए प्रैक्टिस

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले

अब सरकारी होंगे टीएसआरटीसी के कर्मचारी

ममनूर हवाई अड्डे को विकसित करने का निर्णय * हैदराबाद में नई मेट्रो रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिये। छह घंटे से अधिक समय तक चली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) को सरकार के साथ विलय करने का निर्णय लिया है। इससे 46,000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा। मैराथन बैठक के बाद सरकार की ओर से गुरुवार से शुरू होने वाले अगले विधानसभा सत्र में एक विधेयक पेश करने का भी निर्णय लिया गया। विधेयक को मंजूरी मिलते ही टीएसआरटीसी के सभी 46,746 कर्मचारी सरकारी कर्मचारी माने जाएंगे। वे अन्य विभागों में सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले सभी लाभों के हकदार होंगे।

तेलंगाना में आरटीसी को पहली बार 1932 में, 27 बसों और 166 कर्मचारियों के साथ एनएसआर-आरटीडी (निज़ाम राज्य रेल और सड़क परिवहन विभाग) के रूप में स्थापित किया गया था, जो तत्कालीन हैदराबाद राज्य में निज़ाम राज्य रेलवे की एक शाखा थी। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की स्थापना 11 जनवरी, 1958 को सड़क परिवहन निगम अधिनियम 1950 के अनुसरण में की गई थी। आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आरटीसी की दो अलग-अलग प्रशासनिक इकाइयों ने 3 जून, 2015 को परिचालन शुरू किया। नतीजतन, तेलंगाना सरकार ने सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 के तहत 27 अप्रैल, 2016 को टीएसआरटीसी की स्थापना की।

उसी प्रकार राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को टर्मिनल भवन के निर्माण और मौजूदा रनवे के विस्तार के लिए 253 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण करके वारंगल जिले में ममनूर हवाई अड्डे को विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हवाई अड्डे के विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण का सर्वेक्षण इस साल जून में पूरा किया गया था। हवाई अड्डे के विस्तार के लिए खिला वारंगल मंडल के नक्कलपल्ली, गाडेपल्ली और ममनूर गांवों की भूमि की आवश्यकता है, जिन्हें हवाई अड्डे के विकास के लिए उपयुक्त माना गया है। वारंगल हवाई अड्डे का पुनरुद्धार एक बहुप्रतीक्षित कदम है और इससे क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है, खासकर वारंगल के पास काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क (केएमटीपी) की उपस्थिति से।

राज्य मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी में विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने वाली नई मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी देने के साथ 60,000 करोड़ रुपये की लागत से परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एक बड़ी योजना को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल की बैठक में हैदराबाद मेट्रो रेल पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि राज्य को प्रस्तावित मेट्रो रेल विस्तार के लिए केंद्रीय सहायता मिलने का भरोसा है। अगर केंद्रीय सहायता नहीं मिलती है, तो हम अपने दम पर धन जुटाएंगे। किसी भी तरह से, 2024 के बाद केंद्र में गठबंधन सरकार होगी और बीआरएस इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, रामाराव ने कहा, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शहर परिवहन प्रणाली को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाने की योजना बनाई है। मंत्री के मुताबिक, मेट्रो रेल का विस्तार हैदराबाद को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने वाले सभी मार्गों पर होगा। गोदावरीखनी मार्ग पर, सरकार जुबली बस स्टेशन और तुमकुंटा के बीच एक मेट्रो रेल गलियारा बनाने का प्रस्ताव कर रही है।

बेंगलुरु हाईवे पर मेट्रो लाइन को शमशाबाद से कोत्तुर होते हुए शादनगर तक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, शमशाबाद से कंदुकुर तक एक और लाइन का विस्तार किया जाएगा। इसका उद्देश्य आगामी फार्मा सिटी को तेज कनेक्टिविटी प्रदान करना था। मुख्यमंत्री पहले ही रायदुर्ग से शमशाबाद हवाई अड्डे तक मेट्रो कनेक्शन की आधारशिला रख चुके हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि कैबिनेट ने पूरे ओआरआर पर 159 किलोमीटर तक फैली मेट्रो लाइन बिछाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने कहा कि ओआरआर के किनारे भूमि अधिग्रहण की कोई जरूरत नहीं है।

राज्य के लोगों की समस्या को सुलझाने में विफल रहे केसीआर : किशन रेड्डी

केंद्र मंत्री ने डबल बेडरूम घरों को लेकर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा राज्य प्रमुख जी. किशन रेड्डी ने आज पलामुरू में डबल बेडरूम घरों के निर्माण की मांग को लेकर पार्टी की एक महारैली के दौरान सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर किशन रेड्डी ने कहा कि पालमुरु शुरू से ही जीवंत जन आंदोलनों का मंच है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में भी भाजपा ने जिले से जीत हासिल की थी और पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश भर में चार करोड़ से अधिक घर बनाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने पिछले नौ वर्षों में डबल बेडरूम घर नहीं बनाए हैं, हालांकि उन्होंने 10 एकड़ जमीन पर बुलेट-प्रूफ दर्पण वाले घर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं।

उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने अपने पार्टी कार्यालय भवन के लिए 11 एकड़ जमीन ली, लेकिन डबल बेडरूम घरों के निर्माण के लिए पर्याप्त जगह नहीं ढूंढ पाए। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि पूर्व एपी सीएम वाईएसआर के शासन के दौरान जारी किए गए राशन कार्ड अभी भी लोगों द्वारा उपयोग किए जा रहे हैं और कहा कि तेलंगाना राज्य में कोई नया राशन कार्ड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि कोई नई आसरा पेंशन भी नहीं है और विधवा पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन भी नहीं दी जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने टीएसपीएससी भर्तियों में पेपर लीक करके 30 लाख लोगों की जिंदगी बर्बाद कर दी है और कहा कि तेलंगाना में युवाओं के साथ अन्याय हुआ है।

निज़ामाबाद आईटी हब से अपना परिचालन शुरू करें आईटी कंपनियां : कविता

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हिटाची समूह की सहायक कंपनी ग्लोबल लॉजिक से जल्द ही शुरू होने वाले आईटी हब निज़ामाबाद में अपनी कंपनी स्थापित करने की अपील की है।

ग्लोबल लॉजिक गुरु कामकोलानु के उपाध्यक्ष और कंटेंट इंजीनियरिंग विभाग के उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन वीरावल्ली ने सोमवार को यहां एमएलसी कल्वाकुंतला कविता से मुलाकात की। बैठक के दौरान बीआरएस विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन रेड्डी और शकील भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान, कविता ने कहा कि राज्य सरकार आईटी उद्योगों को तेलंगाना के टायर-2 शहरों में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके प्रयास के तहत जल्द ही शुरू होने वाले आईटी हब निज़ामाबाद में सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं और कहा कि आईटी कंपनियों को राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने ग्लोबल लॉजिक कंपनी के प्रतिनिधियों से निज़ामाबाद आईटी हब में अपना परिचालन शुरू करने का अनुरोध किया।

कविता ने निज़ामाबाद आईटी हब के बारे में विस्तार से चर्चा की और कंपनी के प्रतिनिधियों को परिवहन, पानी और बिजली जैसी सुविधाओं के साथ-साथ कानून व्यवस्था के बारे में भी बताया। विधायक और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के अध्यक्ष बाजीरेड्डी गोवर्धन ने आश्वासन दिया कि निज़ामाबाद आईटी हब को बस कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। ग्लोबल लॉजिक के उपाध्यक्ष गुरु कामकोलानु ने कहा कि वे एमएलसी कविता के अनुरोध पर विचार करेंगे और निज़ामाबाद में अपनी सेवाएं शुरू करने के प्रस्ताव पर निर्णय लेंगे। कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में मुख्यालय, ग्लोबल लॉजिक के हैदराबाद में दो परिसर हैं जहां वर्तमान में लगभग 3,000 लोग इसके गाचीबौली और जुबली हिल्स परिसरों में काम कर रहे हैं।

अधूरे कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए : विजयलक्ष्मी

महापौर ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को जुबली हिल्स सर्कल में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए अधूरे कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया है। महापौर ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय पर मंडलीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस मौके पर महापौर ने कहा कि शहर में बारिश कम होने के मद्देनजर बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए शीघ्र उपाय किये जाने चाहिए। अधिकारियों को मच्छरों की रोकथाम और साफ-सफाई पर पूरा ध्यान देने का निर्देश दिया गया। कम बारिश की पृष्ठभूमि में अधिकारियों को जगह-जगह कीचड़, कूड़ा-कचरा और पानी जमा होने से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने सीसी रोड, अलग सीसी रोड, सामुदायिक भवन, मॉडल समारोह भवन, कब्रिस्तान में पानी, शौचालय आदि बुनियादी ढांचे के अधूरे कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। कुत्ते के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए कुत्ते पर नियंत्रण और निवारक उपाय किए जाने चाहिए। महापौर ने अधिकारियों को हरिताहरम कार्यक्रम के लक्ष्य के अनुसार कॉलोनी वृक्षारोपण को पूरा करने और समय-समय पर नहरों की सिल्टिंग करके सीवेज के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के उपाय करने का निर्देश दिया। बैठक में खैरताबाद जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोनट्रे, जुबली हिल्स डिप्टी कमिश्नर प्रशांति, एसई सहदेव रत्नाकर, ईई विजय कुमार, बिजली, टाउन प्लानिंग, वाटर वर्क्स और अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

ट्रैक्टर पलटने से दो किसानों की मौत

सूर्यापेट, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिले के जजिरेड्डीगिडेम मंडल के परसापल्ली में एक कृषि क्षेत्र की जुताई करते समय एक ट्रैक्टर पलट जाने से दो किसानों की मौके पर ही मौत हो गई।

पीड़ित बोलेपल्ली के पासुला रामलिंगैया (55) और परसापल्ली के मिदाथापल्ली लिंगैया (60) थे। रामलिंगैया, एक किसान जो ट्रैक्टर चालक के रूप में भी काम करता था, लिंगैया ने पारसापल्ली में अपनी दो एकड़ कृषि भूमि को जोतने के लिए नियुक्त किया था। जमीन जोतते समय लिंगैया भी ट्रैक्टर के इंजन पर रामलिंगैया के पास बैठ गया। कहा जाता है कि रामलिंगैया को अचानक दौरा पड़ा और उन्होंने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। दोनों दूर जा गिरे और ट्रैक्टर पलट गया, जिससे दोनों उसके नीचे दब गए। अरवापल्ली पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बीजेपी नेताओं ने अरविंद के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद किया

निज़ामाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की तेलंगाना इकाई में अंदरूनी कलह सोमवार को एक बार फिर सामने आई जब निज़ामाबाद में पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने जिला पार्टी कार्यालय के सामने अपनी ही पार्टी के सांसद अरविंद् धर्मपुरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अरमूर, बोधन, बालकोंडा और जिले के अन्य हिस्सों के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'भाजपा निज़ामाबाद बचाओ' तख्तियां दिखाईं और अरविंद के खिलाफ नारे लगाए। पिछले हफ्ते भी, जिले के पदाधिकारी और मंडल नेता हैदराबाद में भाजपा राज्य कार्यालय में गए और अरविंद द्वारा एकतरफा 13 मंडलों के अध्यक्षों को बदलने की शिकायत की।

विरोध करने वाले नेताओं ने आरोप लगाया कि सांसद ने 'लंबे समय से और ईमानदार' पार्टी कार्यकर्ताओं को हटाकर अपने अनुयायियों को 13 मंडल भाजपा इकाइयों का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने मांग की कि पार्टी नेतृत्व अरविंद के खिलाफ कार्रवाई करे और उनके नेताओं को बहाल करे। पार्टी पदाधिकारियों द्वारा विद्रोह का झंडा उठाने के साथ, अरविंद, जो उम्मीद कर रहे हैं कि पार्टी उन्हें निज़ामाबाद लोकसभा क्षेत्र से फिर से उम्मीदवार बनाएगी, चिंतित दिख रहे हैं क्योंकि जिले के नेताओं की नाखुशी उनकी सीट खो सकती है।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि राज्य के नेताओं ने आंदोलनकारी नेताओं से संपर्क किया और उन्हें मनाने की कोशिश की। पिछली बार जब असंतुष्ट नेताओं ने अरविंद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, तो राज्य भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने उनकी खिंचाई की थी और उनसे ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होने को कहा था। उन्होंने कथित तौर पर उनसे कहा कि किसी भी मुद्दे के बारे में पार्टी नेतृत्व को बताया जा सकता है जो इस पर गौर करेगा और उचित कार्रवाई करेगा। यह सब तब शुरू हुआ जब 24 जुलाई को अरविंद ने निज़ामाबाद जिले में 13 मंडलों के लिए नए भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति के बारे में ट्वीट किया, जिसका नेताओं के एक वर्ग ने कड़ा विरोध किया। विरोध के बाद सांसद ने सफाई दी कि नियुक्तियों से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नियुक्तियां जिला पार्टी नेतृत्व द्वारा की गई थीं।

सोने के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या

विशाखापत्तनम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात शहर के सुजाता नगर में एक बुजुर्ग महिला की सोने की चेन के लिए एक वार्ड स्वयंसेवक ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, सुजाता नगर निवासी कोटागिरी श्रीनिवास पास के ही पुरूषोत्तमपुरम में फास्ट फूड सेंटर चलाता था। क्षेत्र का एक वार्ड स्वयंसेवक, 26 वर्षीय रायवरपु वेंकटेश, अंशकालिक के रूप में उनके साथ काम कर रहा था। रविवार रात करीब 10 बजे वेंकटेश श्रीनिवास के घर गया और दुकान पर लौट आया। आधी रात के बाद घर गए श्रीनिवास ने अपनी 72 वर्षीय मां वरलक्ष्मी को बिस्तर पर मृत पाया और उनके गले से सोने की चेन भी गायब थी। इसके बाद उन्होंने पेंडुर्थी पुलिस को सूचित किया, जिसने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि वेंकटेश ने घर का दौरा किया था। यह संदेह करते हुए कि उसने तकिए का इस्तेमाल कर दम घोंटकर उसकी हत्या कर दी होगी, उन्होंने उसे हिरासत में ले लिया और जांच कर रहे हैं।

व्यक्ति का शव उसके दोस्त के घर से बरामद

अमरावती, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले की पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के एक महीने बाद सोमवार को एक व्यक्ति का शव उसके दोस्त के घर से बरामद किया। सतीश (40) के शव को उसके दोस्त किशोर ने प्रोद्दातुर शहर में उसके घर में रेत के नीचे दबा दिया था। पुलिस ने किशोर को उठा लिया है और उससे सतीश की मौत के कारण के बारे में पूछताछ कर रही है। उसने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि शराब पीने के बाद नींद में ही सतीश की मौत हो गई और इस बात से घबराकर उसने शव को रेत के नीचे दबा दिया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि उसी ने सतीश की हत्या कर शव छिपा दिया है। यह घटना तब सामने आई जब किशोर की मां, जो हैदराबाद की यात्रा के बाद घर लौटीं, ने घर में दुर्गंध देखी। उसने उसे बताया कि उसने सतीश का शव घर में छिपा दिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घर की तलाशी ली और शव बरामद किया. इसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बाहुबली सीन : पिता ने बच्चे को हाथ में उठाकर नदी पार कराया

नदियाँ तेज़ बह रही हैं। नदियां उफान पर होने से कई गांवों का आवागमन बंद हो गया। कुछ गांव हफ्तों से जल अवरोध में फंसे हुए हैं। पेन गंगा नदी का पानी सड़क तक पहुंचने के कारण कौटाला-सिरपुर (टी) मंडलों में यातायात ठप हो गया है। फसल को भारी नुकसान हुआ। केरामेरी मंडल के लकमापुर गांव में नदी उफान पर बह रहे हैं और इसी नदी को पार करते समय एक व्यक्ति अपने बच्चे को हाथ में उठाकर नदी पार कर रहा है। और ऐसा ही सीन बाहुबली सिनेमा में भी दिखाया गया था और यही सिन अब रियल मैं लोगों को देखने को मिला।

कुमरम भीम आसिफाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में वरुण देव शांत हो गए, लेकिन आसिफाबाद में नदिया अभी भी शांत नहीं हो रही है वह अपना उग्र रूप से उफान पर बह रही है। जिले में 2 दिन से बारिश कम होने के बावजूद भी जिले में पहाड़ी इलाकों से पानी आने के कारण वटीवागु और अड़ा प्रोजेक्ट में पानी का स्तर अभी भी काम नहीं होने के कारण उनके गेट प्रतिदिन खोल रहे हैं जिसके कारण नदियों में पानी का स्तर बढ़ता हुआ जा रहा है। इसी कारण पेंगांगा और प्राणहिता

सुबह की सैर के दौरान सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोलारम में सुबह की सैर पर निकलीं दो महिलाओं की एक बाइक सवार की चपेट में आने से मौत हो गई। पीड़ित साईं कॉलोनी के पोलम बालमणि (60) और रिसाला बाजार की राधिका (48) सुबह की सैर के लिए बोलारम के कैंटोनमेंट पार्क जा रहे थे, तभी पार्क के बाहर स्पोर्ट्स बाइक चला रहे एक व्यक्ति ने उन्हें टक्कर मार दी। बोलारम इंस्पेक्टर जी लक्ष्मी माधवी ने कहा, दोनों महिलाएं जमीन पर गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चालक की पहचान उप्पल निवासी आदित्य के रूप में हुई जो बाइक रेसिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शमीरपेट जा रहा था। वह एक आईटी कंपनी में काम करता है और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नियमित रूप से अपनी स्पोर्ट्स बाइक पर शमीरपेट जाता है।

इंस्पेक्टर ने कहा कि बाइक चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था और सड़क पार कर रही महिला पैदल यात्रियों को देखकर अपने वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। वह उनसे टकरा गया जिससे उनकी मौत हो गई। बालमणि और राधिका, पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से सुबह पार्क में आते थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया गया है।

राज्य में मत्स्य पालन क्षेत्र ने जबर्दस्त प्रगति हासिल की : तलसानी

समगर समाज के लोगों ने भी किया मंत्री का सम्मान

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन और मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य में तेलंगाना क्षेत्र में मत्स्य पालन क्षेत्र को पूरी तरह से उपेक्षित किया गया था, लेकिन तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में इस क्षेत्र ने जबरदस्त प्रगति हासिल की है। डी. मल्लैया गंगापुत्र, जिन्हें तेलंगाना राज्य मत्स्य पालन सहकारी समिति महासंघ के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है, ने सोमवार को यहां सचिवालय में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से उनके कक्ष में मुलाकात की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार मछुआरों को गाँव के तालाबों और अन्य जल निकायों पर पूर्ण अधिकार प्रदान करने के श्रेय की पात्र है। सभी जल निकायों में मछली के पौधों का मुफ्त वितरण शुरू करने के बाद तेलंगाना में मछली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि मछली के पौधों का मुफ्त वितरण शुरू करने का विचार मछुआरों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत प्रदान करना है। मुख्यमंत्री केसीआर ने हाल ही में पिटाला रविंदर मुदिराज को मत्स्य सहकारी समिति महासंघ का अध्यक्ष और दिति मलैया गंगापुत्र को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है और वह 25 अगस्त को अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

उधर, गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में समगर जाति समाज के प्रतिनिधियों ने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से भेंट कर उनका सम्मान किया। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि मंत्री के सहयोग से कई कल्याणकारी एवं विकास कार्य किये गये हैं, इसलिए वे बधाई के पात्र हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि यदि कोई समस्या हो तो जल्द से जल्द उनके संज्ञान में लाएं तथा स्थानीय नेता इस संबंध में अधिकारियों से बात कर उसका समाधान कराएंगे। इस अवसर पर समगर समाज के बी. जनकराम, बी. कृष्णा, एच. चंद्रमोहन, जी. प्रकाश, एम. महेंद्र कुमार, पी. दुर्गाराज, के. राजेश जी और अन्य ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखपट्टणम
51-1-2/1, एम आर ओ कार्यालय के सामने,सितम्मधारा, विशाखपट्टणम 530013
फोन: 0891-2735465/ 2546717 ईमेल:
operations.vizag@unionbankofindia.bank
लीज पर परिसर की आवश्यकता
बैंक को MVP Colony विशाखपट्टणम में कार्पेट एरिया 1700 वर्ग फीट का (10 कम या अधिक वर्ग फीट) आरसीसी परिसर मुख्यतः भूतल (ग्राउंड फ्लोर) प्रयाप्त पार्किंग सुविधा के साथ पूरी तरह से तैयार व्यावसायिक परिसर का लीज/पट्टे पर आवश्यकता है। इच्छुक पार्टियों से निवेदन है विवरण के लिए उपरोक्त पते पर संपर्क करें और लिफाफे में तकनीकी बोली और वित्तीय बोली वाले प्रोफॉर्मा में अपने सीलबंद कवर में उपरोक्त स्थान हेतु विषय के साथ प्रेषित करें। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 19.08.2023 है।
बैंक को किसी भी बोली या सभी बोलियों को बिना किसी कारण के खारिज करने का अधिकार होगा।
बैंक द्वारा कोई ब्रोकरेज का भुगतान नहीं किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.